राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 | पृष्ठ 12 | अंक 303 | रांची, शुक्रवार, 05 दिसंबर 2025 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

सुविचार

जो अपने सपनों को पूरा करने का साहस करता है, वह हर मुश्किल को पार कर सकता है।

जेएसएससी सीजीएल पुरिणाम पर मुख्यमंत्री सोरेन ने अभ्यर्थियों को दी बधाई

इरादे नेक हों तो सब कुछ बेहतर हो जाता है: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा के अभ्यर्थियों को बधाई दी। झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा रिजल्ट जारी करने और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के आदेश के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी ढोल-नगाड़ों के साथ मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और खुशी का इजहार किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि अगर इरादे नेक हों, तो हर काम बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में थोड़ी देरी जरूर हुई, लेकिन अब बाधाएं दूर हो चुकी हैं।

यदि उच्च न्यायालय का फैसला जल्द आता, तो राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के मौके पर उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने का अवसर मिल जाता। बावजूद इसके, युवाओं के संघर्ष और जज्बे ने सफलता की राह तैयार की है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने आरोप लगाया कि राज्य में कुछ विरोधी ताकतें लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं को बाधित करने की कोशिश करती हैं। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के मामले में भी षड्यंत्र किए गए, लेकिन सरकार ने निष्पक्ष जांच कर सच सामने लाया। दोषियों पर सख्त कार्रवाई हुई और उच्च न्यायालय ने भी पारदर्शिता और ईमानदार प्रयासों को मान्यता दी।

▶▶ जेपीएससी ने पिछले 18 वर्षों में जितनी परीक्षाएं कराईं, उससे अधिक परीक्षाएं सरकार ने 5 वर्षों में संचालित कराईं।

▶▶ राज्य सरकार युवाओं को अवसर देने और उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपीएससी ने पिछले 18 वर्षों में जितनी परीक्षाएं कराईं, उससे अधिक परीक्षाएं सरकार ने सिर्फ 5 वर्षों में संचालित कराईं। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हुई सभी परीक्षाएं पारदर्शी और निष्पक्ष रहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को अवसर देने और उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जब हमारे युवा खुश और सक्षम होंगे, तभी झारखंड सशक्त और विकसित राज्य बन पाएगा।

मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे अभ्यर्थियों ने उनकी पहल और न्याय दिलाने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की निष्पक्ष कार्रवाई और प्रतिबद्धता के कारण लंबा संघर्ष सफल हो सका है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज के पति और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वराज कौशल के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मिजोरम के पूर्व राज्यपाल, पूर्व संसद सदस्य और एक प्रतिष्ठित कानूनी विशेषज्ञ स्वराज कौशल के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी बेटी और सांसद बांसुरी स्वराज, परिवार के अन्य

सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, "स्वराज कौशल के गुजर जाने से दुख हुआ। उन्होंने एक वकील और ऐसे इंसान के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई, जो कानूनी पेशे का इस्तेमाल जरूरतमंदों की जिंदगी बेहतर बनाने में करते थे।" उन्होंने आगे लिखा कि वे भारत के सबसे कम उम्र के राज्यपाल बने और अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर गहरी छाप छोड़ी।

दिल्ली पहुंचे पुतिन, मोदी ने किया गर्मजोशी से स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली : रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में शामिल होने के लिए आज शाम यहां पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रोटोकॉल को छोड़ कर स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मोदी करीब पौने सात बजे ही पालम वायुसैनिक अड्डे पर पहुंच गये थे। लगभग सात बजे पुतिन का विमान उतरा। इसके करीब सात बजकर बीस मिनट पर पुतिन विमान से उतरे। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और फिर गले मिले। हवाई अड्डे पर इस मौके पर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव, रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार, दोनों देशों के वरिष्ठ राजनयिक एवं सैन्य अधिकारी मौजूद

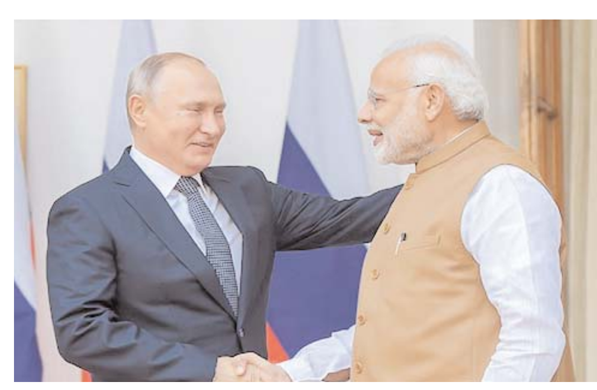

थे। पुतिन ने सबसे हाथ मिलाया। इसके बाद मोदी के साथ भारतीय कलाकारों के एक दल का स्वागत नृत्य का आनंद उठाया।

इसके बाद दोनों नेता एक साथ एक विशेष रूप से तैयार कार में एक साथ बैठकर सात लोक कल्याण मार्ग स्थिति प्रधानमंत्री निवास के लिए रवाना हो गये। जहां दोनों नेताओं के बीच एकांत में वार्ता होगी। मोदी ने पुतिन के सम्मान में एक निजी भोज का भी आयोजन किया है। रूसी राष्ट्रपति के भारत दौरे के लिए निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, पुतिन का विमान आज शाम 06.35 बजे दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर पहुंचेगा। शुक्रवार, 5 दिसंबर

▶▶ 2021 में भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे पुतिन

को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति भवन में औपचारिक त्रि-सेवा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ रूसी राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत किया जाएगा। 11.30 बजे वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे।

भारत एवं रूस के बीच 23वीं शिखर बैठक कल हैदराबाद हाउस में 11 बजकर 50 मिनट पर होगी। दोनों नेता भारत रूस बिजनेस फोरम को भी संबोधित करेंगे। पुतिन कल रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वाराआयोजित राजकीय भोज में शामिल होने के बाद स्वदेश लौट जाएंगे।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में मारे गए 18 में से 16 इनामी नक्सलियों की हुई शिनाख्त

एजेंसी

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर पश्चिम बस्तर डिवीजन क्षेत्र के थाना भैरमगढ़, जांगला और नैमेड के सरहदी क्षेत्रान्तर्गत पोटेनार व कचीलवार के जंगल क्षेत्र में बुधवार को हुई मुठभेड़ में मारे गए सभी 18 नक्सलियों के शव बरामद कर गुरूवार को बीजापुर जिला मुख्यालय लाया गया। इनमें से अब तक 16 नक्सलियों की शिनाख्त हो चुकी है। इन पर एक करोड़ 30 लाख का इनाम घोषित था।

बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज पी और बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने आज प्रेसवार्ता में मुठभेड़ से संबंधित जानकारी मीडिया से साझा की। उन्होंने बताया कि मारे गए 18 में से 16 नक्सलियों की पहचान हो गई है। इन नक्सलियों पर कुल 1 करोड़ 30 लाख का इनाम था। इसके साथ ही गंगालूर क्षेत्र से आतंक का पर्याय नक्सली संगठन खत्म हो गया है। बस्तर आईजी ने बताया कि मारे गए 18

▶▶ मारे गए 18 नक्सलियों में 9 महिला नक्सली भी शामिल, अब तक एक करोड़ 30 लाख के 16 इनामी नक्सलियों की हुई पहचान

में 09 महिला नक्सली शामिल थीं। इसमें 10 लाख का इनामी नक्सली कमांडर वेल्ला भी है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के कंपनी नम्बर 2 और कंपनी नम्बर 7 के नक्सली इस मुठभेड़ में मारे गए हैं। मुठभेड़ स्थल से कुल 19 हथियार बरामद हुए हैं। इनमें एके-47, एलएमजी 303 रायफल और ऑटोमैटिक हथियार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 19 महीनों में अलग-अलग मुठभेड़ में प्रदेश में अब तक कुल 469 नक्सली कैडर मारे गए हैं। उन्होंने नक्सलियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बचे नक्सली जल्द ही आत्मसमर्पण कर दें नहीं तो सुरक्षाबल के जवानों का सामना करना पड़ेगा।

विदेशी प्रतिनिधियों से न मिलने देना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार उन्हें विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और नौकरशाहों से मिलने नहीं देती। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है और इससे प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री

की असुरक्षा की भावना झलकती है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रूसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात से जुड़े सवाल पर कहा कि परंपरागत रूप से जब भी कोई विदेशी मेहमान भारत आता है, तो उसकी बैठक नेता प्रतिपक्ष के साथ भी होती है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल से भी पहले से चली आ रही है। मौजूदा सरकार ने इस परंपरा को तोड़ दिया है।

उन्होंने कहा कि जब भी वह विदेश जाते हैं या जब विदेशी नौकरशाह भारत आते हैं, तो सरकार उन्हें निर्देश देती है कि वे नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात न करें। उन्हें कई बार यह जानकारी मिलती है कि संबंधित विदेशी प्रतिनिधियों को भारत सरकार की ओर से उनसे न मिलने को कहा गया है।

तंबाकू, पान-मसाला जैसे उत्पादों के लिए एक नई कर व्यवस्था होगी लागू, विधेयक पेश

एजेंसी

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 लोकसभा में चर्चा एवं पारित करने के लिए गुरुवार को पेश किया। विधेयक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए उपकर लगाना है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह उपकर आवश्यक वस्तुओं पर नहीं तंबाकू और पान मसाला जैसे उत्पादों पर लगाया जाएगा। इससे स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के लिए भी धन जुटाया जाएगा। इससे सेना और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए संसाधन जुटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पान मसला पर उपकर लगाने से इसका उपयोग भी कम होगा। इसका एक हिस्सा राज्यों के साथ स्वास्थ्य जागरुकता एवं स्वास्थय से जुड़ी योजनाओं और गतिविधियों के लिए साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पान मसाला पर 40 प्रतिशत कर जारी रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि पान मसाला पर उपकर नहीं लगाया जा सकता है। इस कारण से सरकार अलग से विधेयक लेकर आई है।

▶▶ निमार्ताओं की मशीनरी, उत्पादन प्रक्रिया और अधिकतम क्षमता का आकलन कर एक निश्चित उपकर लगाया जाएगा

यह उपकर पान मसाला उत्पादकों की उत्पादन क्षमता पर लगेगा। निमार्ताओं की मशीनरी, उत्पादन प्रक्रिया और अधिकतम क्षमता का आकलन कर एक निश्चित उपकर लगाया जाएगा। इससे समर्पित और पहले से तय संसाधन सुनिश्चित होंगे। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 का उद्देश्य तंबाकू, पान-मसाला और गुटखा जैसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक उत्पादों पर एक नई कर-व्यवस्था लागू करना है। पुराने जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त करने के बाद यह एक वैकल्पिक, स्थायी और नियंत्रित कर व्यवस्था होगी। विधेयक के तहत फैक्टरियों के लिए अनिवार्य पंजीकरण, मासिक रिटर्न, निरीक्षण और उल्लंघन की स्थिति में कठोर दंड का प्रावधान है।

मंत्री शिल्पी और सुदिव्या सोनू ने रांची में छात्रावास विस्तारीकरण योजना का किया शिलान्यास

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने गुरुवार को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभागार सह कार्यकारी विकास केंद्र और बालिका छात्रावास विस्तारीकरण योजना का संयुक्त रूप से शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया।

कार्यक्रम के दौरान दोनों मंत्रियों ने

संस्थान के विकास और राज्य के युवाओं के कौशल उन्नयन को लेकर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर कॉलेज को छोटानागपुर स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर के रूप में विकसित करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि मांडर क्षेत्र के छात्रों ने स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा और विशेषकर झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, इसलिए इस दिशा में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को गंभीरता से पहल करनी चाहिए।वहीं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर अपनी संस्कृति, परंपरा और विशिष्ट भोजन शैली के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आईएचएम से जुड़कर युवा न सिर्फ आतिथ्य क्षेत्र की आधुनिक तकनीक सीख रहे हैं, बल्कि इस क्षेत्र में करियर बनाने की नई संभावनाओं का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड अपनी भाषा, संस्कृति और संघर्षपूर्ण इतिहास के कारण विशिष्ट पहचान रखता है। पहले आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार सीमित था, लेकिन अब आईएचएम जैसे संस्थानों से युवाओं के लिए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

वायु सेना में रोजगार के अवसर पर रामगढ़ महाविद्यालय में सेमिनार

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रामगढ़ ।रामगढ़ महाविद्यालय, रामगढ़ में आई क्यू एस सी एवम कैरियर काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल और वायु सेना 10 मगध सेक्टर एयरमैन सिलेक्शन सेंटर के विहटा(पटना) संयुक्त तत्वावधान में भारतीय वायु सेना में रोजगार के अवसर विषय पर एक सेमिनार का आयोजन महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता डॉ. आर.के. उपाध्याय ने किया। उन्होंने कहा कि सेना में सेवा देश के लिए प्रत्यक्ष सेवा है। वायु सेना में सेवा का महत्व राष्ट्र की सुरक्षा और सैनिकों के व्यक्तिगत विकास दोनों में निहित है। यह देश की वायु सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आपदा राहत कार्यों और शांति अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए युवा की पहली पसंद वायु सेना ही होना चाहिए। वायु सेना में कैरियर की संभावना पर व्यापक प्रकाश डाला गया। नव स्पर्श दीप्त के प्रेरक वाक्य के साथ विंग कमांडर अरविंद सिंह रावत, सर्जेंट बी एस नेगी और कापौरल अशोक साहू ने कहा कि नियुक्ति पश्चात 57 वर्ष तक के आयु तक सेवा का अवसर मिलता है। उन्होंने वायु सेना में सेवा देने हेतु उज्ज्वल भविष्य के लिए अनिवार्य पात्रता और मानदंडों को विस्तार से बताया। इसके लिए डिजिटल बोर्ड में ऑडियो वीडियो, माध्यम से वायु सेना विभिन्न पदों की भर्ती होने के आवश्यक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया आदि के बारे में बताया गया। जिसे विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक सुना और समझा। अंत में विद्यार्थियों से प्रश्न किए गए और बेहतरीन उत्तर देने वालों को पुरष्कृत किया गया। वायु सेना के विंग कमांडर अरविंद कुमार सिंह रावत द्वारा डॉ आर के उपाध्याय को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रो. रोज उराँव, डॉ प्रीति कमल, डा. रामाज्ञा सिंह, डा. बलवंती मिंज, डॉ विजेता तिग्गा, डॉ मोहित जैन, डॉ शाहनवाज खान, प्रो साजिद हुसैन, अजिता किण्डो, आनंद शारदेय, योगेंद्र राम, शिवानंद, मनोज कुमार, विजय कुमार, आशीष कुमार, कुंवर महतो, रोहित ठाकुर, स्वाति कुमारी के साथ सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे।

आजसू छात्र संघ ने राज्यपाल को ज्ञापन देकर हस्तक्षेप का आग्रह किया

राज्यपाल ने आदिवासी, दलित, पिछड़ों की छात्रवृत्ति लंबित होने पर जताई चिंता

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार ने आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्ग के छात्रों को पोस्टझ्रमैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं होने पर चिंता जताई है और राज्य सरकार को आवश्यक दिशा निर्देश देने का आश्वासन आजसू छात्र संघ को दिया है। छात्रों के लंबित भुगतान की मांग को लेकर आजसू छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को महामहिम राज्यपाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते हुए एसटी, एससी एवं ओबीसी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति जल्द जारी कराने की मांग रखते हुए हस्तक्षेप का आग्रह किया। आजसू नेताओं ने राज्यपाल को बताया कि छात्रवृत्ति भुगतान नहीं होने के कारण आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के छात्र पार्ट टाइम जॉब करने को मजबूर हैं, क्योंकि वे गरीब परिवारों से आते हैं। मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने छात्र प्रतिनिधियों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और कहा कि छात्रों की समस्याओं पर शीघ्र पहल की जाएगी तथा छात्रवृत्ति भुगतान को लेकर संबंधित विभाग से जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, पीयूष चौधरी, राजकिशोर महतो और प्रताप सिंह शामिल थे। विदित हो कि छात्रवृत्ति मुद्दे को लेकर आजसू छात्र संघ कई दिनों से आंदोलनरत है और इसके लिए विगत दिनों ह्लशिक्षा के लिए भिक्षा : जनाक्रोश मार्चह्व के माध्यम से राजभवन के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया था, परंतु उस समय राज्यपाल के राज्य से बाहर होने के कारण ज्ञापन नहीं दिया जा सका था। आजसू के अनुरोध के बाद गुरुवार को मुलाकात का समय निर्धारित किया गया था।

घुनसूली पंचायत में टेलरिंग एंड स्टिचिंग सेंटर का शुभारंभ

उज्जवल दुनिया संवाददाता

खूंटी। कर्रा प्रखंड की घुनसूली पंचायत में गुरुवार को एलटीआई माइंडट्री फाउंडेशन के सहयोग से सिटीजन फाउंडेशन द्वारा संचालित टेलरिंग एंड स्टिचिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कर्रा प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नगेशिया एवं पंचायत की मुखिया बंधना उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया ।कार्यक्रम के दौरान बीडीओ स्मिता नागेशिया ने कहा कि यह केंद्र ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास में मील का पत्थर साबित होगा, जिससे उन्हें रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्राप्त होगा और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। वहीं मुखिया बंधना उरांव ने संस्था के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में नई उम्मीद जगी है। इस अवसर पर सिटीजन फाउंडेशन की ओर से असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर नरेंद्र सिंह, असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप कुमार, फील्ड कोऑर्डिनेटर विनोद सिंह, रोशन हेरेंज और सुमित कुमार उपस्थित रहे। बताया गया कि इस सेंटर में महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई एवं वस्त्र निर्माण से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम में स्थानीय महिलाएं एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सैंटविता हॉस्पिटल में पहली बार डबल चेंबर लीडलेस पेसमेकर का सफल प्रत्यारोपण

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांचीः सैंटविता हॉस्पिटल, रांची में बिहारझ्झारखंड का पहला डबल चेंबर लीडलेस पेसमेकर सफलतापूर्वक लगाया गया। यह उपलब्धि प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ . वरुण कुमार और उनकी टीम ने हासिल की।

मेन पॉइंट्सः

- सैंटविता हॉस्पिटल, रांची में राज्य का पहला डबल चेंबर लीडलेस पेसमेकर प्रत्यारोपण।
- प्रक्रिया प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वरुण कुमार और टीम द्वारा सम्पन्न।
- पुराने पेसमेकर में संक्रमण और सुपीरियर वेना कावा में सिकुड़न पाई गई।
- संक्रमित पेसमेकर को लीड सहित सुरक्षित रूप से हटाया गया।
- नवीनतम अमेरिकी तकनीक वाला उपकरण – अक्टूबर 2025 में भारत में लॉन्च।
- बिना चीरा लगाए पैर की नस से सीधे हृदय में पेसमेकर प्रत्यारोपण।
- जटिलताओं का जोखिम बेहद कम, और कोई बाहरी निशान नहीं।
- प्रक्रिया सफल, रोगी पूरी तरह स्वस्थ और डिस्चार्ज।
- झारखंड में हृदय उपचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि।

त्न रोगी को वर्ष 2020 में पारंपरिक पेसमेकर लगाया गया था, लेकिन पाँच साल बाद उसमें गंभीर इंफेक्शन हो गया तथा पेसमेकर लीड के कारण सुपीरियर वेना कावा में अत्यधिक सिकुड़न पाई गई। ऐसे जटिल मामले में पारंपरिक पेसमेकर लगाना संभव नहीं था, इसलिए डॉ. वरुण ने संक्रमित पेसमेकर को लीड सहित हटाकर नवीनतम तकनीक वाला लीडलेस डबल चेंबर पेसमेकर प्रत्यारोपित करने का निर्णय लिया। यह पेसमेकर एक अमेरिकी कंपनी का अत्याधुनिक उपकरण है, जिसे अक्टूबर 2025 में भारत में लॉन्च किया गया है। इसे बिना किसी चीरे के, पैर की मुख्य नस के माध्यम से सीधे हृदय में लगाया जाता है, जिससे जटिलताओं की संभावना बेहद कम हो जाती है और कोई बाहरी निशान भी नहीं रहता।

प्रत्यारोपण के बाद रोगी पूर्णतः स्वस्थ है और डिस्चार्ज कर दी गई है। यह आधुनिक तकनीक आने वाले समय में हृदय रोगियों के लिए एक वरदान साबित होगी।

सीएमपीडीआई अंतर-क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूनार्मेंट 2025-26 का शुभारंभ

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांची। सीएमपीडीआई के खेल मैदान में आज दिनांक 04.12.2025 से 06.12.2025 तक तीन दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूनार्मेंट 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/ ईएस) श्री राजीव कुमार सिन्हा एवं अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के विशेष कार्यभार अधिकारी (ओएसडी) श्री चौधरी शिवराज सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और सर्विस प्रदान कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं सीएमपीडीआई परिवार के लोग उपस्थित थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए अतिथियों ने टीम वर्क, अनुशासन और फिजिकल फिटनेस को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना और निष्पक्ष खेल को बनाए रखने की शपथ भी ली। उद्घाटन सत्र में पहला मुकाबला क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर बनाम क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के बीच हुआ जिसमें क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची ने क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर को पराजित किया। दूसरे मैच में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल ने क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली को हराया। तीसरा मैच मुख्यालय-रांची बनाम क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद के बीच खेला गया जिसमें मुख्यालय-रांची की टीम ने क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद को पराजित किया जबकि चौथे मैच में क्षेत्रीय संस्थान-4-नागपुर ने क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर को हराया। इस तीन दिवसीय मैच में मेजबान टीम सीएमपीडीआई (मुख्यालय)-रांची सहित सभी क्षेत्रीय संस्थान की टीमें शामिल हैं, जिसका उद्देश्य संगठन के भीतर एकता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की संस्कृति को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह उपस्थित हुई

उन्होंने पारंपरिक सरना संस्कृति को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण बताते हुए केंद्रीय सरना समिति के सदस्यों को सरना स्थल पूजा सामग्री, ढोल–नगाड़ा तथा अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्र सौंपे। जिले में चिन्हित 11 सरना समितियों को इस अवसर पर पूजा सामग्री और वाद्य यंत्र प्रदान किए गए। उपायुक्त के आगमन पर समिति के सदस्यों ने उनका पारंपरिक विधि से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे सरना समाज की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिलेगी और आगामी पीढ़ी को पारंपरिक मूल्यों से जोड़ने में सहायता होगी।

खिजरी में पंचायत के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन का किया गया आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

रांची/नामकुम :- खिजरी विधानसभा स्तरीय ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के आवासीय कार्यालय परिसर लुपुंगटोली में किया गया। खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने सम्मेलन में उपस्थित सभी आये हुए अतिथि एवं खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कर्मठ कार्यकताओं का स्वागत किया। कहा कि हमारे खिजरी विधानसभा क्षेत्र के एक एक कार्यकर्ता बहुत मेहनत करते हैं। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के. राजू, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थाई आमंत्रित सदस्य सह झारखण्ड प्रभारी ने कहा कि गांवों की समस्या को ग्राम पंचायत के कमिटी के पदाधिकारियों को मिल कर करना है। प्रत्येक महिना बीएलए को ग्राम पंचायत की बैठक रखना होगा। बैठक में महिलाओं की समस्या, मनरेगा की समस्या को चर्चा कर- के आपके विधायक राजेश कच्छप से मिलकर समाधान करना होगा। झारखण्ड में भी भारतीय जनता पार्टी एस एआर के द्वारा वोटर को रोकने का काम कर रहे हैं। सभी बीएलए को प्रशिक्षण देंगे ताकि आपको कहीं कोई दिक्कत ना हो। सम्मेलन में उपस्थित सह प्रभारी सिरिबेला ने कहा कि केंद्र के भारतीय जनता पार्टी ने बिहार में 69 लाख लोगों को वोट का अधिकार खत्म किया। झारखण्ड में भी यही करने जा रहा है जो एसएआर को लाया है। लोकतंत्र को खत्म करने लगा हुआ है। बुथ में वोटर का हक खत्म करने का कोशिश कर रहा है। इसके लिए आपको सचेत रहना होगा। इसी का लड़ाई हमारे नेता राहुल गांधी ने लड़ रहा है। झारखण्ड सरकार के मंत्री डा. इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी के लोग कांग्रेस पार्टी के कार्यालय को तोड़ फोड़ कर रहा है। आज भारतीय जनता पार्टी के लोग लोकतंत्र को समाप्त करने लगे हुए हैं। सभी बीएलए को एक रहना होगा आपको ही बुथ संभालना होगा। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सभी बीएलए, प्रखण्ड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों को अपने अपने घर 28 दिसंबर को झंडा लगाना होगा। 14 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली के राम लिला मैदान जाने का आवाहन किया। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही देश को मजबूत संविधान मिला है। आज भारतीय जनता पार्टी के लोग देश लोकतंत्र को खत्म करने में लगा है। कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश बैठा ने सभा संबंधित करते हुए कहा कि सभी बीएलए को एक जूट रह कर काम करना है। आपको अपने क्षेत्र में बड़ी ज़िम्मेदारी मिला है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि आज देश को भारतीय जनता पार्टी खोखला करने में लगा हुआ है। खिजरी विधानसभा में कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं। आज लोकसभा चुनाव में खिजरी विधानसभा से बढ़त देती है। जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा ने सम्मेलन आये सभी का धन्यवाद दिया। मौके पर विधायक के धर्म पत्नी रिया तिर्की, शाहजादा अनवर, रियाज अहमद, अशोक मिश्र, दुतिनाथ महतो, अली इमाम परवेज, माधो कच्छप, सतीश पंडा, विजय टोप्पो, तुलसी खरवार, एतवा उरांव, हरिमोहन महतो, एतवा मुण्डा, श्रवण मुण्डा, राजेंद्र मुण्डा, दीपा उरांव, आशा कच्छप, मेरी तिर्की, अनीता देवी, सुरेश साहु, रशीद अंसारी, रिजवान अंसारी, शिबू साहू, शिवदास गोस्वामी, धरमु नायक, सुकरा उरांव, शाहवीर लोहरा, शिलास टूटी, कल्याण लिण्डा, रीता होरो, जफर इमाम, सफीउल्हा अंसारी, कमिश्नर मुण्डा, रमेश पाण्डेय एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची में सात वर्षीय बच्चे का दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी का सफल इलाज

रांचीः पारस एचइसी हॉस्पिटल रांची में दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी से जुझ रहे एक साढे सात वर्षीय बच्चे का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। उस मरीज को एक महीने पहले तेज बुखार आने के बाद अचानक बेहोशी और शरीर के हाथ-पैरों में पूरी तरह लकवा जैसा लक्षण हो गया था। परिजन जब बच्चे को पारस एचइसी हॉस्पिटल लाए, उस समय मरीज बिल्कुल बेहोश था और किसी अंग में कोई मूवमेंट नहीं हो रहा था। हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ संजीव कुमार शर्मा ने जांच के दौरान एमआरआई में पाया गया कि बच्चे के ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड की कई परतें प्रभावित होकर झड़ चुकी थीं। इसके बाद कमर से पानी (सीएसएफ) जांच व रक्त जांच की गई, जिसमें एक्यूट डिमाइलिनेटिंग डिसऑर्डर सामने आया। यह स्थिति माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन एसोसिएटेड डिजीज (एमओजीएडी) नामक दुर्लभ बीमारी के कारण विकसित हुई थी, जो बच्चों में तीव्र लकवे जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। समय पर सही जांच और उपचार शुरू होने के केवल दो दिनों के भीतर मरीज को होश आ गया। उपचार जारी रहने पर स्पाइनल कॉर्ड और ब्रेन की परतों में सुधार दिखा और बच्चा एक महीने के भीतर फिर से चलने-दौड़ने लगा। वर्तमान में मरीज नियमित फॉलो-अप में है और पूरी तरह स्वस्थ है। त्वरित चिकित्सा और विशेषज्ञ टीम की एकजुट कोशिश से बच्चे की जान बच पाई। डॉ संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि इस बीमारी में समय पर पहचान और तत्काल इलाज बेहद जरूरी है। इलाज में देरी होने पर मरीज पूरी तरह पैरालाइज्ड हो सकता है। बच्चे की जान बचाने में त्वरित चिकित्सा और विशेषज्ञ न्यूरोलॉजी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ शर्मा ने कहा कि इस तरह के मरीज का सही समय पर आना, इस बीमारी के बारे में पता चलना और सही डॉक्टर के पास इलाज करना यह सबसे अनिवार्य है। पारस हॉस्पिटल एचईसी के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि इस तरह के जटिल न्यूरोलॉजिकल मामलों में त्वरित निर्णय, सटीक जांच और अनुभवी डॉक्टरों का उपचार बेहद आवश्यक होता है। हमारी टीम ने बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत आपात स्तर पर काम शुरू किया और परिणाम सभी के लिए सुखद रहे। पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची हमेशा गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए तैयार है और हम झारखंड के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़। रामगढ़ जिलान्तर्गत ₹बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ₹ के तहत जागरूकता कार्यक्रम डालसा सभाकक्ष, रामगढ़ में जिला प्रशासन (समाज कल्याण शाखा) एवं डालसा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलीत कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, रामगढ़ श्रीमती इन्दु प्रभा खलखो द्वारा अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम के उद्देश्य मिशन शक्ति योजना, चिन्हित बाल विवाह निषेध पदाधिकारीयों के बारे जानकारी दी गयी। साथ ही किशोरियों एवं महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक अधिकारों की भी जानकारी दी गयी। डालसा सचिव, श्री अनिल कुमार के द्वारा विभिन्न कानूनी आयामों महिलाओं के मूलभुत अधिकार एवं कर्त्तव्य, P.C PNDT Act. के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित सभी ढछश पारा लीगल वालंटियर को निर्देश दिया गया कि घर-घर जाकर इस संदर्भ में जागरूकता अभियान चलायें। कार्यक्रम में डालसा के अधिवक्ता ड्रौं छअऊ सुजित कुमार सिंह के द्वारा खख Act., Pocso Act, बालश्रम एवं बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। डालसा अधिवक्ता अ२२. छअऊ अभिनव कुमार द्वारा Pocso Act, के बारे में एवं निःशूल्क अधिवक्ता प्रदान किये जाने हेतु विभिन्न उपबंधों पर प्रकाश डाला। अधिवक्ता अ२२. छअऊ मोहन कुमार के द्वारा बाल विवाह अधिनियम के तहत कानुनी जानकारी दी गयी। डालसा अधिवक्ता Deputy LADC रामजी के द्वारा डायन प्रथा, घरेलू हिंसा, सम्पति अधिकार अधिनियम पर विभिन्न कानूनी पहलुओं को विस्तार से बतलाया गया। कार्यक्रम पर चर्चा के पश्चात बाल विवाह शपथ सभी उपस्थित लोगों के बीच लिया गया एवं बाल विवाह मुक्त झारखण्ड के परिपेक्ष्य में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती हिमांशी एवं चाइल्ड राईट कार्यक्रर्ता राजनन्दनी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारी, कर्मी विशेष रूप से विधि अधिकारी श्री रणजीत कुमार, संरक्षण पदाधिकारी, श्रवण कुमार एवं अन्य कर्मीगण, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारीगण, सभी महिला पर्यवेक्षिका, पारा लिगल भोलेन्टियर, (PLV) सेविका, सहायिका, NGO अग्रगती के प्रतिनिधि श्री किरण दत्ता एवं चाईल्ड हेल्प लाईन के कर्मीगण उपस्थित थे।

महर्षि परमहंस कॉलेज में भारतीय नौसेना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़। महर्षि परमहंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन हुहुआ कोठार रामगढ़ झारखंड में भारतीय नौ सेना दिवस के रूप में मनाया गया भारतीय नौसेना की उपलब्धियों और भूमिका के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को यह दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1971 में आज के ही दिन ऑपरेशन ट्राइडेंट के दौरान भारतीय नौसेना ने पीएनएस खैबर सहित पाकिस्?तान के चार पोत डुबो दिए थे इस वर्ष नौसेना दिवस केरल के तिरूअनंतपुरम में षणमुगम तट पर भ०?य प्रदर्शन के साथ मनाया जा रहा है। यह आयोजन महासागर पहल के तहत पसंदीदा सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभाने के नौसेना के संकल्प को दर्शाएगा आज के मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर दिनेश्वर मुंडा के द्वारा किया गया मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ जी आर चौरीया ने भारतीय नौसेना दिवस पर 1971 में हुए युद्ध में नौसेना की भूमिका के बारे मे बताया वक्ताओं की कड़ी में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ राजेश महतो, असिस्टेंट प्रोफेसर अबोध चंद्र महतो एवं बी एड प्रशिक्षु योगेश कुमार, अर्चना मेहता, संदीप गुप्ता सभी वक्ताओं ने भारतीय नौसेना दिवस पर उनके उपलब्धियों के बारे में बताए एवं कार्यक्रम समापन असिस्टेंट प्रोफेसर चंचला कुमारी के वक्तव्य के साथ किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित महाविद्यालय के सचिव मनोज अग्रवाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जी. आर. चौरीया, विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ नील कमल सिन्हा, असिस्टेंट प्रोफेसर चंचला कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर राहुल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अमृत कुमार महतो, कार्यालय अधीक्षक शमशेर आलम, प्रयोगशाला सहायक आदित्य प्रियदर्शी, पुस्तकालय अध्यक्ष नीलम सिंह, सहायक संचालक सगीर अहमद, सहायक लेखापाल विनीत पोद्दार एवं बी.एड. और डी.एल.एड. सत्र 2024-26 व 2025-27 के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग 131 करोड़ की लागत से डोरंडा में बननेवाले नए भवन में होगा शिफ्ट

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : राज्य सरकार ने वर्तमान नेपाल हाउस स्थित स्वास्थ्य विभाग को पुराने स्वास्थ्य सामुदायिक भवन डोरंडा भवन को फिर से निर्माण करते हुए वहीं पर नई जगह शिफ्ट करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नेपाल हाउस में मौजूद स्वास्थ्य विभाग झारखंड सरकार का कार्यालय डोरंडा के इस नए भवन में शिफ्ट हो जाएगी। 131 करोड़ रुपये की लागत से बननेवाले इस नए अत्याधुनिक स्वास्थ्य भवन में सचिवालय, निदेशालय (डायरेक्टरेट) के साथ-साथ विभागीय कार्यालय को भी स्थानांतरित किया जाएगा। यही से स्वास्थ्य विभाग कार्यालय पूरी तरह से संचालित होगी। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में नेपाल हाउस में गुरुवार को हुई बैठक में यह अहम फैसला लिया गया। बैठक में सचिव अजय सिंह ने निर्देश दिया कि इसपर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाए ताकि काम शीघ्र शुरू हो सके।

इसके अलावे बैठक में धनबाद और जमशेदपुर के मेडिकल कॉलेजों में बड़े स्तर पर विस्तार करते हुए यहां यूजी, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी सीटों में बढ़ोतरी करने का भी निर्णय लिया गया है। यहां नए हॉस्टल व 450 बेड का अस्पताल तैयार होगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि विभिन्न पीजी हॉस्टल को ओपीडी के रूप में तैयार किया जाए।

विभाग के अनुसार शहीद निर्मल महतो मेमोरियल कॉलेज अस्पताल धनबाद में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां अब कॉलेज में 100 की जगह 250 अंडरग्रेजुएट (एमबीबीएस) सीटों की व्यवस्था होगी।

स्वास्थ्य विभाग बढ़े हुए छात्रों के लिए सभी सुविधाओं की व्यवस्था करेगा। इसी कड़ी में 450 बेड के नए अस्पताल भवन के निर्माण की योजना बनाई है, जिसमें पुराने अस्पताल की मरम्मत, इमरजेंसी ब्लॉक का उन्नयन और एकेडमिक ब्लॉक की मरम्मत जैसे कार्य शामिल है। बढ़ी हुई सीटों के अनुसार सभी मेडिकल सुविधाओं को भी बढ़ाया जाएगा।

विभाग की माने तो होस्टल का निर्माण एनएमसी गाइडलाइन के अनुसार एनएमसी के मानकों के अनुरूप नए हॉस्टलों का निर्माण होगा, जिनमें यूजी छात्रों, पीजी छात्रों, जूनियर रेजिडेंट, सीनियर रेजिडेंट, नर्सिंग स्टाफ के लिए अलग-अलग रहने की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही यहां इनडोरझआउटडोर खेलकूद की भी व्यवस्था होगी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल नॉर्थ और साउथ कैंपस में विभाजित है। दोनों को एक रैंप से जोड़ा जाएगा। विभाग के अनुसार पूरे निर्माण कार्य में 700 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।बैठक में उन्होंने धनबाद के साथझसाथ जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में भी सुधार करने और सीटों में विस्तार की घोषणा की गई। कॉलेज में 250 यूजी सीटें सीटें होंगी। बैठक में इसके साथ ही अपर मुख्य सचिव ने कहा कि 150 पीजी सीटें और 30 सुपर स्पेशियलिटी (पोस्ट-पीजी) सीटें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने विभागीय निर्णय अनुरूप अस्पताल में बेड बढ़ाने, हॉस्टल निर्माण और सभी सुविधाओं को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। बैठक में कई अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड शराब घोटाला: आईएएस अमित कुमार को एसीबी का समन

रांची : झारखंड में हुए शराब घोटाला मामले की जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी और वर्तमान में वाणिज्यकर आयुक्त अमित कुमार को पूछताछ के लिए तलब किया है। एसीबी ने उन्हें गुरुवार को समन जारी किया है, जिसके तहत उन्हें शुक्रवार को जांच में शामिल होना है। माना जा रहा है कि इस पूछताछ से घोटाले से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। एसीबी सूत्रों के अनुसार, इससे पहले इस मामले में आईएएस मुकेश कुमार, आईएएस मनोज कुमार, जमशेदपुर के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और रामगढ़ के डीसी फैज अहमद मुमताज से पूछताछ की जा चुकी है।

एआईएमआईएम के कार्यकर्ता सम्मेलन में नए पदाधिकारियों को पट्टा पहनाकर किया गया शामिल

मांडर : प्रखंड के ब्राम्बे स्थित तिग्गा कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को एआईएमआईएम का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अरशद अयूब ने की। सम्मेलन में मांडर विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और समाज को एकजुट करने पर विशेष जोर दिया गया। सम्मेलन में कई नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। रांची जिला उपअध्यक्ष मोबरक अंसारी घोषणा की गई। इसके अलावा जिला महासचिव शारिब इमाम, ओरियो जिला उपाध्यक्ष अफरोज आलम, मांडर प्रखंड अध्यक्ष तबरेज अंसारी, चान्हो विकलांग अध्यक्ष मौजमील अंसारी, रातू प्रखंड अध्यक्ष महताब आलम, और बुढ़मू प्रखंड अध्यक्ष अबु रेहान अंसारी को जिम्मेदारियाँ दी गईं। मुख्य अतिथि एआईएमआईएम झारखंड प्रदेश महासचिव इंतखाब आलम ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र में संगठन तेजी से विस्तार कर रहा है और आने वाले चुनावों में अक्टक्ट एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरकर सामने आएगी। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की अपील की। सम्मेलन के दौरान बड़ी संख्या में नए कार्यकताओं को पार्टी में शामिल किया गया। सरफराज अंसारी, गुलफाम अंसारी, महताब अंसारी, हाजी शमशेर आलम, महताब आलम, सदाम हुसैन, साहब हुसैन, सुहैल आलम, अफरोज आलम, हकमूल हक, रशीद अंसारी सहित कई लोगों को मंच पर पट्टा पहनाकर अक्टक्ट में शामिल किया गया। नव-नियुक्त पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में मोबारक अंसारी (जिला उपाध्यक्ष), राजिक आलम (महानगर प्रवक्ता), शारिब इमाम (कार्यकर्ता) सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता, युवा और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। नेताओं ने कहा कि एआईएमआईएम शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार कार्यरत है और सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

रांची में जगन्नाथपुर तालाब से मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित जगन्नाथपुर तालाब से गुरुवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। तालाब में शव को सबसे पहले स्थानीय लोगों ने देखा और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। खबर मिलते ही धुर्वा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ लग गई।

डॉग स्कॉट की मदद से युवक का सिर और धड़ बरामद, जांच में जुटी पुलिस

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी : मुरहू थाना क्षेत्र के ईंट्ठे और मेराल के बीच बुधवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने डॉग स्कॉट की मदद से खेत में दो अलग-अलग गड्ढों से एक ही युवक सीनू पूर्ति का सिर और धड़ बरामद किया। आरोप है कि हत्या के बाद अपराधियों ने शव के दोनों हिस्सों को अलग-अलग स्थान पर दफना दिया था।

दंडाधिकारी सह मुरहू अंचलाधिकारी शंकर कुमार विद्यार्थी की मौजूदगी में पुलिस ने दोनों हिस्सों को बाहर निकाल कब्जे में ले लिया। गुरुवार को शव का खूंटी सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया।

जमीन विवाद से जुड़ा पुराना मामला भी आया सामने जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में सीनू पूर्ति और उसके भाई सागर पूर्ति ने जमीन हड़पने की नीयत से अपने रिश्तेदार कानू पूर्ती की हत्या कर सिर धड़ से अलग कर दिया था। उस वक्त पुलिस ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बताया गया कि हाल ही में सीनू जेल से छूटकर बाहर आया था।

प्रतिशोध की आशंका : स्थानीय लोगों का कहना है कि उसकी हत्या प्रतिशोध स्वरूप की गई है और शक की सूई कानू पूर्ति के परिवार या करीबी रिश्तेदारों पर जा रही है। आशंका है कि अपराधियों ने उसी तरीके से सीनू की हत्या की, जैसे उसने पहले की थी।

इलाके में दहशत, पुलिस अलर्ट

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और सनसनी का माहौल है। ग्रामीण भयभीत हैं और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है और हत्यारों का पता लगाने के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का पदार्फाश कर आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

अन्नपूर्णा जयंती पर रांची में विशेष सेवा कार्यक्रम, जरूरतमंदों को परोसा गया भोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : अन्नपूर्णा जयंती के अवसर पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा केंद्र एवं स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में गुरुवार को विशेष भोजन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान दोनों केंद्रों के माध्यम से 450 से अधिक जरूरतमंदों को ससम्मान पौष्टिक भोजन परोसा गया।अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि यह सेवा पिछले तीन वर्षों से निरंतर रूप से चल रही है। माता अन्नपूर्णा भोजन, पोषण और समृद्धि की प्रतीक हैं तथा जरूरतमंदों को भोजन कराना मानवता की सर्वोच्च सेवा है। उन्होंने बताया कि सेवा केंद्र केवल भोजन उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि सम्मान और आत्मीयता की भावना से जरूरतमंदों की सेवा करते हैं। सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि यह सेवा पिछले तीन वर्षों से निरंतर चल रही है। सेवा केंद्रों में न केवल भोजन उपलब्ध कराया जाता है, बल्कि सम्मान और आत्मीयता की भावना के साथ लोगों की सेवा की जाती है। उन्होंने कहा कि विशेष प्रसाद में विविध व्यंजन शामिल थे, जिसे पाकर लाभार्थियों के चेहरे खुशी और संतोष से खिल उठे।कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रमोद अग्रवाल, मनोज रूइया, संजय सर्राफ, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, निर्भय शंकर हारित, रमेश बंका, सज्जन पाड़िया, निर्मल बुधिया, कमलेश संचेती, नेहा पालड़ीवाल सहित कई सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान: मांडर विधानसभा में भाजपा रांची ग्रामीण जिला ने स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का दिया संदेश

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

चान्हो : प्रखंड स्थित गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी रांची ग्रामीण जिला ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, बृहस्पतिवार को चान्हो स्थित प्रभा पुंज पब्लिक स्कूल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर हर घर स्वदेशी अभियान और आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को गति देने के उद्देश्य से चान्हो मण्डल में एक व्यापक संपर्क अभियान भी चलाया गया, जिसके माध्यम से लोगों को स्वदेशी सामानों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में वंदे मातरम के ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला और इस राष्ट्रगीत को लेकर कांग्रेस की भूमिका पर तीखा हमला बोला।

श्री टोप्पो ने कहा, वंदे मातरम, जो केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की साक्षात भावना है, हमारे स्वतंत्रता संग्राम में लाखों लोगों को प्रेरित किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सत्ता की राजनीति के चलते इस पावन राष्ट्रगीत की पंक्तियों को काटने और इसके व्यापक प्रसार को बाधित करने का प्रयास किया।

उन्होंने जोर देते हुए कहा: प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम सबको स्वदेशी अपनाकर भारत की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करना होगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायिका गंगोत्री कुजूर ने भी आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराते हुए स्वदेशी वस्तुवों के उपयोग करने के लिए सबको आग्रह किया।

आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी पर जोर : कार्यक्रम के दूसरे चरण में, कार्यकताओं ने भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो के साथ चान्हो मण्डल के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क अभियान चलाया।

हर घर स्वदेशी: लोगों से आग्रह किया गया कि वे विदेशी उत्पादों के स्थान पर भारतीय और स्थानीय स्तर पर निर्मित सामानों का उपयोग करें।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लोगों को संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया।

स्थानीय उत्पादकों का समर्थन: श्री टोप्पो ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों के उपयोग से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और छोटे उद्योगों तथा कारीगरों को प्रोत्साहन मिलेगा।

जिला उपाध्यक्ष सुधाकर चौबे ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना बहुत जरूरी है।

भाजपा नेता सतीश साह ने सभी को स्वदेशी एवं विदेशी उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ स्वदेशी के उपयोग के बारे में बताया।

महिला मोर्चा की अध्यक्ष नेहा सिंह ने कहा कि यह अभियान न केवल 'वंदे मातरम' की भावना को आगे बढ़ाएगा, बल्कि देश की आर्थिक स्वतंत्रता में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

यह आयोजन राष्ट्रगीत के गौरवशाली इतिहास को याद करने, युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने और प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को जन-जन तक पहुंचाने का एक सफल प्रयास रहा।मौके पर मंडल अध्यक्ष विजय महतो, बीजूपाड़ा अध्यक्ष अरविंद सिंह, सालिक राम पांडे, युवा मोर्चा अध्यक्ष अविनाश कुमार, अमरनाथ महतो, विशेशवर महतो, राजीव गुप्ता, पुन्य उरांव, सुनिल उरांव रीना टोप्पो, सुनिता कच्छप, मंगलदेव मुंडा, अनिता, विजय यादव, उरांव, दीपक साहु, महादेव उरांव, जमुना उरांव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

यूथ फेस्टिवल 18 से शुरू

रांची : रांची यूनिवर्सिटी (आरयू) रांची की ओर से इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल 2025-26 कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। यह कार्यक्रम आगामी 18 से शुरू होकर 20 दिसंबर 2025 तक चलेगी। यह निर्णय गुरुवार को कल्चरल कोर कमेटी, इवेंट कोऑर्डिनेटर्स और टेक्निकल सपोर्ट कमेटी की आयोजित संयुक्त बैठक में ली गई।

बैठक में खास तौर पर कार्यक्रम की रूपरेखा, आयोजन व्यवस्था और बजट पर विस्तृत चर्चा की गई।

झारखंड में ई-कल्याण छात्रवृत्ति के भुगतान में देरी पर छात्रहित सर्वोपरी मंच ने जिला उपायुक्तों को सौंपा ज्ञापन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची : ई-कल्याण छात्रवृत्ति भुगतान में लगातार हो रही देरी और अव्यवस्थाओं के खिलाफ छात्रहित सर्वोपरि मंच, झारखंड प्रदेश के नेतृत्व में गुरुवार को राज्य के विभिन्न जिलों में एक साथ जिला उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा गया। यह राज्यव्यापी अभियान मंच के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार राणा, प्रदेश उपाध्यक्ष आमिर हमजा और संगठन प्रभारी कुणाल पोद्दार के निर्देश पर चलाया गया।

राज्यभर में छात्र नेताओं के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया, जिनमें कोडरमा में सुनील कुमार और अख्तर अंसारी, पलामू में दीपू कुमार सिंह और सचिन सिंह, गोड्डा में विवेकानंद शाह और ललित महतो तथा दुमका में रूपेश यादव और हिमांशु कुमार शामिल रहे।

छात्रहित सर्वोपरि मंच के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार राणा ने जिला प्रशासन से छात्रों की मांगों को तत्काल राज्यपाल और उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि 15 दिनों के भीतर समाधान नहीं होने पर मंच राज्यव्यापी शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू करेगा।

राणा ने कहा कि छात्रवृत्ति में देरी के कारण विद्यार्थियों को शुल्क जमा करने, परीक्षा फॉर्म भरने, मार्कशीट लेने और नए सत्र में प्रवेश लेने में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई छात्र मजबूरी में कर्ज लेकर पढ़ाई जारी रखने को विवश हैं।छात्र संगठनों का कहना है कि समय पर छात्रवृत्ति मिलना उनका अधिकार है और इस देरी से बड़े स्तर पर शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। मंच ने साफ कहा कि अब इस मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। मंच के प्रमुख मांगों में केंद्र सरकार द्वारा लंबित 60 प्रतिशत राशि तुरंत जारी करने, सभी लंबित छात्रवृत्तियों का अविलंब भुगतान करने, छात्रवृत्ति प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने और सत्र 2023-24 और 2024-25 की छात्रवृत्तियों का जल्द निष्पादन करना शामिल है।-

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi West, Ranchi

SHORT TENDER NOTICE
INVITATION FOR BIDS (IFB)
EoI No- 06 / CDO / Ranchi / TPIA / 2025-26 **Dated: - 03.12.2025**
Expression of Interest

Expression of Interest is invited by Drinking Water and Sanitation Department, Government of Jharkhand for third party inspection of materials for quality assurance to be used by the Department. All the empanelled / to be empanelled Third Party Inspection Agency are requested to follow the procedure of inspection and also requested to submit information in the prescribed formats and supporting documents exclusively through Online bidding for ongoing and forthcoming Water Supply Schemes funded by Jal Jeevan Mission / 15th Finance Funds / Funds from other sources in Jharkhand.

1. Date of uploading of EOI onhttp://jharkhandtenders.gov.in :05.12.2025 at 3.00 PM.
2. Pre-Bidmeeting at CDO, DW&SD, Jharkhand, Doranda, Ranchi-834002 :09.12.2025 at 3.00 PM.
3. Last date & time ofonline submission : 23.12.25 at 3.00 PM.
4. Opening Date ofTechnicalBid :24.12.25 at 4.00 PM.
5. EOIapplicationFee : Rs. 10,000/- only(non-refundable)
6. Helpline No. :+91 8709958093
7. EoI application Fee should be Paid through Online Gateway Facilities two mode- Net Banking (SBI & 61 Others Bank) as well as NEFT/RTGS Challan Mode in favour of Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi West payable at Ranchi. (As per IT &e-governance Department Letter-120, Date-03.10.2023) Payment gateway of designated bank i.e. SBI for all Govt. Department.
8. Performance Guarantee should be Rs 2,50,000/- (Rupees Two Lakhs Fifty Thousand Only) through Online Gateway Facilities two mode- Net Banking (SBI & 61 Others Bank) as well as NEFT/RTGS Challan Mode in favour of Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi West payable at Ranchi. Performance Guarantee will be returned after the expiry of Seven years, extendable as and when required from the date of empanelment and after satisfactory completion of work. (As per IT &e-governance Department Letter-120, Date-03.10.2023) Payment gateway of designated bank i.e. SBI for all Govt. Department. EoI application fee, Performance Guarantee & Bid Documents separately in Online Mode shall be deposited. Only those applications will be entertained whose EoI application fee, Performance Guarantee & bid documents is being received separately and properly superscripted in Online Mode. The office of Executive Engineer D.W. & S. Division, Ranchi West Ranchi will not be held responsible for any failure in payment by online Method.
9. The applicants are advised to go through the Background information & brief particulars along with the formats carefully and participate accordingly after properly understanding the instructions.
10. The applicants must having recognisation from National Accreditation Board of Certification Bodies (NABCB) with schedule will be treated technically eligible for empanelment of TPIA as per Schedule.
11. The applicants will have to furnish their full permanent and local address. The applicants are requested to sign each and every page of the documents before submitting it.
12. The applicants would be required to furnish all the information's specified in this EOI.
13. The Selection shall be entirely at the discretion of the Department. Further, the Department reserves the right to accept or reject any or all applications at any time, without assigning any reason thereto.
14. In the event if the date specified for receipt / opening declared a holiday, the due date for submission and opening, will be the next following working day at the appointed time.
15. The Department reserves the right to cancel, revise or amend this notice or bid documents fully or partly prior to the last date notice for submission of offers or on any subsequent date.
16. The TPIA should not be blacklisted / debarred anywhere in India.
17. Bid validity shall be 180 days from the date of opening bid.
18. All legal disputes will be entertained within the jurisdiction of Jharkhand High Court, Ranchi.
19. Bid Documents / Any changes & Further details can be seen on website: jharkhandtenders.gov.in and dwsd.jharkhand.gov.in

PR 367716 Drinking Water and Sanitation(25-26).D

Executive Engineer
D.W. & S. Division, Ranchi West, Ranchi.

उपायुक्त ने की समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना,अपार आईडी, आभा आईडी, पोषण अभियान अंतर्गत फेशियल रिकॉग्नाइजेशन सिस्टम की स्थिति, कुपोषित एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या, पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों के आधार सत्यापन एवं फेस ऑथेंटिकेशन, आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की भौतिक स्थिति, बिजली, शौचालय एवं पेयजल कनेक्शन की उपलब्धता, एमटीसी, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना तथा दिव्यांगजनों के सर्वे जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में कम प्रगति वाले प्रखंडों पर असंतोष जताते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को तेज गति से लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने अपेक्षाकृत पिछड़े प्रखंडों में फिजिकल निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत विद्यालयों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों का फॉर्म भरवाने और जिला स्तर पर आवेदन अग्रसारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सेविका-सहायिकाओं को अपने क्षेत्र में रहने वाले सभी प्रकार के दिव्यांगजनों की पहचान, सर्वे एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। उन्होंने महिला पर्यवेक्षिकाओं को चेकलिस्ट के आधार पर सभी मानकों की जांच सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही ऑनलाइन एवं फिजिकल डेटा में समरूपता बनाए रखने, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका को प्रभावी ढंग से संचालित करने, सभी केंद्रों में जाल लगाने, बड़े बल्ब लगाकर प्रकाश व्यवस्था सुधारने तथा एमटीसी में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिन आंगनबाड़ी केंद्रों में अभी तक बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है, वहां शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने 15 दिनों के अंदर तीन से छह वर्ष के पंजीकृत बच्चों का अपार आईडी और सभी बेनिफिशियरी का आभा आईडी शत प्रतिशत बनाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर प्रखंड स्तर पर संचालित योजनाओं का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां कार्य प्रगति धीमी है, वहां नियमित समीक्षा करते हुए उत्पन्न समस्याओं का समाधान कर प्रगति में सुधार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंहा, सामाजिक सुरक्षा प्रभारी श्रीमती सुनीता कुमारी, विभिन्न अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

ट्रांसफार्मर खराब , चार दिनों से शहर में पानी सप्लाई बाधित. 24 घंटा में ठीक करें ट्रांसफार्मर नहीं तो गेट जाम करेंगे: सीटू

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग।सीपीएम के जिला सचिव गणेश कुमार सीटू , जिला कमिटी सदस्य तापेश्वर राम भुइयां , इश्वर महतो ने संयुक्त रूप से नगर आयुक्त, नगर निगम, हजारीबाग पत्र लिख कर जानकारी दी है की छड़वा डैम का ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बीते चार दिनों से शहर में पीने का पानी का सप्लाई नहीं हुआ है। शहर के बड़े इलाका पूरा मेंन रोड, नूरा, ओकनी, नवाबगंज, खिरगांव , मटवारी , बडा ग्वाल टोली सहित पूरे शहर में पीने का पानी का सप्लाई नहीं हुआ है। पता करने पर पता चला कि छड़वा डैम का ट्रांसफार्मर 29 तारीख से खराब है इसलिए पानी सप्लाई में दिक्कत हो रहा है . जिस शहर के एक झील का सौंदर्यीकरण करने के लिए 13 करोड़ 97 लाख रुपया खर्च हो रहा है , फाइबर ब्लॉक बीछाने के नाम पर लाखों रुपया फूका जा रहा है उस शहर के लोगों को पीने का पानी सप्लाई करने के लिए चंद हजार रुपया खर्च करके एक ट्रांसफार्मर मरम्मत नहीं किया जा सकता है ? ये अत्यंत ही चिंताजनक बात है। पानी जनता के लिए अति आवश्यक है। इसलिए सबसे पहले विभाग को इस पर ध्यान देना चाहिए लेकिन विभाग इस पर लापरवाह है। गरीब जनता को पानी मिले या ना मिले लेकिन मुस्कुराइए कि आप हजारीबाग में है। जब से नगर निगम पानी सप्लाई का जिम्मा लिया है तब से आए दिन पानी के सप्लाई में बाधा होते रहता है. कभी बल्ब खराब ,कभी पाइप लीक ,कभी ज्वाइंट लिक होते रहता है और सबसे बड़ी बात यह है की कई बार बिना फिल्टर किए हुए पानी का सप्लाई कर देता है। चार दिनों से पानी नहीं चलने के कारण शहर के कई ऐसे घर है जो पानी की कमी से काफी परेशान है। शहर का एक बड़ा भाग इसी सप्लाई के पानी पर निर्भर है और पानी नहीं चलने से उनको काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। गणेश कुमार सीटू ने नगर आयुक्त ,हजारीबाग से शहरवासियों के हित में आग्रह किया है कि तत्काल इसको ठीक किया जाए ताकि कल शहर वासियों को पीने का पानी मिल सके अगर 24 घंटा के अंदर इसे ठीक नहीं किया जाएगा तो पार्टी जिला कमेटी नगर निगम कार्यालय के गेट को जाम करने के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेवारी निगम का होगा। पत्र की प्रतिलिपि उपायुक्त ,हजारीबाग को भी दिया गया है।

संत जोसफ विद्यालय के वार्षिक खेल प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक रोशन लाल चौधरी

पृथ्वी राज गुप्ता/उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। संत जोसेफ मध्य विद्यालय बरतुआ में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी शामिल हुए। विधायक एवं अन्य अतिथियों का विद्यालय परिवार की ओर से ढोल, नगाड़े, मांदर के थाप पर एवं पुष्प गुच्छ व शाल देकर स्वागत किया गया। विधायक ने विद्यालय का झंडा झंडोत्तोलन कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय में बच्चों के बीच कई तरह के खेल कुद, मार्च फास्ट करवाया गया एवं सफल प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया। उपस्थित बच्चे-बच्चियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं व अभिभावकों को संबोधित करते हुए विधायक श्री चौधरी ने कहा कि किसी भी विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूल का दर्पण होता है जिससे उस स्कूल के अनुशासन और बुनियादी चीज दिखती है। आपका विद्यालय इतनी सुदुरवर्ती क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से, संसाधन के अभाव के बावजूद शिक्षा का अलख जगा रहे हैं, इसके लिए विद्यालय के तमाम शिक्षक शिक्षिकाओं का दिल से आभार प्रकट करते हैं और शुभकामनाएं भी देते हैं आगे उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में किसी प्रकार के सहयोग की जरूरत हो तो हम हमेशा एक प्रतिनिधि के रूप में तत्पर हैं। मौके पर मुख्य रूप से विधायक रोशन लाल चौधरी, आजसू पार्टी के कोलेश्वर गंझु, पुर्वी उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, अशोक महतो, माना खलखो, पंसस प्रतिनिधि मुनेश्वर गंझु, नागेश्वर तुरी, राथो गंझु, ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, मनोज राम, थामस मिंज, शिक्षक शिक्षिकाओं में सिस्टर अस्मिता कुजुर, तनुजा टोप्पो, आशिया एका, कतरीना टोप्पो, पीटर एक्का, कार्मेल मिंज, इलिजषेद कुजूर, तैरस गिद्दी, जैक्शन लकड़ा, आशा कुजूर, तारेन खेस, जेम्स टोप्पो, अंशु टोप्पो, निकिता केरकेट्टा, तारा रुंडा, अरूण तिर्की, जोरजोन टोप्पो समेत सैकड़ों अभिभावक, बच्चे बच्चियां शामिल हुए।

कैमरून में फंसे विष्णुगढ़ के 4 मजदूर सुरक्षित लौटे घर, लगाई थी मदद की गुहार

उज्जवल दुनिया संवाददातां

विष्णुगढ़। झारखंड सरकार एवं विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद कैमरून में फंसे झारखंड के पांच मजदूर सुरक्षित मुंबई हावड़ा मेल से गुरुवार सुबह पारसनाथ स्टेशन पहुंचे और अपने घर पहुंच गए। गांव लौटते ही मजदूरों का भावुक स्वागत किया गया। उनके परिजन, जो पिछले कई दिनों से चिंता में थे, अब राहत की सांस ले रहे हैं। वापस लौटे मजदूरों ने झारखंड एवं केंद्र सरकार के साथ-साथ सभी मीडिया और प्रवासी श्रमिकों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकन्दर अली प्रति आभार जताया है। बताते चले की गिरिडीह और हजारीबाग जिले के 5 मजदूर काम करने के लिए अफ्रीका के कैमरून गए थे। जहां कंपनी के द्वारा 4 महीने से वेतन नहीं दिया जा रहा था, इस वजह से इन सभी मजदूरों को खाने-पीने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद सभी मजदूरों ने समाजसेवी सिकन्दर अली के माध्यम से सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर वतन वापसी की गुहार लगाई थी। इसके बाद सरकार ने सक्रियता दिखाते हुए सभी मजदूरों की बकाया वेतन के साथ-साथ वतन वापसी करायी। इस मौके पर सिकन्दर अली ने कहा रोजी-रोटी के लिए लाखों लोग विदेश जाते हैं, लेकिन वहां कई बार बेहद दर्दनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।मजबूरी में इंसान को घर से दूर जाना पड़ता है।ऐसे में सरकार को प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। कैमरून से वापस लौटने वाले मजदूरों में हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊंचाघना के सुनील महतो, सुकर महतो, करगालो के चंद्रशेखर कुमार, डीलों महतो व गिरिडीह जिले के डुमरी के दिलचंद महतो शामिल हैं।

हजारीबाग डेंटल कॉलेज एवं मिशन होस्पिटल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददातां

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल एवं मिशन होस्पिटल द्वारा हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित एलआईसी ऑफिस में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें दांत एवं सामान्य स्वास्थ्य का जांच व उपचार निशुल्क किया गया। एलआईसी के कर्मचारी सहीत अन्य कई जरूरतमंद लोगों ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। जिसमें 140 लोगों ने निशुल्क दंत शिविर में जांच एवं उपचार करवाकर उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श प्राप्त किया। शिविर के आयोजन में एलआईसी प्रबंधन टीम ने विधि- व्यवस्था एवं सहयोग में अपना सरहानीय योगदान दिया। साथ ही हजारीबाग डेंटल कॉलेज द्वारा लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर की प्रशंसा कर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति कृतज्ञ व्यक्त किया। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि बुनियादी उपचार जरूरतमंदों को निशुल्क उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना मुख्य उद्देश्य है। हजारीबाग डेंटल कॉलेज एवं मिशन होस्पिटल के चिकित्सक डॉ रूपम, डॉ रितेश, डॉ रूपेश, डॉ इशा, डॉ स्नेहा, पीआरओ राज कुमार दास एवं टेक्निशियन सुभद्र सहीत कई स्वास्थ्य कर्मियों ने सरहानीय योगदान दिया। मौके पर एलआईसी ऑफिस के डेवलपमेंट ऑफिसर मिथलेश कुमार, विक्रांत शर्मा, अमरकांत सिंह, निलेश कुमार, स्वेता कुमारी, नेपल महतो, निशांत सिन्हा, सर्वेश मिश्रा, अभिषेक कुमार सहीत कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त के निर्देश पर बरही के पंचमाधव पंचायत भवन के पास पोकलेन से हटाया गया अवैध कब्जा

उज्जवल दुनिया संवाददातां

बरही। बीते कुछ दिनों पहले उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बरही प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अतिक्रमण की शिकायत सामने आई थी, जिस पर उपायुक्त ने अंचलाधिकारी को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में गुरुवार को अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पंचमाधव पंचायत भवन के बगल में पोकलेन मशीन की सहायता से अवैध कब्जों को हटाया गया। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्देशानुसार पूरी कार्रवाई सुनिश्चित की।अभियान के दौरान राजस्व निरीक्षक रीतलाल रजक, अंचल अमीन चेतन यादव, बरही थाना के एसआई रूपलाल यादव सहित पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा। सुरक्षा व्यवस्था के बीच अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया गया। मौके पर ग्रामीण पुलिस गणेश यादव, सुभाष कुमार यादव, राहुल कुमार यादव के अलावा कई ग्रामीण भी उपस्थित रहे और प्रशासनिक कार्रवाई में सहयोग किया।

दारू प्रखंड के मध्य विद्यालय ईरगा बडवार में जीणोर्धार कार्य का विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया शिलान्यास

हर बच्चा सशक्त हो और उसे समान अवसरों वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, यही हमारा प्रयास है

उज्जवल दुनिया संवाददातां

दारू। हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के दारू प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय ईरगा बडवार में डीएमएफटी मद से होने वाले जीणोर्धार कार्य का गुरुवार को माननीय प्रदीप प्रसाद द्वारा विधिवत शिलान्यास किया गया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से विद्यालय के संपूर्ण कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त होगा। लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य के पूरा होने पर विद्यालय को बेहतर एवं सुरक्षित भवन, उन्नत शैक्षणिक संसाधन, और व्यवस्थित अध्ययन वातावरण उपलब्ध होगा। इससे छात्रों के सीखने की गुणवत्ता में निश्चित रूप से सकारात्मक बदलाव आएगा और विद्यालय की अधोसंरचना लंबे समय तक टिकाऊ एवं उपयोगी बनेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने विद्यालय की वर्तमान आवश्यकताओं, बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित इस मांग का पूरा होना क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने आगे कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में मेरा सदैव प्रयास रहा है कि क्षेत्र का हर बच्चा सशक्त हो और उसे समान अवसरों वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। डीएमएफटी मद से प्रारंभ यह कार्य बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला को मजबूत करेगा। इस दिशा में जनता के निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे और जनप्रतिनिधि द्वारा किए जा रहे इस महत्वपूर्ण प्रयास की सराहना की। मौके पर कौलेश्वर रजक, बिरजू रवि, रामअवतार शर्मा, विश्शेवर पाण्डेय,उप मुखिया देवनारायण प्रसाद, मनोज कुशवाहा, सीताराम महतों, अर्जुन प्रसाद, टुन्नू पाण्डेय, सुरेश साव, दारू मंडल अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, विजय राम सहित सैकेडों संख्या मे लोग उपस्थित रहें।

एक नजर

वन भूमि घोटाला मामले में विनय सिंह को झारखंड हाईकोर्ट से नहीं मिली बेल, जमानत याचिका खारिज

हजारीबाग। निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन से जुड़े केस के प्रमुख आरोपी विनय सिंह की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है। गुरुवार को हाईकोर्ट ने विनय सिंह की जमानत याचिका खारिज करते हुए उसे बेल देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने से विनय सिंह को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में विनय सिंह की जमानत पर सुनवाई हुई। ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह एसीबी की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं। एसीबी के मुताबिक, जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है, वह विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है। यह भूमि हजारीबाग के सदर अंचल के थाना नंबर 252 में स्थित है। जिसका खाता नंबर 95, प्लॉट नंबर 1055, 1060 और 848 जिसका कुल रकबा 28 डिसमिल एवं खाता नंबर 73, प्लॉट नंबर 812 का रकबा 72 डिसमिल है। यह भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा के हल्का 11 में स्थित है। उक्त खाता प्लॉट की भूमि पर विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह का दखल कब्जा है और फिलहाल इसपर नेक्सजेन का शोरूम संचालित है।

सीजीएल अभ्यर्थियों ने सीएम आवास में मनाया जश्न, कहा - सीएम के प्रयास से मिला न्याय

हजारीबाग। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद जेएसएससी-सीजीएल के अभ्यर्थियों में जोश और उत्साह दिख रहा है। गुरुवार को काफी संख्या में अभ्यर्थी कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय परिसर में पहुंच कर अपनी खुशियों का जमकर इजहार किया। ढोल नगाड़ों के साथ अभ्यर्थी जश्न मनाते नजर आए। सीएम हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताया और बधाई दी। अभ्यर्थियों ने दो टूक कहा - मुख्यमंत्री के प्रयासों एवं निष्पक्ष जांच के कारण हमें न्याय मिला है।

16 दिसंबर से खरमास शुरू, एक महीने तक नहीं होंगे कोई शुभ कार्य

हजारीबाग। सनातन परंपराओं में खास महत्व रखने वाला खरमास इस बार 16 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करते ही यह एक महीने का ह्यअशुभ कालह्न शुरू माना जाता है। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, उपनयन, नई संपत्ति या वाहन की खरीद, व्यवसाय की शुरूआत जैसे सभी मांगलिक कार्यों पर शास्त्रीय रूप से रोक लग जाती है। जाने-माने ज्योतिषाचार्य डॉ. उमाशंकर मिश्र के अनुसार इस दौरान सूर्य अपनी ऊर्जा और तेज कुछ कम कर देते हैं, जिससे ग्रहों की अनुकूलता भी प्रभावित होती है। यही कारण है कि इस महीने किये गये शुभ कार्यों का फल पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होता और जीवन में बाधाओं की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि, इस अवधि में पूजाझ्रपाठ, जपझ्रतप, दानझ्रपुण्य का अत्यधिक महत्व बताया गया है। कब से खुलेंगे शुभ मुहूर्त? खरमास 15 जनवरी 2026 की रात समाप्त होगा और 16 जनवरी से शुभ कार्यों की शुरूआत हो सकेगी। हालांकि, ज्योतिषीय गणना के अनुसार 19 जनवरी से माघ गुप्त नवरात्रि शुरू होने के कारण 27 जनवरी तक अशुद्ध काल रहेगा। 28 जनवरी 2026 से शुद्ध काल प्रारंभ होगा और इसी दिन से विवाह, गृह प्रवेश और सभी मांगलिक कार्यों के बेहतरीन मुहूर्त उपलब्ध हो जायेंगे। खरमास के दौरान करोड़ों श्रद्धालु शुभ कार्यों को रोककर केवल धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठानों पर ध्यान देते हैं। मान्यता है कि जब तक ग्रहझ्रनक्षत्र अनुकूल न हों, तब तक शुभ कार्यों में सफलता का योग भी मजबूत नहीं बनता।

सड़क दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल

बरही। बरही प्रखंड के पंचमाधव में बुधवार की देर रात एक सड़क हादसे में चन्दवारा के कोटवारडीह निवासी 28 वर्षीय मुकेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनके बाएं पैर में गहरी चोटें आईं। रात्रि के समय मौके पर कोई सहायता न मिलने पर ग्रामीणों ने तुरंत सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर कुमार को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिकंदर कुमार बिना देर किए घटनास्थल पहुंचे और अपनी बाइक से घायल युवक को अनुमंडलीय अस्पताल बरही पहुंचाया। समय रहते उपचार शुरू होने से घायल युवक की स्थिति नियंत्रण में आ सकी। इस मानवीय पहल के लिए लोगों ने सिकंदर कुमार की सराहना की। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने प्राथमिक उपचार के बाद मुकेश कुमार को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया। सिकंदर कुमार ने कहा कि आए दिन सड़क हादसे बढ़ रहे हैं, ऐसे में समय पर घायल को अस्पताल पहुंचाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना मानवता का कर्तव्य है। गौरतलब है कि पंचमाधव निवासी सिकंदर कुमार लगातार सामाजिक कार्यों से जुड़े रहते हैं और जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। मौके पर नंदकिशोर दास, संतोष राणा, विकास कुमार, रतनलाल प्रजापति सहित कई ग्रामीणों ने सहयोग किया।

उपायुक्त ने किया हजारीबाग संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण, अधिकारियों को मिले निर्देश

हजारीबाग।उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह आज प्रातः संप्रेक्षण गृह पहुंचे एवं संपूर्ण परिसर का भ्रमण करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, परिसर की स्वच्छता, बच्चों के रहन सहन की स्थिति तथा सभी आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया।उपायुक्त ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से वॉच टॉवर पर सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, कक्षाओं एवं शौचालयों की स्थिति, हॉस्टल की साफझ्रसफाई तथा बच्चों की सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि हॉस्टल की खिड़कियों में मच्छरों से बचाव हेतु जालियां अनिवार्य रूप से लगाई जाएं तथा परिसर में दो-लेयर सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने स्टोर रूम, पेयजल आपूर्ति तथा होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि संप्रेक्षण गृह में 16 वर्ष एवं 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को अलग-अलग हॉस्टल में आवासित किया जाए, ताकि बेहतर अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा सके। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संप्रेक्षण गृह के प्रभारी को सभी आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्परता से लागू करने तथा बच्चों के हित में उत्तम वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मौके पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुनीता कुमारी,जिला बाल सुरक्षा पदाधिकारी संजय कुमार मौजूद थे।

बीसीसीएल प्रबंधन ने दमकल से आग बुझाने की कोशिश की

गैस रिसाव का बाघमारा सीओ ने किया निरीक्षण,

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरासः बीसीसीएल एरिया 4 अंतर्गत बंद पड़ी मां अंबे आउटसोर्सिंग परियोजना में पिछले तीन दिनों से गैस रिसाव जारी है जिससे स्थानीय लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। बुधवार रात बाघमारा सीओ मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि जहरीला गैस रिसाव से वातावरण में फैल रहा है। जिससे आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो रही है। उन्होंने मामले में बीसीसीएल को तत्काल उचित कार्रवाई करने को कहा। गुरुवार को विषेशील प्रबंधन ने दमकल गाड़ी बुलाकर गैस रिसाव होने वाले मुहाने पर पानी का भारी छिड़काव किया प्रबंधन की ओर से अब जहरीला गैस रिसाव को रोकने का लगातार प्रयास किया जा रहा है हालांकि अब तक पूरी तरह से स्थिति पर काबू नहीं पाया गया है। लगातार हो रहे गैस रिसाव से आसपास के लगभग पाँच हजार आबादी वाले गांव पर सबसे अधिक असर पड़ रहा है। जिन घरों में पहले से बीमार लोग हैं उन्हें और भी ज्यादा परेशानी आ रही है। गैस रिसाव का असर बच्चों की दिनचर्या पर भी दिखाई दे रहा है। अभिभावकों ने सुरक्षा कारणों से बच्चों को शाम के समय घर से बाहर खेलने नहीं जाने दिया। इसके अलावा क्षेत्र के कई दुकानदारों ने विषैली गैस के खतरे के मद्देनजर अपनी दुकानें बंद कर दी हैं, जिससे उनकी आजीविका पर गंभीर असर पड़ा है। गैस रिसाव का समाधान अब तक नहीं होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिससे स्थिति को संभालना जिला प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

स्विफ्ट डिजायर ने घर की दीवार में मारा टक्कर, तीन जख्मी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरासः जोगता थाना क्षेत्र के टाटा सिजुआ एक नंबर के समीप बुधवार देर रात तेज रफ्तार स्वीफ्ट डिजायर एक घर की दीवार में जोरदार धक्का मार दिया। घटना में वाहन पर सवार तीन युवक जख्मी हो गए। जबकि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जख्मियों की पहचान चास के पुपुनकी निवासी सुजीत कुमार, आनंद कुमार महतो तथा दीपक कुमार महतो के रूप में हुई है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मियों को कतरास के निजी नर्सिंग होम भर्ती कराया। चिकित्सक ने जख्मी आनंद की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अशर्फी अस्पताल धनबाद भेज दिया। इधर पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को थाना ले आई है। बताया जाता है कि वाहन पर सवार युवक जोगता से भेलाटांड़ की ओर जा रहे थे। घटनास्थल के पास वाहन अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का इंजन और बोनट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया तथा आगे का शीशा भी चकनाचुर हो गया है।

आवेदनो के निपटारे में अंचल कार्यालय बाघमारा में होता है मनमानी

वर्षो तक लंबित रहते हैं आवेदन- जगत महतो

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरासः गरीब ग्रामीणों के जमीन संबंधित समस्याओं का निपटारा सही समय पर नही होने के मामले को लेकर ग्राम स्वराज अभियान एक बार फिर से अंचल कार्यालय बाघमारा में धरना प्रदर्शन शुरू करने जा रहा है। ग्राम स्वराज अभियान के संस्थापक जगत महतो ने अंचल कार्यालय बाघमारा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बाघमारा अंचल में जमीन संबंधित आवेदनों का निपटारा उचित तरीके से नही किया जा रहा है। जो आवेदन पहले प्राप्त हुए हैं उसका निष्पादन पहले होना चाहिए लेकिन बाघमारा अंचल में कई गरीब ग्रामीणों का जमीन संबंधित आवेदन महीनों व सालों से लंबित है जबकि बिचौलियों के माध्यम से बाद में प्राप्त आवेदनों का निपटारा पहले कर दिया जाता है। बाघमारा सीओ से मिलने पहुंचे कुछ फरियादियों ने बताया कि बिचौलिया व जमीन माफिया अंचल कार्यालय में घण्टो तक बैठे रहते हैं, जिसके कारण हम जैसे गरीब फरियादियों को बाहर घण्टो तक इंतजार करना पड़ता हैं। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि वे लोग कई बार सीओ से मिलकर समस्या बताने आये लेकिन जो व्यक्ति पहले से सीओ के पास बैठा होता है वो घण्टो तक बैठा रहता है जिसके कारण वे अंचल अधिकारी से बिना मिले ही वापस लौट गए हैं। जगत महतो ने धरना प्रदर्शन करने संबंधित आवेदन अंचल कार्यालय बाघमारा को देते हुए लिखा है कि पहले दिए गए आवेदनों का निष्पादन करते हुए निष्पादित आवेदनों को सूचना पट्ट पर प्रकाशित किया जाए अन्यथा ग्राम स्वराज अभियान 8 दिसंबर से प्रतिदिन अंचल कार्यालय बाघमारा के समक्ष विधि सम्मत तरीके से आंदोलन करने को बाध्य हैं। वहीं अंचल अधिकारी बाघमारा गिरजानन्द किस्कू से इस संबंध में जानकारी के लिए फोन लगाया गया तो उनका फोन बंद आया।

महिलाओं के साथ बढ़ते डिजिटल हिंसा के खिलाफ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बोकारो : सहयोगिनी संस्था द्वारा महिला हिंसा के खिलाफ16 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत आज महिलाओं के साथ बढ़ते डिजिटल हिंसा के खिलाफ एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाराडीह पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि महिलाओं के साथ हिंसा का नया प्रारूप डिजिटल रूप से बढ़ते जा रहा है। जिसे हमें मिलजुल कर रोकना होगा। सरकार को इस संबंध में विशेष कानून बनाने की जरूरत है जिससे महिलाएं सुरक्षित रह सके। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि साइबर हिंसा एक गंभीर समस्या है ।लेकिन इससे बचा जा सकता है और इससे निपटा भी जा सकता है । हमें अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करना होगा तथा अज्ञात लोगों से दूरी बनानी होगी। इसके साथ यदि किसी के साथ हिंसा होता है तो उसका रिपोर्ट भी प्रशासन के समक्ष करना होगा ।उन्होंने कहा कि भारत सरकार के साइबर हिंसा के खिलाफ जारी टोल फ्री नंबर 1930 का उपयोग करना होगा। साथ ही जिले में स्थापित साइबर थाना से संपर्क बनाना होगा । साइबर हिंसा के खिलाफ गहन जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है। महिला थाना बोकारो निर्भया शक्ति लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि लड़कियों महिलाओं को ऑनलाइन के माध्यम से प्रताड़ित किए जाने पर तत्काल सूचना पुलिस को दी जानी चाहिए। जिससे अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल सकेगा। कसमार मुखिया संघ के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर नायक ने कहा कि हमें मिलजुल कर महिलाओं की सुरक्षा तथा उनके अधिकार पर काम किए जाने की जरूरत है।

मुराईडीह में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास भाजपा व आजसू नेताओ में संयुक्त रूप से किया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कतरासः डीएमएफटी योजना के तहत धनबाद जिला के बाघमारा प्रखंड अंतर्गत मुराईडीह कॉलोनी में गुरुवार को पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो एवं आजसू के जिला सासंद प्रतिनिधि सुभाष रवानी, पूर्व मुखिया संजय कुमार, भाजपा नेता संजय चौहान ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया। शिलापट्ट के अनुसार इस सड़क निर्माण की कुल प्राक्कलित राशि 26 लाख 8 हजार 764. 93 रुपए की लागत से की जायेगी। यह सड़क हीरक रोड से लेकर सुरेंद्र पासवान के घर तक लगभग एक हजार मीटर लंबी बनाई जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा की चौमुखी विकास के लिए सड़क की भूमिका अहम होती है। सड़क निर्माण कार्य होने से मुराईडीह के लोगों को आने जाने में दिक्कत नही होगी। साथ ही विधायक ने मुराईडीह एवं वहा पर बसें लोगों को बिजली पानी की समस्याओ पर जल्द ही निदान करने का आश्वाशन दिया। उन्होंने संवेदक को तय सीमा के अंदर कार्य करने एवं गुणवतापूर्ण पिसीसी सड़क पथ का निर्माण करने की बात कही। वहीं सांसद प्रतिनिधि की ओर से भी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता जताई गई। मौके पर जगनारायण चौहान, राम प्रवेश चौहान, आशीष कुमार, अभय कुमार, बिनोद कुमार, अमर कुमार पिंटू यादव, बिनोद चौहान, राम चौहान रवींन्द्र बेलदार, लाली देवी एवं अन्य लोग मौजूद थे।

अस्मिता पेंचक सिलाट लीग भारत के सबसे बड़े महिला सशक्तिकरण खेल में से एक बन गई है

महिलाओं के खेलों में एक क्रांतिः अस्मिता पेंचक सिलाट लीग ने पूरे भारत में इतिहास रचा है

उज्जवल दुनिया संवाददाता

एग्यारकुंड(बिजय सिंह)। महिलाओं के खेलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर,अस्मिता पेंचक सिलाट लीग हाल के सालों में महिला सशक्तिकरण की सबसे ताकतवर और दूरगामी पहलों में से एक बनकर उभरी है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के खेलो इंडिया महिला लीग वर्टिकल के तहत और इंडियन पेंचक सिलाट फेडरेशन से जुड़ी संस्थाओं द्वारा आयोजित, इस लीग ने अपने बड़े पैमाने, असर और सशक्तिकरण के संदेश के लिए देश और दुनिया का ध्यान खींचा है। वही पेंचक सिलाट संघ के उएड मो० इकबाल एवं सचिव डॉली सिंह ने बताया कि अस्मिता लीग के इस साल के एडिशन ने कॉम्बैट स्पोर्ट्स में महिलाओं की भागीदारी की कहानी को फिर से लिखा है,जिससे एक ऐसे आंदोलन को प्रेरणा मिली है जो पूरे देश में लोगों की ज़िंदगी बदल रहा है। 60+ जगहें, एक मिशनः पूरे भारत में महिलाओं को मजबूत बनाना लेह और कारगिल के बर्फ. से ढके पहाड़ों से लेकर झारखण्ड, गुजरात, दमन, भिलाई जैसे हलचल भरे शहरों और पुलवामा, कुपवाड़ा और श्रीनगर जैसे ज़िलों तक, इस लीग ने पूरे देश में 60 से ज्यादा जगहों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इस जबरदस्त पहुंच ने यह पक्का किया कि हजारों जवान महिलाओं को झजिनमें से कई दूर-दराज और पिछड़े इलाकों से थीं प्रोफेशनली ऑर्गनाइज किए गए स्पोर्ट्स इवेंट्स में हिस्सा लेने का मौका मिला। इस पहल ने देश भर के समुदायों के साथ गहराई से जुड़ाव महसूस किया है, सामाजिक रुकावटों को तोड़ा है और लड़कियों को एक ऐसा प्लेटफॉर्म दिया है जो पहले कई लोगों के लिए उपलब्ध नहीं था।

रिकॉर्ड तोड़ 25,000+ महिला पार्टिसिपेंट्स लीग की सबसे बड़ी कामयाबियों में से एक 25,000 से ज्यादा महिला एथलीटों का हिस्सा लेना है – जो भारत में किसी भी महिला स्पोर्ट्स इवेंट के लिए एक बहुत बड़ी बात है।इन एथलीटों ने मैट पर एनर्जी, पक्का इरादा और जबरदस्त स्किल दिखाई, जिससे यह साबित हुआ कि सही प्लेटफॉर्म और हौसला बढ़ाने के साथ, भारतीय महिलाएं खेल के हर लेवल पर चमकने के लिए तैयार हैं।फेडरेशन के अधिकारियों ने बताया कि पार्टिसिपेशन में बढ़ोतरी मार्शल आर्ट्स में बढ़ती दिलचस्पी और जमीनी स्तर के ट्रेनिंग प्रोग्राम की सफलता को दिखाती है।

कॉन्फिडेंस,कैरेक्टर और चैंपियंस बनाना

कॉम्पिटिशन से आगे, अस्मिता लीग महिलाओं के एम्पावरमेंट के लिए एक मजबूत प्लैटफॉर्म के तौर पर खड़ी हुई। पार्टिसिपेंट्स को न सिर्फ. पेनकैक सिलाट टेक्नीक में बल्कि सेल्फ- डिफेंस,मेंटल स्ट्रेंथ,डिसिप्लिन और लीडरशिप में भी ट्रेनिंग दी गई। पेरेंट्स, कोच और कम्युनिटी लीडर्स ने पार्टिसिपेंट्स के कॉन्फिडेंस में काफी बढ़ोतरी देखी,जिनमें से कई पहली बार कॉम्पिटिशन कर रही थीं। इस पहल ने एम्पावर्ड युवा महिलाओं की एक नई पीढ़ी बनाने में मदद की है जो शारीरिक रूप से मजबूत,मानसिक रूप से मजबूत और सामाजिक रूप से कॉन्फिडेंट हैं। स्पोर्टिंग हार्ट वाली एक सेफ्टी पहल ऐसे समय में जब महिलाओं की सेफ्टी एक नेशनल चिंता बनी हुई है, अस्मिता पेनकैक सिलाट लीग ने अपने स्ट्रक्चर में प्रैक्टिकल सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग को शामिल करके एक बड़ा कदम उठाया है।अलग-अलग राज्यों की लड़कियों और महिलाओं ने खुद को बचाने के लिए असरदार टेक्नीक सीखीं, जिससे उन्हें जान बचाने वाले स्किल्स और सिक्योरिटी की भावना मिली। इस दोहरे तरीके खेल और सेल्फ-डिफेंस के जरिए मजबूत बनाना , इस पहल को एक ऐसा मॉडल बना दिया है जिसे अपनाया जा सकता है।

एक नजर

करणी सेना के प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली लोकसभा के सांसद से मुलाकात की

एग्यारकुंड(बिजय सिंह)। करणी सेना के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को दिल्ली लोकसभा के सांसद सह प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी से उनके दिल्ली स्थित आवास में औपचारिक मुलाकात किया एवं उनका आशीर्वाद लिया। सांसद महोदय से मिलने वालों में करणी सेना झारखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रवीण सिंह,करणी सेना के राष्ट्रीय मंत्री श्री अमन सिंह मौजूद रहे।

खेतों में धान की मड़ाई शुरू, किसानों के चेहरे पर खुशी

धनबादः धान की फसल पक कर तैयार है, और किसानों ने मड़ाई शुरू कर दी है। खेतों में धान की मड़ाई का काम जोरों पर है, और किसानों के चेहरे पर खुशी देखी जा रही है। गुरुवार को मनईटांड़ के किसान सप्पू महतो ने बताया कि धान की मड़ाई के लिए किसानों ने अपने खेतों में मशीनें लगाई हैं, जो धान को तिनकों से अलग कर रही हैं। इस प्रक्रिया में किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ रही है, लेकिन उनकी खुशी देखकर लगता है कि उनकी मेहनत रंग ला रही है।दिनेश महतो ने बताया कि धान की मड़ाई के बाद, किसानों को उम्मीद है कि उन्हें अच्छा पैसा मिलेगा, जिससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकेंगे। सरकार ने भी धान की मड़ाई के लिए कई सुविधाएं प्रदान की हैं, जैसे कि धान अधिप्राप्ति केंद्रों की स्थापना और धान की खरीद की व्यवस्था। इस साल धान की फसल अच्छी होने की उम्मीद है, और किसानों को उम्मीद है कि उन्हें अच्छा पैसा मिलेगा।

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र वर्मा ने अपनी पिता की चौथी पुण्यतिथि वृद्धा आश्रम में मनाई

धनबाद। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र वर्मा ने अपनी पिता स्वर्गीय छोटन राम की चौथी पुण्यतिथि सबलपुर स्थित वृद्धा आश्रम में मनाई।पिता की प्रतिमा चित्र पर बेटे राजेंद्र वर्मा एवं पोते सौरभ कुमार वर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के मौके पर श्री वर्मा ने कहा कि अपने पिता स्वर्गीय छोटन राम की पुण्यतिथि पर आश्रम में रह रहे वृद्ध माता पिता को सुरुचि भोजन कराकर मन को बहुत ही शांति एवं सुकून मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब से पिता की मृत्यु हुई है तब से आजतक लगातार अपने पिता की पुण्यतिथि कभी टुंडी स्थित वृद्धा आश्रम में, तो कभी सबलपुर स्थित ओल्ड एज होम में मानते आ रहे है। और आगे भी जबतक वे जीवित रहेंगे तब तक अपने पिता की पुण्यतिथि किसी वृद्धा आश्रम में ही मनाएंगे।वे बच्चों का जन्म उत्सव,शादी का सालगिरह भी किसी वृद्धा आश्रम में ही मानने का निर्णय लिया है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में आश्रम के अध्यक्ष अध्यक्ष नौशाद गद्दी ,कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार आर एन चौरसिया,सुनील भंडारी गोपाल जी चौबे ,रवि कुमार ,लखन विश्वकर्मा ,वरिष्ठ पत्रकार सह लेखक हरे राम पंडित, किसान विकास ट्रस्ट के सचिव मगधेश कुमार, मानवाधिकार प्रोटेक्शन के सदस्य चमारी राम, एवं सौरव वर्मा उपस्थित थे। आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने कहा की दोनों आश्रम सभी के सहयोग से ही चल रही है।इस आश्रम को चलाने में जिला प्रशासन का काफी सहयोग मिल रहा है।

शीघ्र उड़ान सुनिश्चित करने हेतु सभी कार्य आपसी समन्वय से पूरा करें : उपायुक्त

बोकारो : बोकारो हवाई अड्डा परिसर में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण के संदर्भ में उड़ान सेवा शीघ्र प्रारंभ करने की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बोकारो हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दुदिबाग से अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई अड्डे के आसपास में बसे दुदिबाग के सभी अवैध दुकानों को हटाए।

अति शीघ्र साफ सफाई का निर्देश–

हवाई अड्डा परिसर के अंदर झाड़ियों की साफ सफाई के संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने अति शीघ्र साफ सफाई का आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर में झाड़ियों की साफ सफाई करना सुनिश्चित करें ताकि हवाई अड्डा परिसर में लगे टावर टू टावर की विजिबिलिटी स्पष्ट रहे। बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर के लिए सुरक्षा मानकों के अनुसार टू बेडडे एंबुलेंस क्रय की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करें। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया । मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप महाप्रबंधक एयरपोर्ट अथॉरिटी रांची मनोज सिंह, निदेशक बिरसा मुंडा हवाई अड्डा रांची विनोद कुमार, प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद, अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, आईबी के प्रतिनिधि, बीएसएल सीजीएम टाउन कुंदन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

वार्षिक पिकनिक राशी को 500 करे बीएसएल प्रबंधन : बीएकेएस

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने मूख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन को पत्र लिखकर बीएसएल कर्मियों को मिलने वाली वर्तमान पिकनिक राशी 150 को बढ़ाकर 500 करने का मांग किया है । यूनियन ने अपने पत्र में लिखा है कि बोकारो इस्पात नगर में अब पिकनिक का मौसम आने वाला है ।जिसमें बोकारो इस्पात संयंत्र के कर्मचारी, अधिकारी तथा ठेका श्रमिक भाग लेते है । सिटी पार्क, गरगा डैम से लेकर दामोदर नदी के किनारे बीएसएल के सभी कर्मचारी अधिकारी पुरे विभाग के साथ पिकनिक मनाते है । जिससे उनके बीच आपस का संबंध के साथ ही सामंजस्य मजबुत होता है । वर्तमान में प्रति कार्मिक 150 पिकनिक के लिए भुगतान किया जाता है ।

रंगदारी नहीं देने पर होटल में फायरिंग करने के मामले में दो भाई सहित पांच गिरफ्तार

उज्जवल दुनियां संवाददाता

दुमका। पांच लाख की रंगदारी नहीं देने पर पांच दिन पूर्व देर रात पुलिस लाइन के समीप राधिका होटल पर 4 राउंड फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो भाई सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपितों में किशोर यादव, उसका भाई बाबुल यादव, अनूप यादव, कौशल यादव और राजकुमार यादव शामिल है। अब भी तीन नामजद सह अज्ञात आरोपी फरार है। पुलिस वारदात में इस्तेमाल करने वाले स्कॉर्पियो को भी जब्त किया है। जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डीआईजी आवास से चंद दूरी पर दुमका-रामपुरहाट मुख्य पथ पर राधिका होटल में आरोपियों ने फायरिंग कर दहशत फैलाने का काम किया गया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। दर्ज प्राथमिकी में होटल मालिक प्रतुल मंडल ने पांच लाख की रंगदारी मांगने और जान से मारने के प्रयास में गोली चलाने का आरोप लगाया था। मामले का उद्भेदन गुरुवार को पुलिस सभागार में करते हुए एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि राधिका होटल के संचालक और आरोपियों के बीच पहले से कुछ विवाद चल रहा था। बीते 30 नवंबर की रात आरोपियों ने होटल के बाहर चार राउंड फायरिंग की थी। हालांकि गोलियां शटर और शीशे के गेट पर लगी। जिससे कोई हताहत नहीं हुआ था। फायरिंग को लेकर होटल संचालक के बयान पर 8 नामजद और एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। के लिए एसडीपीओ विजय कुमार महतो के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया था। इधर घटना को अंजाम देने के बाद सभी फरार हो गए थे। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज हाथ में आने के बाद पुलिस ने जामा और बिहार के भागलपुर से इन पांचों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही। एसपी ने बताया कि अभी तक गोलीबारी में प्रयुक्त प्रयुक्त पिस्तौल बरामद नहीं हुआ है। इन्होंने बताया कि घटना में शामिल एक साथी पिस्टल लेकर भाग गया है। सभी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार किशोर यादव वर्ष 2016 में जिला परिषद सदस्य भगवत रावत की हत्या में शामिल था। वर्तमान में अभी वह जमानत पर है। इसके अलावा बाकी अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है।

हत्या के तीन आरोपितों को आजीवन कारावास

कोडरमा। हत्या के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश -तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने तीन आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपितों में विवेक कुमार पांडे उर्फ विवेक कुमार (20), राजेश यादव उर्फ राजू यादव (32) एवं नितेश कुमार पांडे (28) शामिल है। सभी सतगावां के रहने वाले है। अदालत ने तीनों को 302 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20-20 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर छह माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। उक्त मामला वर्ष 2020 का है। इसे लेकर सतगावां थाना में जितेंद्र कुमार पांडे ने थाना कांड संख्या 16/20 दर्ज कराया था। मामले में अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी 16 गवाहों का परीक्षण कराया गया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता बच्चन देवनाथ आर्य ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया।

छतरबर जंगल में हुई छापेमारी, एक जेसीबी और दो शक्तिमान जप्त

कोडरमा। वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में ढिबरा के नाम पर माईका का अवैध उत्खनन ना सिर्फ धड़ल्ले से हो रहा है बल्कि इस से वहां रह रहे जीव जंन्तु भी खनन माफियाओ के चलते मारे जा रहे हैं। कोडरमा थाना क्षेत्र के छतरबर जंगल के लकड़ मंधवा पुराना माइंस का है। अवैध ढिबरा उत्खनन के मामले में प्रशिक्षु आईएफएस पदाधिकारी मोहित बंसल और कोडरमा थाना प्रभारी के नेतृत्व में देर रात छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में एक जेसीबी और दो शक्तिमान वाहनों को जप्त किया गया है। ज्ञात हो कि यह कार्रवाई विगत 24 नवंबर को हुई वृहद छापेमारी के बाद की गई है, जिसमें एक जेसीबी को जब्त किया गया था। वन विभाग की टीम ने इस अभियान में अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। मौके पर कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान, रेंजर राम कुमार, वनपाल मो उस्मान, छत्रपति शिवाजी, दुर्गा महतो, गोपाल यादव समेत कोडरमा थाना के पुलिस जवान व अन्य लोग शामिल थे।

दारू से दिल्ली तक-हौसले, संघर्ष और संकल्प की अद्भुत कहानी

अमित रंजन

रांची। बड़ी सफलताओं की कहानियाँ अक्सर महानगरों से शुरू होती हैं, लेकिन हजारीबाग जिले के छोटे से प्रखंड दारू से निकले अमित रंजन की यात्रा साबित करती है कि सफलता जन्मस्थान नहीं, मेहनत तय करती है। आज अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, डिजिटल लर्निंग और ई-नॉलेज समाधानों के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले अमित रंजन की कहानी इस विश्वास को और मजबूत करती है कि-आप कहाँ पैदा हुए, यह महत्त्वपूर्ण नहीं आपने जीवन को कितना गंभीरता से जिया, यह महत्त्वपूर्ण है। उनकी ताजा तस्वीर, जिसमें वे औपचारिक सूट-टाई में दिखाई देते हैं, उसी आत्मविश्वास का प्रतीक है जो वर्षों के संघर्ष, आत्मअनुशासन और निरंतर परिश्रम से पैदा हुआ है। कठिनाइयों में ढला साहस-बचपन में पिता का निधन अमित ने बचपन में ही अपने पिता को खो दिया था। कम उम्र में आई इस बड़ी जिम्मेदारी ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। संघर्षों से भरे बचपन ने उन्हें मजबूती, धैर्य और हिम्मत दी। वह हिम्मत जिसने उन्हें आगे बढ़ने से कभी रोका नहीं। उनकी बड़ी बहन अनीता सिन्हा, जो उनके लिए बहन से अधिक माँ बनकर रहीं, कहती हैं। अमित मेरा भाई नहीं, मेरा बेटा है। अमित यह बात स्वीकार करते हैं कि उनकी बहनों का त्याग, प्रोत्साहन और प्यार ही उनकी सबसे बड़ी पूँजी है। शिक्षा-जिसने जीवन की दिशा बदल दी। अमित की शैक्षणिक यात्रा अनुशासन और प्रतिबद्धता का सुंदर उदाहरण है। स्कूली शिक्षाः सेंट जेवियर्स स्कूल, हजारीबाग 10+2ः डीएवी बोकारो स्नातकः दिल्ली विश्वविद्यालय (राजनीति विज्ञान) दिल्ली विश्वविद्यालय ने न सिर्फ उनके दृष्टिकोण को विस्तृत किया, बल्कि यह भरोसा भी दिया कि बड़ा बनने के लिए बड़े शहर में जन्म लेना जरूरी नहीं, बड़ी सोच और मेहनत होना जरूरी है।

जिले के बच्चों में बहुत हुनर है उन्हें बस प्लेटफार्म देने की आवश्यकता है : कुमारी नीलम

रामगढ़। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद स्थित नरेश वशिष्ठ सेंटर फॉर टिंकरिंग एंड इनोवेशन (NVCTI) द्वारा रामगढ़ जिला के पीएम श्री उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय मनुवा रामगढ़ के दो छात्रों का चयन झारखण्ड स्कूल इनोवेशन चैलेंज के लिए किया गया है। दोनों विद्यार्थियों के द्वारा विगत 01 दिसम्बर 2025 को ऑनलाइन प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपना मॉडल दिखाया था। पूरे राज्य भर में सैकड़ों स्कूलों ने अपना प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। जिसमें पीएम श्री उच्च विद्यालय मनुवा रामगढ़ के फैजान इराकी ने फायर डिटेक्शन सिस्टम और इब्राहिम व आर्यन कुमार ने स्मार्ट डस्टबीन का मॉडल बनाकर मिसाल प्रस्तुत किया हैं। फाईनल प्रस्तुति और मॉडल का प्रदर्शन 05 और 06 दिसम्बर 2025 को IIT (ISM) धनबाद –NVCTI में होगा। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय स्तर में बल्कि पूरे रामगढ़ जिले के लिए गर्व का क्षण है। हमारे जिले के बच्चों में बहुत हुनर है।

बीसीसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन इसे गंभीरता से संज्ञान लें : अनुपमा सिंह

केंदुआडीह। जहरीली गैस की घटना अत्यंत दुखद और चिंता का विषय है। कोयला मंत्री सहित सभी उच्च पदाधिकारी इस गंभीर मामले का तत्काल संज्ञान लें और गरीब जनता के साथ मजाक करना बंद करें। क्षेत्र में फैली जहरीली गैस का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराते हुए वहाँ बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास किया जाए। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की वर्किंग प्रेसिडेंट अनुपमा सिंह ने रांची से अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एरिया-5 के जीएम साहा से दूरभाष पर बातचीत कर केंदुआडीह गैस रिसाव पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने BCCL प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा, केंदुआडीह क्षेत्र में जहरीली गैस का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इस गैस रिसाव के कारण दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो चुकी है तथा कई लोग अस्पताल में इलाजरत हैं। मैं मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूँ और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ। यह घटना अत्यंत गंभीर है और इउउछ प्रबंधन एवं प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए ताकि और कोई जान खतरे में न पड़े। उन्होंने आगे कहा, जहरीली गैस के फैलते प्रभाव से पूरा इलाका दहशत में है। मैं जिला प्रशासन एवं BCCL प्रबंधन से सख्त आग्रह करती हूँ कि-तुरंत सभी प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। गैस के स्रोत की पहचान कर उसे जल्द से जल्द बंद किया जाए। प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी राहत शिविर बनाकर सुरक्षित रहने की जगह, भोजन, पानी, चिकित्सकीय सहायता सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

विभावि में टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित

छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने किया उद्घाटन

उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। दो दिवसीय विनोबा भावे विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स परिसर में 3-4 दिसंबर को किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने बुधवार को प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग से नौ और महिला वर्ग से दो खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ी विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर से थे। खिलाड़ियों की संख्या को देखते हुए इसे सिलेक्शन ट्रायल का स्वरूप दिया गया। जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के भैया मुरारी तथा टेबल टेनिस के अंतरराष्ट्रीय पैनल के अंपायर रविंद्र कुमार ने प्रतियोगिता का संचालन किया तथा चयनकर्ता की भूमिका में भी रहे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के ढेर सारे विद्यार्थी उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। यह जानकारी देते हुए आयोजन सचिव डॉ नवीन चंद्र ने बताया की टेबल टेनिस के प्रति विनोबा भावे विश्वविद्यालय मुख्यालय के बच्चों में काफी उत्साह पाया गया। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ राखो हरि प्रसाद ने बताया कि विद्यार्थियों के उत्साह को देखते हुए आने वाले वर्षों में टेबल टेनिस खेल को व्यवस्थित रूप से बढ़ाने के लिए कार्य किया जाएगा। मौके पर आयोजन समिति के डॉ उमेंद्र कुमार सिंह एवं डॉ इफशा खुर्शीद ने बढ़ चढ़कर प्रतियोगिता के सफलता के लिए सहयोग किया। इस अवसर पर डॉ अविनाश कुमार एवं अन्य शिक्षक उपस्थित हुए।

दोहरी हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो । हरला थाना पुलिस ने दोहरी हत्याकांड का खुलासा करते हुए इसमें शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। ज्ञात हो पिछले दिनों यानी 1 दिसंबर की रात्रि हरला थाना क्षेत्र के जोशी कॉलोनी के गेट नंबर 3 के पास दो बुजुर्ग दंपति क्रमशः महावीर साहू (70) और कौशल्या देवी(65) की अज्ञात अपराधियों द्वारा घर में घुसकर हत्या कर दिया गया था। आज प्रेस वार्ता कर एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि घटना के त्वरित उद्वेदन के लिए पुलिस उपाधीक्षक (नगर) के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया। छापामारी दल के द्वारा कांड का उद्वेदन करते हुए हत्या में संलिप्ट दो अपराध कर्मियों को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल किए गए हत्यार और अन्य सामान को बरामद कर लिया है। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि बुजुर्ग दंपति व गिरफ्तार अपराधियों के निकट दुकान होने की वजह से दोनों में हमेशा विवाद हुआ करता था ,कस्टमर कभी बुजुर्ग दंपति की ओर या फिर कभी आरोपी की दुकान चले जाते थे। इसी का रंजिस निकालने के लिए आरोपियों ने बुजुर्ग दंपति की हत्या कर दी। गिरफ्तार अभियुक्तों में ओमप्रकाश कुमार मूलतः छपरा (बिहार) का रहने वाला वही रामचंद्र कुमार, हरला थाना के जोशी कॉलोनी का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना के उद्वेदन में डीएसपी आलोक रंजन, हरला थाना प्रभारी खुर्शीद आलम, सिटी थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, मनीष कुमार गुप्ता, मुजम्मिल, सहदेव कुमार साब, नरेश मंडल, योगेंद्र रजक ,प्रफुल्ल कुमार मंडल, सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह व मोइनुद्दीन ने अहम भूमिका निभाई।

उप विकास आयुक्त ने केरेडारी प्रखंड का भ्रमण किया तथा विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की

उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद द्वारा आज केरेडारी प्रखंड के बरियातू एवं कंडाबेर पंचायत अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मनरेगा, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, सड़क निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया। उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कारीगरों को निर्देश दिया कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा लाभुकों को योजनाओं का समय से लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया। स्थलीय निरीक्षण उपरांत उप विकास आयुक्त द्वारा प्रखंड कार्यालय, केरेडारी में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, लंबित आवेदन, राजस्व कार्यों, पेंशन योजनाओं, जनहित से जुड़े मामलों एवं सरकारी कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने प्रखंड स्तर के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता से पूर्ण करें तथा जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

कैमरून में फंसे झारखंड के 5 मजदूर सुरक्षित घर लौटे

बोकारो। झारखंड सरकार एवं विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद कैमरून में फंसे झारखंड के पांच मजदूर सुरक्षित मुंबई हावड़ा मेल से गुरुवार सुबह को पारसनाथ स्टेशन पहुंचे और अपने घर पहुंच गए। गांव लौटते ही मजदूरों का भावुक स्वागत किया गया। उनके परिजन, जो पिछले कई दिनों से चिंता में थे,अब राहत की सांस ले रहे हैं। वापस लौटे मजदूरों ने झारखंड एवं केंद्र सरकार के साथ-साथ सभी मीडिया और प्रवासी श्रमिकों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकन्दर अली प्रति आभार जताया है। बताते चले की गिरिडीह और हजारीबाग जिले के 5 मजदूर काम करने के लिए अफ्रीका के कैमरून गए थे। जहां पर कंपनी के द्वारा 4 महीने का वेतन नहीं दिया जा रहा था, इस वजह से इन सभी मजदूरों को खाने-पीने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद सभी मजदूरों ने समाजसेवी सिकन्दर अली के माध्यम से सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर वतन वापसी की गुहार लगाई थी। इसके बाद सरकार ने सक्रियता दिखाते हुए सभी मजदूरों की बकाया वेतन के साथ-साथ वतन वापसी करायी गयी इस मौके पर समाजसेवी सिकन्दर अली ने कहा, रोजी-रोटी के लिए लाखों लोग विदेश जाते हैं, लेकिन वहां कई बार बेहद दर्दनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। मजबूरी में इंसान को घर से दूर जाना पड़ता है। ऐसे में सरकार को प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। कैमरून से वापस लौटने वाले मजदूरों में हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊंचाघना के सुनील महतो, सुकर महतो, करगालो के चंद्रशेखर कुमार, डीलों महतो व गिरिडीह जिले के डुमरी के दिलचंद महतो शामिल हैं।

नवनिर्मित विद्युतीकृत तीसरी लाइन का स्पीड ट्रायल

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे पर लखनऊ मण्डल के गोण्डा-बुढ़वल रेल खण्ड के घाघरा घाट-चौका घाट-बुढ़वल स्टेशनों के मध्य विद्युतीकरण सहित तीसरी लाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल 05 दिसम्बर, 2025 को इस नवनिर्मित विद्युतीकृत तीसरी लाइन का निरीक्षण करेंगे तथा स्पीड ट्रायल किया जायेगा। अतः रेल प्रशासन की आमजन से अपील है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस नवनिर्मित विद्युतीकृत तीसरी लाइन पर न तो स्वयं जायें और न ही अपने पशुओं को जाने दें।

07652 छपरा-जालना विशेष गाड़ी का संचालन

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 07652 छपरा-जालना विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 05 दिसम्बर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिए निम्नवत किया गया है। 07652 छपरा-जालना साप्ताहिक विशेष गाड़ी 05 दिसम्बर, 2025 दिन शुक्रवार को छपरा से 22.15 बजे प्रस्थान कर बलिया से 23.25 बजे दूसरे दिन गाजीपुर सिटी से 00.25 बजे, औंड़िहार से 01.00 बजे, वाराणसी से 02.30 बजे, विंध्याचल से 04.55 बजे, प्रयागराज छिवकी से 06.20 बजे, मानिकपुर से 10.30 बजे, सतना से 11.35 बजे, मैहर से 12.40 बजे, कटनी से 13.30 बजे, जबलपुर से 15.10 बजे, नरसिंहपुर से 16.50 बजे, गाडरवारा से 17.30 बजे, पिपरिया से 18.00 बजे, इटारसी जं0 से 19.00 बजे, हरदा से 20.12 बजे, खंडवा से 23.25 बजे, तीसरे दिन भुसावल से 01.25 बजे, मनमाड से 04.55 बजे, नागरसोल से 05.55 बजे तथा छत्रपति सम्भाजी नगर से 07.50 बजे छूटकर जालना 09.50 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 13, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा एसएलआर के 02 कोचो सहित कुल 24 कोच लगाये जायेंगे।

26504/26503 लखनऊ(गोमतीनगर)-सहारनपुर-लखनऊ (गोमतीनगर) वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित संचारलन

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 26504/26503 लखनऊ(गोमतीनगर)-सहारनपुर-लखनऊ(गोमतीनगर) वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित संचलन लखनऊ(गोमतीनगर) से 09 दिसम्बर, 2025 से सप्ताह में छः दिन (सोमवार को छोड़कर) तथा सहारनपुर से 10 दिसम्बर,2025 से सप्ताह में छः दिन (मंगलवार को छोड़कर) किया जायेगा। इस गाड़ी के संचलन से विद्यार्थियों, किसानों एवं प्रोफेशनल यात्रियों को काफी सुविधा होगी। इससे क्षेत्र के सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा औद्योगिक विकास में गतिशीलता आयेगी। नियमित रूप से, 26504 लखनऊ(गोमतीनगर)-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस 09 दिसम्बर, 2025 से सप्ताह में छः दिन (सोमवार को छोड़कर) लखनऊ(गोमतीनगर) से 15.10 बजे प्रस्थान कर डालीगंज से 15.38 बजे, सीतापुर से 16.35 बजे, शाहजहाँपुर से 18.10 बजे, बरेली जं0 से 19.07 बजे, मुरादाबाद से 20.40 बजे, नजीबाबाद से 21.56 बजे तथा रूड़की से 22.44 बजे छूटकर सहारनपुर से 23.50 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 26503 सहारनपुर- लखनऊ(गोमतीनगर) वंदे भारत एक्सप्रेस 10 दिसम्बर, 2025 से सप्ताह में छः दिन (मंगलवार को छोड़कर) सहारनपुर से 05.05 बजे प्रस्थान रूड़की से 05.42 बजे, नजीबाबाद से 06.27 बजे, मुरादाबाद से 08.05 बजे, बरेली जं0 से 09.42 बजे, शाहजहाँपुर से 11.09 बजे, सीतापुर से 12.38 बजे तथा डालीगंज से 13.44 बजे छूटकर लखनऊ(गोमतीनगर) 14.05 बजे पहुंचेगी। यह वंदे भारत एक्सप्रेस 08 कोचों से चलाई जायेगी।

पावर ब्लाक लिये जाने के कारण गाड़ियों का पुननिर्धारण एवं शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मण्डल के वाराणसी सिटी-सारनाथ खण्ड के मध्य समपार संख्या-12/सी पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु यातायात एवं पावर ब्लाक लिये जाने के कारण गाड़ियों का पुननिर्धारण एवं शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा। पुनर्निर्धारण-वाराणसी सिटी से 14 दिसम्बर,2025 को चलने वाली 65106 वाराणसी सिटी-गाजीपुर सिटी मेमू गाड़ी वाराणसी सिटी से 20 मिनट पुनिर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। वाराणसी सिटी से 19 दिसम्बर,2025 को चलने वाली 15130 वाराणसी सिटी-गोरखपुर कैण्ट एक्सप्रेस वाराणसी सिटी से 60 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। शार्ट टर्मिनेशन-भटनी से 19 दिसम्बर,2025 को चलने वाली 65107 भटनी-वाराणसी सिटी मेमू गाड़ी औड़िहार में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी औड़िहार-वाराणसी सिटी के मध्य निरस्त रहेगी। शार्ट ओरिजिनेशन- वाराणसी सिटी से 19 दिसम्बर,2025 को चलने वाली 65106 वाराणसी सिटी-भटनी मेमू गाड़ी औड़िहार से चलाई जायेगी। यह गाड़ी वाराणसी सिटी-औड़िहार के मध्य निरस्त रहेगी।

55339 कासगंज-मथुरा जं0 सवारी गाड़ी का अछनेरा तक मार्ग विस्तार

गोरखपु। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 55339 कासगंज-मथुरा जं0 सवारी गाड़ी का 28 फरवरी, 2026 तक तथा 55340 मथुरा जं.-कासगंज सवारी गाड़ी का 01 मार्च, 2026 तक अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार अछनेरा तक किया गया है। मार्ग विस्तार के फलस्वरूप 55339 कासगंज-अछनेरा सवारी गाड़ी 28 फरवरी,2026 तक कासगंज से 21.25 बजे प्रस्थान कर निर्धारित स्टेशनों पर पूर्ववत रूकते हुये मथुरा जं. से 23.50 बजे, दूसरे दिन भैंसा से 00.15 बजे तथा परखम से 00.27 बजे छूटकर अछनेरा 01.00 बजे पहुँचेगी।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

पलामू सांसद ने लोकसभा में उठाया चियांकी एयरपोर्ट से उड़ान का मामला

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पलामू। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने गुरूवार को लोकसभा में डालटनगंज के चियांकी एयरपोर्ट से उड़ान को लेकर स्थिति पर प्रश्न पूछा। सांसद के प्रश्नों का नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारपु राममोहन नायडु ने जवाब देते हुए कहा कि डालटनगंज चियांकी एयरपोर्ट झारखंड सरकार के स्वामित्व में है। उड़ान 4.2 योजना में क्षेत्रीय उड़ान परिचालन के लिए चिन्हित किया गया था। केंद्र सरकार की ओर से कई बार झारखंड सरकार से अनुरोध किया गया कि एयरपोर्ट का विकास कार्य के लिए आवश्यक भूमि निःशुल्क एवं विवाद-बंधन मुक्त उपलब्ध कराए जाने की स्वीकृति दें। सुरक्षा, फायर सर्विस, मौसम विभाग सेवाएं एवं एयरपोर्ट के संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी पर अपना स्पष्ट मत दें। बार-बार पत्राचार और अनुस्मारक भेजे जाने के बावजूद, अब तक झारखंड सरकार की ओर से किसी प्रकार का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि भूमि उपलब्धता, सुरक्षा-फायर सेवाएं तथा राज्य सरकार की सहमति प्राप्त हुए बिना निर्माण, अवसंरचना विकास या किसी भी प्रकार की विमानों के परिचालन के लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की जा सकती है। सांसद ने कहा कि पलामू प्रमंडल के विकास एवं आसपास के क्षेत्रों में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने, औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने, पर्यटन को बढ़ावा देने एवं लोगों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए डालटनगंज (चियांकी) एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। एयरपोर्ट की चाहरदिवारी का निर्माण कार्य चल रहा है और 15 दिसम्बर तक समाप्त हो जाएगा एवं जमीन संबंधी विवाद को भी सुलझा लिया गया है। सांसद ने पुनः झारखंड सरकार से अनुरोध किया है कि आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार के पत्रों का अविलंब जवाब भेज दे, ताकि डालटनगंज (चियांकी) एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन प्रारम्भ हो सके एवं पलामू प्रमंडल की जनता को उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना का लाभ मिल सके।

ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

पलामू। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटाड़ उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 29.24 ग्राम ब्राउन सुगर बरामद हुआ है। ब्राउन सुगर 69 पुड़िया में पैक मिला है। बिक्री के नगद 4400 रुपए भी मिले हैं। इस अवैध मादक पदार्थ की खरीद बिक्री में शामिल तीन तस्कर फरार हैं। उनकी तलाश तेज की गयी है। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन को बुधवार को गुप्त सूचना मिली कि सेमरटाड़ उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर रहे हैं। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन एवं सदर अंचल के इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन कर कार्रवाई की गयी। पुलिस को वहां देखकर तीन युवक भागने लगे। उन्हें पुलिस बल के सहयोग से दौड़ाकर पकड़ा गया। पहचान के बाद भागने का कारण पूछने पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उनकी तलाशी लेने पर 29.24 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। नगद राशि भी बरामद हुई। उनकी पहचान सेमरटाड़ निवासी बादल कुमार (20), हर्षित राज (20) एवं मनीष कुमार (20) के रूप में हुई।

युवक का शव मिलने पर आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

पूर्वी सिंहभूम। उलीडीह थाना क्षेत्र के शंकोसाई श्यामनगर में चार दिनों से लापता चल रहे 24 वर्षीय प्रदीप साहू का शव गुरुवार सुबह स्वर्णरिखा नदी के छठ घाट के पास संदिग्ध हालत में मिलने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। शव मिलते ही स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश पनप उठा और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। शव की पहचान होने के बाद परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये । उन्होंने आरोप लगाया कि संकोसाई रोड नंबर एक का नदी किनारा नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों का ठिकाना बन चुका है, लेकिन पुलिस लगातार लापरवाह बनी हुई है। इसी नाराजगी के बीच लोगों ने प्रदीप का शव उठाकर उलीडीह थाना के पास मुख्य सड़क पर रख दिया।

एक नजर

जरूरतमंदों व दिव्यांगजनों के बीच कंबल वितरण

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) रांची के दिशा निर्देश और जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने गुरुवार को व्यवहार न्यायालय, परिसर में जरूरतमंदों और दिव्यांगजनों के बीच ठंड से बचाव के लिए कंबल का वितरण किया। इस अवसर पर, डालसा अध्यक्ष अखिल कुमार ने कहा कि यह कंबल वितरण अभियान केवल आज तक ही सीमित नहीं है बल्कि उन्होंने प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत को निर्देश दिया है कि जिला प्रशासन और नगर परिषद के सहयोग से यह अभियान आगे भी जारी रखा जाए। इसके अतिरिक्त, प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) न्याय मित्र की एक टीम का गठन किया है। जहां यह टीम शहर के विभिन्न हिस्सों में जाएगी और अत्यंत जरूरतमंद, लाचार, वृद्ध, विधवा और बेसहारा बच्चों, विभिन्न आश्रय गृहों और रैन बसेरों में रहने वालों को चिन्हित करेगी। वही टीम उन्हें ठंड से बचाव के लिए गर्म कंबल उपलब्ध कराएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी उठा सकें। इस पुनीत कार्य के दौरान अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, न्यायालय के अन्य गणमान्य लोग और कर्मचारी उपस्थित थे जिन्होंने इस नेक कार्य में भरपूर सहयोग किया। वही कानूनी समस्याओं या सहायता के लिए नालसा हेल्पलाइन 15100 पर या प्राधिकार के मोबाइल नंबर 9471521725 पर कॉल करके अथवा ईमेल आईडी dlsshibgfj@gmil.com पर संपर्क किया जा सकता है।

अंडर 16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में सीएबी जूनियर ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

साहिबगंज। जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिद्धो कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर 16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत गुरुवार को सीएबी जूनियर बी बरहरवा बनाम संत जोसेफ एकेडमी के बीच मैच खेला गया। जहां सीएबी जूनियर बी की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। उधर संत जोसेफ एकेडमी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 223 रन बनाए। जहां प्रिंस कुमार ने 59, आदित्य ने 41, ताबिश अनवर ने 28, सुधीर यादव ने 26 रन बनाए। वही सीएबी जूनियर बी के गेंदबाज सुधांशु यादव व आसिफ असलम ने 3-3 विकेट लिए। वही जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी सीएबी जूनियर बी की टीम ने 16.2 ओवर में 4 विकेट पर 224 रन बनाए। जहां शादाब हुसैन ने 36, रौशन कुमार ने 50, सफीउर्रहमान ने नाबाद 82 रन की पारी खेली। जहां संत जोसेफ एकेडमी के गेंदबाज देवांशु व सुधीर यादव ने 2-2 विकेट लिए। उधर सीएबी जूनियर बी की टीम ने 6 विकेट से इस मैच को आसान तरीके से जीत लिया। जहां सीएबी जूनियर बी के खिलाड़ी सफीउर्रहमान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। जहां मुख्य अतिथि चैतन्य भरतिया ने सफीउर्रहमान को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। इस मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह एवं स्कोरिंग मो. अनाउल्लाह अंसारी ने किया। वही टूर्नामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 5 दिसंबर माही स्पोर्ट्स ब्लू बनाम मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के बीच मैच खेला जाएगा।

शहर की साफ सफाई को लेकर नगर परिषद प्रशासक ने की बैठक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः नगर परिषद कार्यालय में गुरुवार को प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत शहर की साफ सफाई को लेकर आकांक्षा वेस्ट मैनेजमेंट के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। जिसमें डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस बैठक में नगर प्रबंधक बिरेश कुमार, सेनेटरी इंसपेक्टर प्रिंस कुमार, आकांक्षा वेस्ट मैनेजमेंट के प्रतिनिधि, पीएमसी लीडर, फील्ड सुपरवाईजर आदि मौजूद थे।

उत्तरी महादेववरण में पंचायत सचिवों व झामुमो कार्यकर्ताओं की बैठक हुई आयोजित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मंडरो। झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को उत्तरी महादेववरण गांव में पंचायत सचिवों व कार्यकताओं की बैठक हुई। जहां इस बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने और हेमंत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव गांव तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा और प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन उपस्थित थे। जहां प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को गांव के अंतिम लाभुकों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उधर आयोजित बैठक में कई संगठनात्मक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई जहां झामुमो कार्यकर्ताओं को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर महिला मोर्चा जिला सचिव संगीता हांसदा, विशाल हांसदा, सफीक आलम समेत अन्य झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिजली गंगा घाट पर गंगा आरती का आयोजन

साहिबगंज। गुरुवार शाम 5 बजे शहर के मुक्तेश्वर धाम बिजली गंगा घाट में मार्ग शीर्ष, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा तिथि के पुनीत अवसर पर मां गंगा सेवा समिति, की ओर से हर माह की तरह इस माह भी वर्ष 2011 से लगातार स्थानीय मुक्तेश्वर धाम सीढ़ी गंगा गंगा तट पर पुरोहित धनेश तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए मां गंगा का विधिवत पूजन अर्चना कर मां गंगा की भव्य आरती की गई। जहां गंगा आरती के बाद पुरा गंगा तट भक्तिमय माहौल के साथ हर हर गंगे, जय मां गंगे, हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। उधर गंगा पूजन के बाद मौके पर मौजूद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडेय, अमित केशरी, संदीप अवस्थी, सुरेश ओझा, प्रशांत शेखर, मुरारी ठाकुर समेत अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

लंबित मांगों को पूरा करने को लेकर लोको पायलट व सहायक लोको पायलट ने किया भूख हड़ताल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज। सीडब्ल्यूसी, एआईएलआरएसए के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर पूरे देश की सभी लॉबी में लोको पायलट और सहायक लोको पायलट 48 घंटे के उपवास पर रहकर ट्रेन संचालन कर रहे थे। जहां इसी क्रम में साहिबगंज लॉबी में भी मंगलवार से रनिंग स्टाफ ने लंबित मांगों को लेकर भूख हड़ताल कर विरोध जताया। जहां 48 घंटे बीत जाने के बाद भूख हड़ताल पर जल ग्रहण कर समाप्त किया। इस मौके पर रेल कर्मचारियों ने कहा कि रनिंग स्टाफ रेलवे की रीढ़ हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की अनदेखी हो रही है। वही रनिंग अलाउंस में 25% बढ़ोतरी 1 जनवरी 2024 से लागू होनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है, जिसके कारण स्टाफ आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहा है। उधर रनिंग माइलेज पर आयकर में मिलने वाली 70% छूट बंद होने से कर्मचारियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव बढ़ गया है। इसके अलावा पीआर रेस्ट का 30-16 यानी कुल 46 घंटे का नियम भी जमीनी स्तर पर लागू नहीं किया जा रहा है, जिससे कार्य, विश्राम व संतुलन बिगड़ रहा है। आगे कर्मचारियों ने कहा कि किसी भी गाड़ी का सुरक्षित संचालन लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के कंधों पर होता है। जहां वे हर मौसम, हर परिस्थिति में सबसे आगे खड़े होकर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसके बावजूद एसपीएडी के मामूली आरोप में भी बर्खास्तगी जैसी कठोर कार्रवाई की जाती है, जो न्यायसंगत नहीं है। जहां उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मान्यता प्राप्त यूनियनें रनिंग स्टाफ की समस्याओं को गंभीरता से नहीं उठा रही हैं। जहां रनिंग स्टाफ ने चेतावनी दी कि यदि भारत सरकार और रेलवे बोर्ड ने उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन और उग्र किया जायेगा। जहां आगे चक्का जाम जैसे बड़े कदम उठाए जायेंगे। उधर कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक सचिव गोपाल कुमार ने की। इस मौके पर दिवाकर कुमार, संतोष कुमार, विनय कुमार, कुंदन कुमार, ब्रजेश कुमार, जेएस विद्यार्थी, कुमुद रंजन, सुभाष, राजीव, कृष्णा, मौसम सहित कई अन्य रनिंग स्टाफ मौजूद थे।

सदर अस्पताल में नाबालिग किशोरियों ने दिया नवजात शिशु को जन्म, उम्र निर्धारण में हो रही दिक्कत

साहिबगंज। जिला मुख्यालय के सबसे बड़े सदर अस्पताल में इन दिनों अजीबोगरीब मामला गुरुवार को सामने आया है। जहां तीन अलग अलग जगहों की रहने वाली नाबालिग किशोरियों ने सुरक्षित नवजात शिशुओं को जन्म दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सभी नाबालिग किशोरियां विवाहित हैं और उनका यह पहला प्रसव है। उधर सदर अस्पताल में भर्ती तीनों नाबालिग किशोरियों के भर्ती स्लिप पर आधार कार्ड पर अंकित जन्मतिथि से अभी उम्र 15 से 16 वर्ष ही हो रहा है जबकि उनके परिजन उसे बालिग जन्मतिथि लिखाकर प्रसव के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराए हैं जो गहन जांच का विषय है। जहां सदर अस्पताल के प्रसूता वार्ड में ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मी भी इन नाबालिग किशोरियों के आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को ही आधार मानकर प्रसव करा रही है। उधर नाबालिग किशोरी के परिजनों ने बताया कि उनकी उम्र पूरी तरह से बालिग है जहां कम उम्र में ज्ञान की कमी के कारण आधार कार्ड में गलत जन्मतिथि अंकित करवा दिया गया था।

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय तुलमेपहाड़ की स्थिति बेहद खराब

तालझारी। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय तुलमेपहाड़ की स्थिति बेहद खराब है जहां इस विद्यालय में कुल 26 बच्चे नामांकित हैं लेकिन विद्यालय का भवन इतना जर्जर हो चुका है कि बच्चों को प्रतिदिन जान जोखिम के बीच पढ़ाई करनी पड़ती है। वही विद्यालय में मौजूद तीन कमरों में से दो कमरे पूरी तरह टूटफूट की स्थिति में हैं। वही फर्श से मलबा लगातार गिरता रहता है, जिससे लोहे के सरिये तक दिखाई देने लगे हैं ऐसी स्थिति में बच्चों का बैठना और यहां पढ़ाई करना असुरक्षित हो गया है। वही समस्या सिर्फ भवन तक ही सीमित नहीं है जहां इस विद्यालय में आज तक बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं करायी गई है जबकि विद्यालय के सटे हुए तुलमेपहाड़ गांव तक बिजली पहुंच चुकी है।

ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत प्रसव पीड़ा युवती की मदद कर सुरक्षित कराया प्रसव

साहिबगंज। मालदा रेलमंडल ने एक बार फिर ह्यऑपरेशन मातृशक्तिह्व के अंतर्गत मानवीय सेवा की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। जहां गुरुवार की सुबह ट्रेन संख्या 13071 हावड़ा जमालपुर एक्सप्रेस के कोच संख्या एस 6 में यात्रा कर रही महिला यात्री सुश्री इशा परवीन (24 वर्ष) को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू होने की सूचना मिलने पर साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर तैनात रेलकर्मियों ने त्वरित एवं सराहनीय कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल आवश्यक सहायता प्रदान की। जहां ट्रेन के साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद रेलकर्मियों ने राहत कार्य शुरू किया। उधर रेलवे स्टेशन स्थित स्वास्थ्य इकाई के रेलवे चिकित्सक डॉ. सुचेत डी. एस. ने महिला यात्री की चिकित्सकीय जांच की और उसे आगे के बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल, साहिबगंज रेफर किया। जहां इस पूरे अभियान में एएसआई प्रसेंजीत दास, आरक्षी अमित कुमार तथा ड्यूटी पर मौजूद वाणिज्य विभाग के कर्मचारी चंदन कुमार पाल ने महिला यात्री एवं उसके परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान की। जहां मालदा रेलमंडल के रेलकर्मियों की तत्परता, समन्वय और संवेदनशीलता के कारण समय रहते महिला को सुरक्षित चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। यह पूरी घटना रेल प्रशासन की यात्रियों की सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

जिरवाबाड़ी पुलिस ने अपराधिक षड्यंत्र रचने वाले आरोपी को मनिहारी से गिरफ्तार कर भेजा जेल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र की पुलिस ने गुरुवार दोपहर 2 बजे वर्ष 2020 में अपराधिक षड्यंत्र रचने के मामले में शामिल आरोपी रुदल यादव उम्र 44 वर्ष पिता स्व. मसुदन यादव को बिहार राज्य के कटिहार जिला अंतर्गत मनिहारी थाना क्षेत्र के बोलिया से गिरफ्तार करने के बाद आरोपी का मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने फौरन आरोपी का मेडिकल जांच किया जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार अप्राथमिकी अभियुक्त रुदल यादव के खिलाफ जिरवाबाड़ी (बोरियो) थाना कांड संख्या 222/20 के तहत पहले से मामला दर्ज था जिसमें आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।

सदर अस्पताल के प्रसूता महिला वार्ड में बेड पर पुरुष फरमा रहे आराम

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज। जिला मुख्यालय के सबसे बड़े सदर अस्पताल में इन दिनों नियमों की अनदेखी पुरजोर तरीके से की जा रही है। जहां प्रसूता महिला वार्ड में भर्ती गर्भवती महिलाओं के बेड पर पुरुष बड़े आराम से लेटकर मोबाइल फोन चला रहे हैं जिसको देखने वाला कोई भी नहीं है। ताजा मामला गुरुवार दोपहर 3 बजे को उस वक्त देखने को मिला जब प्रसूता महिला वार्ड के एक बेड पर पुरुष बड़े ही आराम से लेटकर मोबाइल फोन देख रहा था जहां महिला वार्ड में भर्ती गर्भवती महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान का सख्त निर्देश है कि कोई भी पुरुष महिला वार्ड में नहीं घुसेंगे और न ही अपने भर्ती मरीजों के साथ रहेंगे मगर सदर अस्पताल में इन नियमों का कड़ाई से पालन होता हुआ नहीं दिखाई दे रहा है। उधर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात महिला होमगार्ड जवान का कहना है कि जब भी वैसे पुरुषों को महिला वार्ड में रहने से मना किया जाता है तो उल्टे उनके परिजन उन्हीं से लड़ बैठते हैं या फिर लड़ाई झगड़ा करने लगते हैं जिसके कारण इन पुरुषों को महिला वार्ड से बाहर कर पाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। हालांकि ऐसे लोगों के खिलाफ सदर अस्पताल प्रबंधन को ठोस कदम उठाने की जरूरत है जहां उनसे जुमार्ना भी वसूल करते हुए सबक सिखाया जा सकता है।

बरहेट पुलिस ने दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग किशोरी का सदर अस्पताल में कराया मेडिकल जांच

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र की पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र की रहने वाली एक दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग किशोरी का मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में कागजी प्रकिया पूरी करने के बाद ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक डॉ. स्नेहा ने फौरन नाबालिग किशोरी का मेडिकल जांच किया जिसके बाद पुलिस नाबालिग किशोरी को आगे की कार्यवाही करने के लिए साथ लेकर चली गई। वही मामले को लेकर एसआई बिट्टू कुमार साहा ने बताया कि नाबालिग किशोरी के परिजनों ने बुधवार को केस दर्ज कराया था जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए नाबालिग किशोरी को अपने कब्जे में लेते हुए उसका मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई हुई है।

अमेरिकी दबाव के बावजूद परवान चढ़ती दोस्ती

पुष्परंजन

भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड...

भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है। इस बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 4 दिसंबर को दो दिन के वास्ते स्टेट विज़िट पर आना कई मायनों में महत्वपूर्ण है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन में युद्ध आरंभ होने के बाद से पुतिन का यह पहला आधिकारिक आगमन होगा। पुतिन, पिछली बार यूक्रेन युद्ध से कुछ माह पहले, दिसंबर 2021 में भारत आए थे। रूसी राष्ट्रपति का रेड-कार्पेट वेलकम साउथ ब्लॉक में किया जाएगा, जहां 23वीं सालाना इंडिया-रूस शिखर बैठक होगी। भारत और रूस के बीच ह्यस्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिपह्ल है, जिसके तहत एसयू-57 फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है, जिसने मॉस्को से भारत के हथियारों की खरीद को पीछे धकेल दिया है।

ठीक से देखा जाये, तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शक्ति संतुलन सिद्धांत को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बनाये रखना चाहते हैं, लेकिन ट्रंप का हठयोग इस मार्ग में बाधा पैदा कर रहा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में खत्म होने वाले चार सालों में रूसी हथियारों की खरीद में काफी गिरावट के बावजूद मॉस्को भारत का सबसे बड़ा मिलिटरी हार्डवेयर सप्लायर बना हुआ है।

भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड...

भारत और रूस के बीच ह्यस्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिपह्ल है, जिसके तहत एसयू-57 फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है।

इस बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 4 दिसंबर को दो दिन के वास्ते स्टेट विज़िट पर आना कई मायनों में महत्वपूर्ण है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन में युद्ध आरंभ होने के बाद से पुतिन का यह पहला आधिकारिक आगमन होगा। पुतिन, पिछली बार यूक्रेन युद्ध से कुछ माह पहले, दिसंबर 2021 में भारत आए थे। रूसी राष्ट्रपति का रेड-कार्पेट वेलकम साउथ ब्लॉक में किया जाएगा, जहां 23वीं सालाना इंडिया-रूस शिखर बैठक होगी।

भारत और रूस के बीच ह्यस्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिपह्ल है, जिसके तहत एसयू-57 फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किस ा ी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है, जिसने मॉस्को से भारत के हथियारों की खरीद को पीछे धकेल दिया है।

ठीक से देखा जाये, तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शक्ति संतुलन सिद्धांत को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बनाये रखना चाहते हैं, लेकिन ट्रंप का हठयोग इस मार्ग में बाधा पैदा कर रहा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में खत्म होने वाले चार सालों में रूसी हथियारों की खरीद में काफी गिरावट के बावजूद मॉस्को भारत का सबसे बड़ा मिलिटरी हार्डवेयर सप्लायर बना हुआ है।

भारत के पास 200 से ज्यादा रूसी फाइटर जेट और एस-400 डिफेंस शील्ड की कई बैटरी हैं, जिनका इस्तेमाल मई में पाकिस्तान के साथ चार दिन की लड़ाई के दौरान किया गया था। रक्षा मंत्रालय के सूत्र बताते हैं, कि भारत की सेना के पास फाइटर जेट की कमी है, और सरकार से इस कमी को पूरा करने के लिए रूस निर्मित एडवांस्ड फाइटर जेट खरीदने का आग्रह किया है। सूत्र यह भी बताते हैं, कि एसयू -57 जेट में लगी लंबी दूरी की मिसाइलें दक्षिण एशियाई देश को ज्यादा विजुअल रेंज कैपेबिलिटी देंगी। हालांकि, रूस-भारत के बीच हुए समझौते को स्टेट ड्यूमा में मंजूरी मिलनी बाकी है। दो दिन की शिखर बैठक में, दोनों पक्ष डिफेंस कोऑपरेशन, न्यूक्लियर एनर्जी, हाइड्रोकार्बन, स्पेस, टेक्नोलॉजी और ट्रेड पर चर्चा करेंगे।

चेन्नई स्थित मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर एनआर भानुमूर्ति के मुताबिक, भारत के लिए 93 मिलियन डॉलर के हथियारों के सौदे को वॉशिंगटन की मंजूरी, महीनों के ट्रेड टेंशन के बाद दोनों पक्षों के बीच रिश्तों में सुधार का संकेत है, और यह अगले साल प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के नई दिल्ली दौरे की संभावित शुरूआत भी है। यूक्रेन शांति समझौते को आगे बढ़ाने के लिए एक हाई पावर्ड अमेरिकी डेलीगेशन मॉस्को में है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के दूत नाम स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर इस हफ़्ते डील की कोशिश के लिए मॉस्को पहुंचे हैं। यूक्रेन में शांति से दिल्ली का फायदा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में भारत पर शुरू में 25 प्रतिशत इंपोर्ट टैरिफ लगाया था, फिर इसे बढ़ाकर 50 फीसद कर दिया। यह टैरिफ दिल्ली द्वारा रूसी तेल खरीदने पर पेनल्टी थी। उन्होंने कहा कि यह तेल खरीद यूक्रेन से युद्ध के वास्ते मॉस्को को आर्थिक मजबूती दे रही थी। चेन्नई स्थित मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर एनआर भानुमूर्ति मानते हैं कि कई भारतीय तेल कंपनियों ने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है, इसलिए आने वाले हफ्तों में भारत पर अमेरिकी टैरिफ कम होने की संभावना है।

(लेखक के निजी विचार है)

संपादकीय

'साथी' पर अविश्वास

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। दरअसल, सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है।

हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि-कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था। निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में 'राइट टू प्राइवेसी' में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है। यही वजह है कि विगत में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि मोबाइल व निजी कंपनियां उपभोक्ता से आधार कार्ड नहीं मांग सकती। इस फैसले को तब निजता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। यही वजह है कि 'संचार साथी' की अनिवार्यता के बाद निजता व व्यक्ति के डेटा में सरकारी दखल को लेकर सवाल उठने लगे। निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी।

ओटीटी की अनियंत्रित अश्लीलता : साहित्य परिषद् और न्यायपालिका की साझा चिंता

नवम्बर माह में देश के सांस्कृतिक परिदृश्य में दो ऐसी घटनाएँ सामने आईं, जिन्होंने भारतीय समाज के नैतिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक संरचना और युवा पीढ़ी के मानसिक भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। एक ओर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील और मूल्यहीन सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता दर्ज कराते हुए एक व्यापक प्रस्ताव पारित किया। दूसरी ओर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओटीटी की अनियंत्रित सामग्री को लेकर सरकार को कठोर कदम उठाने की सलाह दी। दोनों घटनाएँ मिलकर एक ऐसे संकट की ओर संकेत करती हैं, जिसे अब अनदेखा करना राष्ट्र के लिए संभव नहीं है। भारतीय समाज लंबे समय से अपनी सांस्कृतिक आत्मा, नैतिक मयार्दाओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता रहा है, किंतु पिछले कुछ वर्षों में मनोरंजन के नाम पर इन मूल्यों को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त किया जा रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, जो एक समय रचनात्मकता, स्वतंत्र प्रयोग और कलात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम माने जाते थे, अब बड़े स्तर पर अश्लीलता, उग्रता, विकृति और अराजकता के केंद्र बनते जा रहे हैं। फिल्मों और वेबसीरीज में नग्नता और हिंसा को 'रियलिज्म' का नाम दिया जा रहा है, पात्रों की भाषा में गालियों और भद्दे संवादों को 'क्रिएटिव फ्रीडम' बताकर परोसा जा रहा है और युवा पीढ़ी इसे आधुनिकता का प्रतीक समझने के भ्रम में फँसती जा रही है।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् जो भारत की सभी भाषाओं, बोलियों और लिपियों के संरक्षण-संवर्धन का संवैधानिक दायित्व निभाने वाला संगठन है ने इसी संकट को रेखांकित किया है। परिषद् का कहना है कि ओटीटी की सामग्री युवाओं के मन-मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत यौनाचार, नशाखोरी और हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे रही है। न केवल सामग्री, बल्कि उस सामग्री के प्रचार-प्रसार की शैली भी उतनी ही चिंताजनक है। पोस्टर, ट्रेलर, सोशल मीडिया रीले– सबमें आकर्षण का आधार ह्यसंस्कृति-विरोधह्ल और 'वर्जना-भंग' बनता जा रहा है। विभिन्न शोध भी इस संकट की पुष्टि करते हैं। हाल ही में दिल्ली और मुंबई के कॉलेजों में किए गए सर्वे से पता चला कि 14 से 18 वर्ष के बीच के 70% बच्चे बिना किसी आयु-नियंत्रण के ओटीटी पर वयस्क सामग्री देखते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक रिपोर्टें बताती हैं कि लगातार हिंसा और अश्लीलता के संपर्क में रहने से किशोरों में तनाव, अवसाद, आक्रामकता और संबंधों की गलत समझ विकसित होती है।

साहित्य परिषद् ने केवल ओटीटी ही नहीं, बल्कि ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती विकृति पर भी चिंता जताई है। आज कई लोकप्रिय गेम, जिनमें हिंसा, हत्याएँ और आभासी अपराध मुख्य तत्व हैं, युवाओं में नशे की तरह फैल चुके हैं। बीते वर्षों में 'ब्लू व्हेल चैलेंज', 'पबजी' की लत से मानसिक विकृति, चोरी-डकैती और आत्महत्या तक की घटनाएँ सामने आईं। कई राज्यों में ऐसी घटनाओं के बाद गेमिंग पर प्रतिबंध और निगरानी की माँग उठी, किंतु इसका व्यापक समाधान आज भी प्रतीक्षित है।

इस संदर्भ में परिषद् ने जो पाँच प्रमुख माँगें रखी हैं, वे पूरी तरह तार्किक एवं राष्ट्रीय हित में हैं- स्वायत्त नियामक संस्था का गठन, सांस्कृतिक संवेदनशीलता की अनिवार्यता, बच्चों के लिए आयु-आधारित सामग्री का नियंत्रण, विकृत सामग्री पर कानूनी कार्रवाई और भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन को प्रोत्साहन। वास्तव में, यदि एक राष्ट्र अपनी किशोर और युवा पीढ़ी को ही सुरक्षित न रख सके, तो उसकी प्रगति और सांस्कृतिक गरिमा दोनों खतरे में पड़ जाती हैं।

इसी के समानांतर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ इस मुद्दे को और गंभीर बनाती हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने स्पष्ट कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अमूल्य अधिकार है, पर इसका दुरुपयोग समाज के लिए हानिकारक है। अदालत ने यह भी कहा कि अश्लील सामग्री देने से पहले चेतावनी और नियमन अनिवार्य होना चाहिए। न्यायालय का यह संकेत महज कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक चेतावनी है यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह प्रवृत्ति विकृति और अराजकता का रूप ले सकती है।

साहित्य परिषद् ने अपने अधिवेशन में 'आत्मबोध से विश्वबोध' की परिकल्पना को आगामी वर्षों के वैचारिक पथ के रूप में निर्धारित किया है। यह संकल्प इस बात का संकेत है कि राष्ट्र की आत्मा तभी विश्वगुरु बन सकती है जब वह पहले स्वयं के भीतर की विकृतियों को पहचाने और उन्हें दूर करने का प्रयास करे। ओटीटी और डिजिटल माध्यमों की यह उच्छृंखलता भारत की सांस्कृतिक आत्मा के सामने वही चुनौती खड़ी कर रही है, जो औपनिवेशिक काल में भाषा, संस्कृति और परंपरा के सामने खड़ी हुई थी–बस माध्यम बदल गए हैं, स्वरूप बदला है, संकट वही है। आज आवश्यकता सांस्कृतिक पुनर्जागरण की है। कई देश जैसे दक्षिण कोरिया, जापान और चीन–अपने डिजिटल माध्यमों पर कठोर सांस्कृतिक नियंत्रण रखते हैं। चीन में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को गेमिंग खेलने के घंटे कानूनी रूप से सीमित हैं। दक्षिण कोरिया में अश्लील सामग्री का प्रसार कड़े दंड का विषय है। जापान ने मीडिया और मनोरंजन में सांस्कृतिक मूल्यों को अनिवार्य तत्व बनाया है। ये देश तकनीकी रूप से विकसित होने के बावजूद मूल्यहीनता को आधुनिकता का पर्याय नहीं मानते। भारत के लिए यह समय है कि वह अपनी सांस्कृतिक आत्मा को खोए बिना आधुनिकता की ओर बढ़े।

समस्या यह भी रही है कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' को एक ऐसे रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है जहाँ सभी सामाजिक और परंपरागत मान्यताएँ अप्रासंगिक बताई जाएँ। यह स्वतंत्रता जब मयार्दा खो देती है, तो वह स्वेच्छाचार बन जाती है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति का अधिकार उतना ही पवित्र है जितना उसका दुरुपयोग खतरनाक। समाज जब तक अपनी दिशाबोध खोए बिना स्वतंत्रता की सीमाएँ तय नहीं करेगा, तब तक अश्लीलता, हिंसा और विकृति का बाजार बढ़ता ही रहेगा।

आज ओटीटी की सामग्री केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान को प्रभावित करने वाला तंत्र बन चुकी है। जिस समाज में मनोरंजन संवेदना और मयार्दा पर भारी पड़ने लगे, वहाँ संस्कृति और भविष्य दोनों संकटग्रस्त हो जाते हैं। परिवार टूटने लगते हैं, संबंध उपभोग की वस्तु बन जाते हैं और जीवन मूल्य व्यंग्य का विषय। साहित्य परिषद् और सर्वोच्च न्यायालय की संयुक्त चिंता यह स्पष्ट करती है कि यह केवल ह्यकंटेंटह्ल का मुद्दा नहीं, बल्कि ह्यसामाजिक दिशाह्ल का प्रश्न है। यह आज का संकट नहीं, आने वाले वर्षों की संभावित आपदा का पूर्व संकेत है।

यदि समाज चाहता है कि उसकी भावी पीढ़ी संवेदनशील, मजबूत और मूल्यवान बने, तो ओटीटी के इस अनियंत्रित विस्तार को नियमन और मयार्दा की आवश्यकता है। यह केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि समाज, परिवार और शिक्षा संस्थानों की भी समान जिम्मेदारी है। भारत आत्मबोध के मार्ग पर खड़ा है। आत्मबोध तभी संभव है जब समाज अपनी मूल सांस्कृतिक चेतना को पहचानकर भविष्य की दिशा तय करे।

घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत आज एक ऐसी चुनौती से जूझ रहा है जिसे राजनीतिक शोरगुल और मानवीय दलीलों की आड़ में अक्सर दबा दिया जाता है, जबकि उसकी तीक्ष्णता लगातार बढ़ रही है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की बढ़ती संख?या अब केवल आंकड़ों का खेल नहीं रही, यह देश की सामाजिक संरचना, सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक संतुलन को गहराई तक चोट पहुँचा चुकी समस्या बन चुकी है। अलग-अलग आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से लेकर छह करोड़ तक अवैध घुसपैठिये मौजूद हो सकते हैं। केवल पश्चिम बंगाल में पचपन से साठ लाख तक और असम में पचास लाख तक की संख्या बताई जाती है। गुजरात, दिल्ली और महाराष्ट्र में लगातार चल रही छापेमार कार्रवाइयाँ इस संकट की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका प्रमाण देती हैं।

इन परिस्थितियों के बीच सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख एक चेतावनी के रूप में सामने आया है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि भारत अवैध प्रवेश करने वालों के लिए लाल कालीन नहीं बिछा सकता। यह चेतावनी अचानक नहीं आई। यह दशकों से खुली सरहदों और राजनीतिक ढिलाई का नतीजा है। न?यायालय ने पूछा कि क्या इन लोगों को भारत सरकार ने शरणार्थी घोषित किया है। जब इसका जवाब न में मिला, तो अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि फिर कानून की दृष्टि से वे घुसपैठिये हैं। यह स्थिति साफ है और इसमें कोई दुविधा नहीं रहनी चाहिए।

न्यायालय की टिप्पणी वस?तुतः उस वास्तविकता की ओर सीधा संकेत है जिसे लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। भारत के अपने नागरिक आज भी गरीबी, बेरोजगारी और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में जो लोग अवैध तरीके से सीमा पार करके भारत में दाखिल होते हैं, वे सुरक्षा के लिए खतरा होने के साथ ही कहना होगा कि देश के सीमित संसाधनों पर भारी बोझ हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल कि क्या भारतीय नागरिकों की कीमत पर अवैध घुसपैठियों को संसाधन और लाभ दिए जाएँ, बिल्कुल उचित है। अदालत ने कहा कि भारत में भी बहुत गरीब लोग मौजूद हैं जिनके अधिकारों और जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

सबसे बड़ा खतरा सुरक्षा का है। घुसपैठिये बाड़ काटकर, नदी पार करके या नकली दस्तावेजों के सहारे भारत में आते हैं। इनमें से कई अपराधी, तस्कर या कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े भी हो सकते हैं। कई बार ऐसे नेटवर्क पकड़े गए हैं। असम, बंगाल और दिल्ली में मिले फर्जी पहचान पत्र इस खतरे को और पुष्ट करते हैं। जब अवैध प्रवासी मतदाता सूची में घुसने लगते हैं, तब वे सिर्फ सुरक्षा पर हमला नहीं कर रहे होते हैं, वास?तव में ये लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर हमला होता है।

घुसपैठ का दूसरा बड़ा दुष्परिणाम आर्थिक और सामाजिक असंतुलन है। अवैध तरीके से बसे लोग सरकारी योजनाओं का लाभ ले लेते हैं, राशन कार्ड हासिल कर लेते हैं, मजदूरी पर प्रभाव डालते हैं और स्थानीय लोगों के रोजगार को प्रभावित करते हैं। उनके कारण मजदूरी दरें गिरती हैं और सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ता है। शहरों में भीड़ और अवैध बस्तियों की बढ़ोतरी इसी का परिणाम है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अवैध प्रवासी जिस राज्य में बसते हैं वहाँ की जनसांख्यिकीय संरचना बदलने लगती है। असम, त्रिपुरा और बंगाल जैसे राज्यों में यह बदलाव अब साफ दिखने लगा है। यह बदलाव भविष्य में सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और सांस्कृतिक संघर्ष की जमीन तैयार कर सकता है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश में घर-घर घुसपैठियों की तलाश का आदेश बताता है कि यह समस्या आज सिर्फ पूर्वोत्तर या पूर्वी भारत तक सीमित नहीं रह गई है। अवैध प्रवासी अब देश के हर हिस्से में पहुँच चुके हैं। वे पहचान पत्र बनवा लेते हैं और धीरे-धीरे स्थायी बसावट की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं। यह स्थिति पूरे प्रशासनिक ढांचे के लिए चुनौती बन चुकी है। फिर इन सबके बीच यह तर्क दिया जाता है कि निर्वासन केवल कानूनी प्रक्रिया के अनुसार हो। पर न?यायालय ने इसका सीधा और तार्किक उत्तर दिया आज दे दिया है । कोर्ट ने स?पष?ट कहा है कि पहले अवैध तरीके से सीमा पार की जाए और जब पकड़ में आएँ तो कहा जाए कि अब हमें भारतीय कानूनों का पूरा संरक्षण दिया जाए, यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता। कानून का दुरुपयोग और राष्ट्र के संसाधनों का दोहन किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं है।

वास्तव में ऐसे में कहना यही होगा कि भारत को अब इस समस्या को केवल मानवीय दृष्टिकोण या राजनीतिक नफा नुकसान के चश्मे से देखने की पुरानी प्रवृत्ति छोड़नी होगी। यह समय निर्णायक कदम उठाने का है। सीमा प्रबंधन को तकनीकी रूप से और मजबूत बनाना होगा। अवैध दस्तावेज बनवाने वाले नेटवर्कों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी। नागरिकता और शरणार्थी नीति को स्पष्ट और पारदर्शी बनाना होगा। साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों को एक समान नीति के तहत इस संकट से निपटना होगा।

घुसपैठ कोई साधारण समस्या नहीं है। यह एक धीमा विष है जो राष्ट्र की नसों में फैलता है। यह सुरक्षा को चोट पहुँचाता है, अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, सामाजिक माहौल को बदरंग करता है और लोकतांत्रिक संरचना को भीतर से खोखला करता है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी भारत के लिए समय पर आया हुआ सिग्नल है। अब यह सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे देश की सीमाओं को सुरक्षित करें और इस लगातार बढ़ती चुनौती को निर्णायक रूप से रोकें।

वस्तुतः भारत की मजबूती उसकी सीमाओं की सुरक्षा में है और घुसपैठ उन दीवारों में दरार डालने वाली अनदेखी आग है। इस आग को तुरंत बुझाना होगा अन?यथा आने वाले वर्षों में इसका दुष्परिणाम भारत की स्थिरता और पहचान पर भारी पड़ सकता है। समस?या विकराल हो उससे पहले उसका निदान जरूरी है। अच?छा है न?यायालय उस दिशा में अपने कदम बढ़ा चुका है। ऐसे में जो मानवाधिकार के नाम पर हल?ला कर रहे हैं, उन्हें भी इन घुसपैठियों पर अपनी आंखें खोल लेनी चाहिए।

(लेखक के निजी विचार है)

कोच का दांव सफल, शिंटोमन ने केआईयूजी में 110 मीटर हर्डल्स का तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

जयपुर। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के धावक सीबी शिंटोमन ने बुधवार को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2025 में पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में नया कीर्तिमान स्थापित कर सबको चौंका दिया। 23 वर्षीय शिंटोमन ने 14.32 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और पिछले मीट रिकॉर्ड (14.40 सेकंड) को तोड़ डाला।

फुटबॉल खेलते हुए हुई टैलेंट की खोज

केरल के इडुक्की जिले के एरटायर गांव के शिंटोमन की जिंदगी 2021 तक पढ़ाई, स्कूल फुटबॉल और छुट्टियों में इलायची बागानों में मजदूरी तक सीमित थी। उन्होंने कभी सिंथेटिक ट्रैक पर कदम भी नहीं रखा था, लेकिन एक स्कूल फुटबॉल मैच के दौरान केरल स्पोर्ट्स काउंसिल अकादमी के कोच बैजू जोसेफ की नजर उन पर पड़ी। उनकी मजबूत बॉडी और स्वाभाविक एथलेटिक क्षमता को देखते हुए कोच ने उन्हें एथलेटिक्स की ओर मोड़ा। 400 मीटर और हाई जंप से शुरूआत हुई और धीरे-धीरे वह अपने सही इवेंट 110 मीटर हर्डल्स तक पहुंचे।

दो साल में चौंकाने वाली प्रगति

महज दो साल में शिंटोमन ने अद्भुत सुधार किया है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुए रोमांचक फाइनल में उन्होंने मामूली फासले से शिवाजी विश्वविद्यालय के विकास आनंद खोड़के (14.516 सेकंड) और कैलिकट विश्वविद्यालय के रहील साकीर वीपी (14.518 सेकंड) को पछाड़ते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया। शिंटोमन ने जीत के बाद साईं मीडिया से कहा, यह मेरा पहला केआईयूजी गोल्ड है और मुकाबला काफी कड़ा था। इतने प्रतिस्पर्धी फील्ड में हिस्सा लेना और पहली बार में ही गोल्ड जीतना मेरे लिए बहुत खास है।

परिवार नहीं जानता उपलब्धियों के बारे में

मजदूरी कर घर चलाने वाले एक पेंटर के बेटे शिंटोमन का बचपन खेलों से दूर बीता। वह बताते हैं कि उनका परिवार आज भी उनकी उपलब्धियों से अधिक परिचित नहीं है। उन्होंने कहा, घर में खेल का माहौल कभी नहीं रहा। आज भी उन्हें बहुत कुछ पता नहीं है। लेकिन मेरे कॉलेज और कोच के सपोर्ट से ही मैं यहां तक पहुंच पाया हूं।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड पर नजर

पिछले वर्ष उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 14.18 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इस सीजन उन्होंने इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 14.25 सेकंड का समय निकाला। अब उनका लक्ष्य तेजस शिर्से के 13.41 सेकंड वाले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को चुनौती देना है।

भारतीय टीम में जगह बनाने का सपना

इलायची के खेतों में मजदूरी करने से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ने तक का सफर शिंटोमन के लिए जीवन बदलने वाला साबित हुआ है। वह कहते हैं, यह गोल्ड मुझे और मेहनत करने की प्रेरणा देता है। देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझे अपनी स्पीड और तकनीक को और बेहतर करना होगा। अब शिंटोमन, कोट्टायम स्थित सेंट डॉमिनिक कॉलेज में जूलियस जे. मनयानी की देखरेख में ट्रेनिंग ले रहे हैं और 2026 के व्यस्त सीजन की तैयारी जल्दी ही शुरू करने वाले हैं।

एक नजर

अर्जुन एरिगेसी ने विश्वनाथन आनंद को हराकर जीता यरूशलम मास्टर्स 2025 खिताब

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने बुधवार को पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को फाइनल में हराते हुए यरूशलम मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। रैपिड चरण के शुरूआती दो गेम ड्रॉ रहने के बाद एरिगेसी ने पहले ब्लिट्ज गेम में सफेद मोहरों से निर्णायक जीत दर्ज की। दूसरे ब्लिट्ज गेम में भी वे बेहतर स्थिति में थे, लेकिन सुरक्षित ड्रॉ स्वीकार कर खिताब अपने नाम किया। 22 वर्षीय एरिगेसी को इस खिताबी जीत के साथ 55,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। फाइनल में पहुंचने के लिए एरिगेसी ने सेमीफाइनल में रूस के पीटर स्विडलर को हराया था, जबकि आनंद ने दूसरे सेमीफाइनल में इयान नेपोमनियाची पर जीत दर्ज की थी। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने सेमीफाइनल की दूसरी रैपिड गेम में जीत दर्ज की थी। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्विडलर ने अपने हमवतन नेपोमनियाची को 2.5-1.5 से हराया। निर्णायक बढ़त उन्हें दूसरे ब्लिट्ज गेम में मिली। प्रारंभिक राउंड-रॉबिन चरण में स्विडलर ने 8/11 स्कोर के साथ टॉप किया, जबकि नेपोमनियाची, आनंद और एरिगेसी ने 7.5/11 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान साझा किया।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना मजबूत बेल्जियम से

नई दिल्ली। भारत ने पूल-बी में दमदार प्रदर्शन करते हुए 29 गोल दागकर और एक भी गोल न खाते हुए भले ही शानदार रिकॉर्ड बनाया हो, लेकिन असली चुनौती अब शुरू होने जा रही है। शुक्रवार को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होने वाले क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना मजबूत बेल्जियम से होगा। पी.आर. श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम जानती है कि चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ मिले आसान जीत अब इतिहास हो चुके हैं। अब जरा-सी गलती 2016 के बाद दोबारा घरेलू धरती पर खिताब जीतने के सपने को तोड़ सकती है। भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। दिलराज सिंह (6 गोल) और मनमीत सिंह (5 गोल) ने आक्रमण में लय बनाए रखी, जबकि रोशन कुजूर की अगुआई में मिडफील्ड भी सॉलिड रहा है। इसके बावजूद कोच श्रीजेश ने चेतावनी दी है कि टीम को सर्कल एंट्री को गोल या पेनल्टी कॉर्नर में बदलने की क्षमता और मजबूत करनी होगी। साथ ही डिफेंस को कसा हुआ रखने की जरूरत है ताकि बेवजह पेनल्टी कॉर्नर न मिलें। पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन भी भारत की लगातार चिंता रही है। पिछले मैच में शारदा नंद तिवारी ने दो गोल कर सुधार जरूर दिखाया, लेकिन रोहित और अनमोल एक्का को बेल्जियम की मजबूत रक्षा पंक्ति के खिलाफ अपने स्ट्राइक रेट में और सुधार करना होगा। दूसरी ओर, बेल्जियम को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी भूल होगी। स्पेन के पीछे पूल-डी में दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद बेल्जियम टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक आक्रामक टीमों में से एक मानी जा रही है। पूल चरण में टीम ने 22 गोल किए, जिनमें फील्ड गोल और पेनल्टी कॉर्नर गोल की संख्या बराबर रही। भारतीय डिफेंस अब तक लगभग अनटेस्टेड रहा है, जिसे अब सबसे कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। स्विट्जरलैंड के खिलाफ 5-0 की जीत में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ बेहतरीन सेव किए, लेकिन बेल्जियम का आक्रमण इससे कहीं कठिन होगा। कप्तान रोहित, तालेम प्रियबर्ता और आमिर अली की अगुआई में भारतीय बैकलाइन को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता दिखानी होगी। अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में स्पेन का सामना न्यूजीलैंड से, फ्रांस का मुकाबला जर्मनी से (पिछले संस्करण के फाइनल की पुनरावृत्ति) और नीदरलैंड्स का मुकाबला अर्जेंटीना से होगा।

ला लीगा में एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत रियल मैड्रिड ने एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराया

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने बुधवार को खेले गए ला लीगा मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराकर अपनी तीन मैचों की जीत-विहीन कड़ी को खत्म किया। मैच में किलियन एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिन्होंने दो बेहतरीन गोल दागे। इस जीत के साथ मैड्रिड 15 मैचों में 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार है, जो लीडर बार्सिलोना से सिर्फ एक अंक पीछे है। मैच की शुरूआत से ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। शुरूआती मिनटों में ही बिलबाओ के गोलकीपर उनाई सिमोन को लगातार बचाव करने पड़े। हालांकि, सातवें मिनट में मेजबान टीम की रक्षा ढह गई। एम्बाप्पे ने हाफवे लाइन के पास गेंद पाकर दो डिफेंडरों को पछाड़ते हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाया, जो सीधा टॉप कॉर्नर में जा घुसा। एम्बाप्पे और विनीसियस जूनियर की जोड़ी ने पहले हाफ में बिलबाओ की डिफेंस को खूब परेशान किया, हालांकि कई मौकों पर मैड्रिड के फॉरवर्ड गोल के सामने चूकते भी दिखे। 24वें मिनट में बिलबाओ ने बराबरी का सुनहरा मौका बनाया, लेकिन गुरुजेटा की जोरदार शॉट को थिबाऊ कोर्टवा ने शानदार रिफ्लेक्स सेव से रोक दिया। इसके तुरंत बाद कोर्टवा ने अलेक्स बेरेंगुएर के नजदीकी शॉट को भी नाकाम किया। हाफटाइम से ठीक पहले मैड्रिड ने बढ़त 2-0 कर दी। धैर्यपूर्ण बिल्ड-अप प्ले के बाद ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड ने दाएं छोर से सटीक क्रॉस भेजा, जिसे एम्बाप्पे ने हेड से पास में बदला और वहीं मौजूद एडुआर्डो कामाविंगा ने आसानी से हेडर से गोल दाग दिया। ब्रेक से पहले कोर्टवा ने जैउरेगिजार के तेज शॉट को भी शानदार तरीके से रोककर पहली पारी का अंत मैड्रिड के पक्ष में कर दिया। दूसरे हाफ में मैड्रिड ने रफ्तार थोड़ी धीमी की, लेकिन एम्बाप्पे का जादू जारी रहा। 59वें मिनट में उन्होंने गोलकीपर सिमोन को थोड़ा बाहर पोजिशन में देखते हुए बॉक्स के बाहर से एक और शानदार कर्लर दाग दिया, जिसने रियल मैड्रिड की जीत पक्की कर दी। यह एम्बाप्पे का इस सीजन के 15 ला लीगा मैचों में 16वां गोल था, जो दूसरे स्थान पर मौजूद बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के आठ गोलों से दोगुना है। मैच के बाद रियल मैड्रिड के मैनेजर जाबी अलोंसो ने कहा, यह महत्वपूर्ण मैच था क्योंकि हमें खराब दौर को खत्म करना था। टीम ने बेहद संतुलित और शानदार प्रदर्शन किया। यह हमारा अब तक का सबसे संपूर्ण मैच था, वो भी इतने कठिन मैदान पर। रियल मैड्रिड अब रविवार को सेल्टा वीगो का सामना करेगा, जिसके बाद 10 दिसंबर को सैंटियागो बर्नब्यू में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ बहुप्रतीक्षित चैंपियंस लीग मुकाबला खेला जाएगा।

हार्दिक के कारण मुश्ताक अली ट्रॉफी का बड़ौदा और गुजरात मैच स्थानांतरित

मुम्बई। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को देखने उमड़ रही भीड़ के कारण आयोजकों ने बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट ट्रॉफी के मैच को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि बड़ौदा की ओर से खेल रहे हार्दिक को देखने के लिए टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर भारी तादाद में प्रशंसक आते जा रहे थे। ये संख्या सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कहीं अधिक थी जिसके कारण सुरक्षा संबंधी दिक्कतें आ रही थीं। एक आयोजक ने कहा, हार्दिक के प्रति प्रशंसकों में दिवानगी है। प्रशंसकों की संख्या हमारी उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। ऐसे में सुरक्षित और सुचारू आयोजन तय करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया। इस स्टेडियम में आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैच होते हैं।

मुरादाबाद के मोहित पाल ने खेलो इंडिया में जीता गोल्ड

एजेंसी

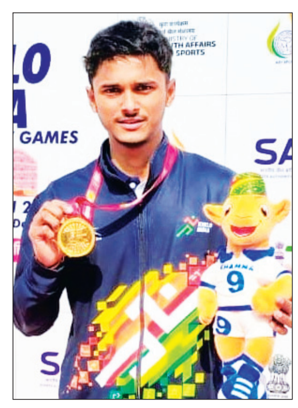

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी होनहार निशानेबाज मोहित पाल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत संघर्ष और सपने मिलकर क्या कर सकते हैं। जयपुर में 24 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में मोहित ने 50 मीटर शूटिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर न सिर्फ जिले नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मोहित ने 2024 के ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सिल्वर मेडल, 2025 के खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल मिला है। मोहित अब तक 9 बार नेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हर टूर्नामेंट के साथ मोहित ने अपने खेल को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। मोहित इस समय भारतीय टीम के ट्रायल्स दे रहे हैं। उनका अगला सपना भारतीय टीम में जगह बनाना और भारत के लिए ओलंपिक मेडल जीतना है। मोहित के पिता हरि सिंह पाल मुरादाबाद में रेलवे विभाग में कार्यरत हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: केरल ने मुंबई को 15 रन से हराया, शरफुद्दीन चमके

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप 'ए' मैच में केरल ने मुंबई को 15 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केरल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। जवाब में मुम्बई की टीम 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई और 15 रन से मुकाबला गंवा दिया। गेंद और बल्ले दोनों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केरल के खिलाड़ी शरफुद्दीन को ह्यप्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मुकाबले में जीत के साथ केरल अंक तालिका में अपने ग्रुप में 12 अंकों के साथ तीसरे पायदान में पहुंच गई है जबकि हार के बावजूद मुंबई 16 अंकों के साथ पहले स्थान में बरकरार है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरूआत खराब रही और आयुष म्हात्रे (03) सस्ते में आउट हुए। इसके बाद अजिंक्य रहाणे (32), सरफराज खान (52) और सूर्यकुमार यादव (32) ने मुंबई को मैच में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन बीच-बीच में गिरते विकेटों ने टीम की लय तोड़ दी। मुंबई की पारी 19.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई।

केरल की ओर से केएम आसिफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। वहीं विग्नेश पुथुर ने दो विकेट लिए तथा शरफुद्दीन, एमडी निधीश, अब्दुल बसीथ को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले केरल ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन बनाए। टीम के कप्तान संजू सैमसन ने 28 गेंदों में 46 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि विष्णु विनोद ने 43 रन की नाबाद पारी से टीम को स्थिरता दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 25 गेंदों पर 32 रन बनाए। आखिर में शरफुद्दीन ने सिर्फ 15 गेंदों में नाबाद 35 रन ठोककर रनगति में तेजी लाई और केरल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। की ओर से शार्दुल ठाकुर, अथर्व अंकोलेकर, शम्स मुलानी, साईराज पाटिल और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट लिया।

मोनाल कप में हुए दो मुकाबले, सचिवालय हरिकेन और डेंजर ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

देहरादून। मोनाल कप 2025 के तहत आज महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में दो रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय हरिकेन और डेंजर ने अपने-अपने मैचों में प्रभावशाली जीत हासिल की। मैच 1 : सचिवालय हरिकेन बनाम विंग्स पहले मुकाबले में सचिवालय हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 196 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से सुनील मैंदोला ने 68 रन की शानदार पारी खेली, जबकि दिवाकर पंत ने 40 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। विंग्स की ओर से दिनेश, सुंदर और संजय जोशी ने 2-2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंग्स की टीम हरिकेन के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 15 ओवर में 93 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से सुंदर ने 21 रन बनाए। हरिकेन की ओर से दीपक डिमरी ने 4 विकेट, जबकि आशीष और ओमीश ने 2-2 विकेट झटके। सचिवालय हरिकेन ने यह मुकाबला 103 रन से अपने नाम किया। सुनील मैंदोला को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच 2 : डेंजर बनाम माइटी 11 दूसरे मुकाबले में डेंजर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। टीम की ओर से नूर मोहम्मद ने 36 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। माइटी 11 की ओर से अंकित और अंकुश ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए माइटी 11 की टीम 20 ओवर में 139 रन ही बना सकी। टीम की ओर से यश सौन ने 53 रन की शानदार पारी खेली। डेंजर के लिए नूर और नीरज ने 2-2 विकेट हासिल किए। डेंजर ने यह मुकाबला 30 रन से जीत लिया।

रचिन और लेथम के शतकों से न्यूजीलैंड मजबूत, वेस्टइंडीज पर ली 481 रन की बड़ी बढ़त

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। हैगली ओवल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में रचिन रवींद्र और टॉम लेथम की शानदार शतकीय पारियों ने न्यूजीलैंड को वेस्ट इंडीज के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कीवी टीम ने दूसरी पारी में 417/4 रन बना लिए थे और 481 रन की अजेय बढ़त हासिल कर ली थी।

न्यूजीलैंड ने दिन की शुरूआत 32/0 से की और शुरूआती साझेदारी को 84 रन तक पहुंचाया। ओजाय शील्ड्स ने पहले डेवोन कॉनवे (84 रन की साझेदारी के बाद आउट) को गहरा प्वाइंट पर कैच करवाया, फिर कप्तान केन विलियमसन (9) को भी पवेलियन भेज दिया। इस समय न्यूजीलैंड 100/2 था और 164 रन की बढ़त हासिल कर चुका था।

इसके बाद रचिन रवींद्र और टॉम लेथम ने वेस्ट इंडीज की गेंदबाजी पर जोरदार हमला बोला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 279 रन की विशाल साझेदारी करते हुए कैरेबियाई गेंदबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। रचिन ने 52 गेंदों में अर्धशतक जमाया, जबकि लेथम ने टी ब्रेक से ठीक पहले अपना 14वां टेस्ट शतक पूरा किया। टी के समय रचिन 70 रन पर खेल रहे थे। टी ब्रेक के बाद भी कीवी बल्लेबाजों ने उसी आक्रामक अंदाज को जारी रखा। रचिन ने 107 गेंदों में चौथा टेस्ट शतक पूरा किया। दोनों बल्लेबाज स्कोर को 400 रन की बढ़त के पार ले गए। आखिरकार केमार रोच ने लेथम को 145 के स्कोर पर आउट करते हुए यह साझेदारी तोड़ी। रचिन भी अंत में शील्ड्स की यॉर्कर पर 176 रन बनाकर आउट हो गए। अंत में भले ही वेस्ट इंडीज को दो विकेट मिले, लेकिन न्यूजीलैंड ने अंतिम सत्र में 184 रन जोड़कर मुकाबले पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली।

संक्षिप्त स्कोर:

न्यूजीलैंड: 231 व 417/4 (रचिन रवींद्र 176, टॉम लेथम 145; केमार रोच 2/61)

वेस्ट इंडीज: 167

न्यूजीलैंड 481 रन की बढ़त के साथ आगे

दूसरे एशेज टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया का बड़ा फैसला

नाथन लायन बाहर, नेसर और इंग्लिस को मौका

एजेंसी

ब्रिस्बेन। डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन मैच शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया ने चौंकाने वाला निर्णय लेते हुए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन को टीम से बाहर कर दिया। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे दूसरे एशेज टेस्ट में घरेलू दर्शकों के सामने माइकल नेसर की वापसी हुई है, जबकि इंजर्ड उस्मान ख्वाजा की जगह जोश इंग्लिस को शामिल किया गया है। इंग्लिस पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट खेलेंगे और उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नंबर 7 पर उतारा जाएगा। ट्रैविस हेड पर्थ टेस्ट की तरह इस मैच में भी ओपनिंग करेंगे। हेड ने मैच से पहले कहा, ह्लगता है कि मैं ही पारी की शुरूआत करूंगा, मैंने उसी हिसाब से तैयारी की है। यह इंग्लिस का चौथा टेस्ट और पहला एशेज मुकाबला होगा, जबकि नेसर तीन साल बाद बैगी ग्रीन पहनते नजर आएंगे। खास बात यह है कि नेसर के अब तक तीनों टेस्ट मैच डे-नाइट रहे हैं और वे पिंक-बॉल स्पेशलिस्ट माने जाते हैं।

कप्तान पैट कमिंस की वापसी की उम्मीद थी, लेकिन उनकी पीठ की चोट पूरी तरह ठीक न होने के कारण उन्हें अभी भी आराम दिया गया है। इससे स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालते रहेंगे।

38 वर्षीय नाथन लायन को लगातार दूसरे पिंक-बॉल टेस्ट से बाहर किया गया है। सीजन की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया ने कहा था कि वे लायन को फिर से बाहर करने की संभावना कम रखते हैं, लेकिन पर्थ में उन्होंने सिर्फ दो ओवर फेंके और टीम मैनेजमेंट ने पिंक-बॉल कंडीशंस को देखते हुए नेसर पर भरोसा जताया। नेसर की मौजूदगी ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम की बल्लेबाजी को भी मजबूत करती है, क्योंकि उनके पास फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में पांच शतक हैं और लगभग 30 का औसत है।

इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग कपहले ही घोषित कर दी थी। पर्थ में आठ विकेट से हार के बाद उन्होंने एक बदलाव किया है—मार्क वुड की जगह ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है ताकि बल्लेबाजी में गहराई लाई जा सके।

ऑस्ट्रेलिया

जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट

इंग्लैंड

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

पांच साल में एक हजार शहरी केंद्रों का होगा डिजिटल मानचित्रण

एजेंसी

नई दिल्ली : भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी ने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में देश के एक हजार शहरी केंद्रों का व्यापक डिजिटल मानचित्रण करेगी और हाई-प्रिसीजन मैपिंग के जरिए शहरी भू-अभिलेखों को पूरी तरह सटीक बनाया जाएगा।

आने वाले महीनों में 157 शहरों का उच्च-स्तरीय सर्वे पूरा कर लिया जाएगा, जिससे शासन, अवसंरचना विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

उन्होंने जियोस्मार्ट इंडिया 2025 के तीसरे दिन आयोजित सत्र में शहरी भूमि आधुनिकीकरण और भू-स्थानिक तकनीक पर राष्ट्रीय विशेषज्ञों की चर्चा में कहा कि भारत तेजी से एकीकृत और वास्तविक समय में उपलब्ध डिजिटल मैपिंग के दौर में प्रवेश कर रहा है।

जोशी ने कहा कि सभी राज्यों को इस अभियान से जोड़ा गया है और बड़े राज्यों में 10-10 पायलट शहर तथा छोटे राज्यों में 1-2 शहर चिन्हित किए गए हैं। पारंपरिक टेप-आधारित सर्वेक्षण अब प्रभावी नहीं है और संपत्ति लेन-देन पूरी तरह लैटीट्यूड-लॉन्गिट्यूड आधारित डिजिटल स्केच पर आधारित होना चाहिए। राजस्व विभागों को हाथ से बने नक्शों की जगह जीआईएस-लिंक्ड रजिस्ट्रेशन सिस्टम अपनाने की जरूरत है।भूमि अभिलेख विभाग के संयुक्त सचिव कुणाल सत्यार्थी ने बताया कि सरकार 57 शहरों में प्रोकार्ड नामक एकीकृत स्वामित्व रिकॉर्ड तैयार करने के बड़े पायलट की शुरूआत कर रही है, जिसमें नगर निकाय टैक्स रिकॉर्ड, पंजीयन दस्तावेज और अन्य अभिलेखों को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। भारत पहली बार ड्रोन, एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की मदद से 5 सेंटीमीटर सटीकता वाली एरियल इमेज तैयार कर रहा है, जिससे सर्वेक्षण की रफ्तार कई गुना बढ़ी है। सत्यार्थी ने पर्वतीय राज्यों में मैपिंग की चुनौतियों का भी उल्लेख किया और कहा कि सरकार लिडार और उन्नत इमेजिंग तकनीक का उपयोग कर कठिन इलाकों में भी सटीक नक्शे तैयार कर रही है।जियोस्पेशियल वर्ल्ड के सीईओ संजय कुमार ने कहा कि लोकेशन अब एक आर्थिक संपत्ति बन चुकी है और वन नेशन, वन मैप समय की जरूरत है। चौनौती मैपिंग नहीं, बल्कि अलग-अलग विभागों के डाटा को सामंजस्यपूर्ण बनाना है ताकि राष्ट्रीय योजनाओं के लिए विश्वसनीय भू-स्थानिक आधार तैयार किया जा सके।

शोध में फिर सामने आया सूक्ष्म प्लास्टिक कण स्वास्थ्य को पहुंचा सकते गंभीर नुकसान

नई दिल्ली : प्लास्टिक की बोतल के हानिकारक प्रभाव एक बार फिर सामने आए हैं। एक शोध में सामने आया है कि एकल उपयोग प्लास्टिक की बोतलों से निकले छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण हमारे शरीर की महत्वपूर्ण प्रणालियों को प्रभावित कर हमारे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी), मोहाली की टीम ने एक शोध में पाया है कि एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक (पीईटी) की बोतलों से बनें अति-सूक्ष्म प्लास्टिक कण व्यक्ति के शरीर के लिए फायदेमंद सूक्ष्म जीवों और कोशिकाओं को गंभीर हानि पहुंचा सकते हैं। नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी), मोहाली विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (डीएसटी) के तहत एक स्वायत्त संस्थान है।

जीवन की सार्थकता का बोध कराता है उत्कृष्ट साहित्यः होसबाले

एजेंसी

उदयपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि साहित्य समाज को दिशा प्रदान करता है। राष्ट्र और समाज के लिए समर्पण की भावना से परिपूर्ण साहित्य नागरिक को यह समझाने में सहायक होता है कि जीवन की सार्थकता किसमें है।सरकार्यवाह होसबाले बुधवार शाम को यहां उदयपुर के प्रताप गौरव केन्द्र ह्यराष्ट्रीय तीर्थह्ल में राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा के उद्घाटन अवसर पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के पदाधिकारियों व कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन की सार्थकता देश, धर्म और समाज को सशक्त बनाने के लिए अपनी ओर से किए गए योगदान से है। इस भावना को प्रबल करने की दिशा में साहित्य का बड़ा योगदान है। उत्कृष्ट

साहित्य व्यक्ति के व्यक्तित्व को भी उत्कृष्टता की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि हर स्थान पर व्यक्ति को श्रेष्ठ गुणों से परिपूर्ण करने वाले साहित्य की उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने सभी से निरंतर साहित्य पढ़ने को दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि केन्द्र के भामाशाह विक्रय केन्द्र पर ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा बनाई गई है। यह दीर्घा अब यहां निरंतर रहेगी और इसमें राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत साहित्य उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, अखिल भारतीय सामाजिक सद्भाव प्रमुख बलिराम, क्षेत्र के सेवा प्रमुख शिवलहरी, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़, चित्तौड़ प्रांत के सह प्रांत प्रचारक धर्मेन्द्र सिंह, प्रांत संघचालक एडवोकेट जगदीश राणा, प्रांत सहकार्यवाह नारायण गमेती आदि उपस्थित थे।

काशी-तमिल संगमम : तमिलनाडु के दूसरे दल ने बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक सांस्कृतिक नगरी काशी में चल रहे काशी-तमिल संगमम के चौथे संस्करण में भाग लेने आए तमिलनाडु के दूसरे दल ने गुरूवार दोपहर को श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। मंदिर के अधिकारियों ने परंपरागत गरिमा के साथ तमिल मेहमानों का स्वागत किया। मंदिर न्यास की ओर से डमरूवादन के बीच मेहमानों पर पुष्पवर्षा की गई।

मंदिर न्यास के अधिकारियों ने तमिल मेहमानों को बाबा विश्वनाथ के दर्शन कराए और उन्हें काशी विश्वनाथ धाम के भव्य कॉरिडोर का भ्रमण करवाया। भ्रमण के दौरान सभी ने धाम के

ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य कला, नवनिर्मित सुविधाओं और निरंतर बढ़ती श्रद्धा-धारा के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के बाद सभी अतिथियों के लिए मंदिर के अन्नक्षेत्र में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। अन्नक्षेत्र में परोसे गए प्रसाद ने सभी को काशी की सेवा-परंपरा और अतिथि-भावना का गहरा अनुभव कराया। बताया गया कि काशी तमिल संगमम्‌ के इस द्वितीय समूह के लिए यह दिन स्मरणीय रहेगा।

अजमेर की दरगाह व कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की सूचना निकली झूठी

एजेंसी

अजमेर : दरगाह शरीफ और जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरी सूचना अंततः झूठी साबित हुई है, लेकिन प्रशासन और पुलिस ने पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए बड़े स्तर पर सुरक्षा और तलाशी अभियान चलाया। धमकी भरा यह ई-मेल प्रशासन की अधिकृत मेल आईडी पर प्राप्त हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि अजमेर के कलेक्टर कार्यालय और दरगाह गरीब नवाज में चार आरडीएक्स आईईडी लगाए गए हैं और ह्लपुतिन के आते ही विस्फोटह्व होगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा ने बताया कि ई-मेल मिलते ही पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को तत्काल अलर्ट कर दिया गया। दरगाह क्षेत्र से लेकर कलेक्ट्रेट परिसर तक चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली गई। हर संदिग्ध कोने की सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। सुरक्षा कारणों के चलते कुछ समय के लिए दरगाह में जायरीनों का प्रवेश रोक दिया गया। मुख्य गेट पर बैरिकेडिंग कर दी गई और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई। गौरतलब है कि ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह पर आने वाले दिनों में सालाना छह दिवसीय उर्स शुरू होने वाला है, जिसे लेकर पहले से ही पुलिस और जिला प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में जुटा हुआ है। कलेक्ट्रेट कार्यालय में भी विशेष सतर्कता बरती गई। कर्मचारी, आगंतुक, पार्किंग और रिकॉर्ड रूम सहित पूरे परिसर की गहन जांच की गई।

लेबनान के प्रधानमंत्री ने कहा- इजराइल से शांति होने पर ही संभव आर्थिक सहयोग

एजेंसी

बेयरूतः लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने बुधवार को कहा कि यदि लेबनान और इजराइल के बीच स्थायी शांति स्थापित होती है, तो दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने और आर्थिक सहयोग की दिशा में रास्ता खुल सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा तनावपूर्ण हालात में यह लक्ष्य अभी बहुत दूर है।

प्रधानमंत्री सलाम से इजराइल द्वारा लेबनान के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की इच्छा संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। इस पर उन्होंने कहा, आर्थिक वार्ता सामान्यीकरण का हिस्सा होगी, और सामान्यीकरण शांति के बाद ही संभव है। उससे पहले नहीं।

हम अभी उस मुकाम से काफी दूर हैं। लेबनान और इजराइल दशकों से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी माने जाते रहे हैं। इजराइल ने कई बार दक्षिण लेबनान में सैन्य अभियान चलाए हैं। दोनों पक्षों के बीच 2024 तक लगभग एक साल तक सीमा पर तनाव बना रहा, जिसके बाद नवंबर 2024 में युद्धविराम हुआ। इसके बावजूद इजराइली सेना दक्षिण लेबनान में कई स्थानों पर तैनात है और हिज्बुल्लाह पर फिर से हथियार जुटाने और नई कार्रवाई की योजना बनाने के आरोपों के बीच हवाई हमले भी जारी हैं।सलाम ने कहा कि किसी भी अगले राजनीतिक या आर्थिक कदम पर विचार करने से पहले 2024 के युद्धविराम समझौते को पूरी तरह लागू करना अनिवार्य है। इसमें इजराइल को अपनी सेना वापस बुलानी होगी और हमलों को रोकना होगा, जबकि हिज्बुल्लाह को पूर्ण निरस्त्रीकरण सहित तय प्रतिबद्धताओं का पालन करना होगा। उन्होंने कहा, हिज्बुल्लाह को अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरना होगा।ह्व हालांकि हिज्बुल्लाह ने अपने पूरे हथियार भंडार को छोड़ने से इंकार किया है, लेकिन उसने उस युद्धविराम समझौते को स्वीकार किया है, जो केवल राज्य को हथियार रखने का अधिकार देता है। प्रधानमंत्री सलाम के इन बयानों से स्पष्ट है कि क्षेत्र में स्थायी शांति और आर्थिक सहयोग की संभावनाएं तब तक साकार नहीं होंगी, जब तक दोनों पक्ष युद्धविराम समझौते के प्रावधानों पर पूर्णतया अमल नहीं करते।

प्रधानमंत्री मोदी नए और सशक्त पूर्वोत्तर भारत के निमार्ताः सोनोवाल

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नए और सशक्त पूर्वोत्तर के महान वास्तुकार बनकर उभरे हैं और दशकों की उपेक्षा झेल चुका यह क्षेत्र अब देश की वृद्धि, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय गौरव का नया इंजन बन गया है। बीते 10 वर्षों में उत्तर पूर्व को नीति निर्माण के हाशिए से निकालकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के केंद्र में लाया गया है और यह परिवर्तन ऐतिहासिक स्तर पर दिखाई देता है।सोनोवाल ने यहां अपने आवास पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उत्तर पूर्व को लंबे समय तक कम प्रतिनिधित्व और कम निवेश मिला लेकिन मोदी सरकार ने इसे

ह्यअष्टलक्ष्मीह्ल के रूप में विकसित किया है। रेल, सड़क, हवाई और जलमार्ग कनेक्टिविटी में तेजी से विस्तार हुआ है। अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मिजोरम को ब्रॉडगेज से जोड़ा गया है, जबकि बोगीबीली पुल और भैरबी-सैरांग लिंक जैसे प्रोजेक्ट क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नए स्तर पर ले गए हैं। नगालैंड, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय की राजधानी से जुड़ी रेल कनेक्टिविटी परियोजनाएं भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

22,594 करोड़ रुपये की लागत वाले नुमालीगढ़ रिफाइनरी विस्तार ने क्षेत्र को ऊर्जा हब बनाया है।

सड़क नेटवर्क पर उन्होंने कहा कि पिछले दशक में 11 हजार किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय और रणनीतिक राजमार्गों का निर्माण एवं विस्तार हुआ है। हवाई कनेक्टिविटी में भी बड़ा उछाल आया है, जहां 2014 के 9 एयरपोर्ट बढ़कर अब 19 हो गए हैं। पकयोंग और होलोंग जैसे नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा तेजू, रूपसी व अगरतला जैसे प्रमुख टर्मिनलों के उन्नयन ने दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच आसान बनाई है।

उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्व में निवेश अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। नुमालीगढ़ बायो-रिफाइनरी और भारत के पहले बांस-आधारित इथेनॉल संयंत्र ने किसानों को नए अवसर दिए हैं। 22,594 करोड़ रुपये की लागत वाले नुमालीगढ़ रिफाइनरी विस्तार ने क्षेत्र को ऊर्जा हब बनाया है। जगीरोड में 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से बन रहा सेमीकंडक्टर प्लांट प्रतिवर्ष 15 अरब चिप्स तैयार करेगा और 27 हजार रोजगार सृजित करेगा।

सोनोवाल ने कहा कि क्षेत्र में स्थिरता बढ़ी है। बोडो, करबी, ब्रू और अन्य समूहों के साथ शांति समझौतों के बाद हालात सुधरे हैं और 2014 से अब तक अफस्पा 75 प्रतिशत क्षेत्रों से हटाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बेहद खराब, दिल्ली में एक्यूआई 304

नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार बेहद खराब बना हुआ है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक 304 दर्ज किया गया। इसके अलावा राजधानी के आसपास के इलाकों में भी प्रदूषण गंभीर स्तर पर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बागपत में 307, गाजियाबाद में 302, ग्रेटर नोएडा में 285, गुरुग्राम में 293, हापुड़ में 336 और नोएडा में 308 का वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज हुआ। सभी शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है।मौसम विभाग के अनुसार, 5 दिसंबर को आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह हल्का कोहरा रहेगा और अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर का प्रभाव देखने को मिलेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा दिनभर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिन और रात में हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी। सीपीसीबी के मानदंडों के अनुसार, 0 से 50 तक एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बेहद खराब और 401 से 500 गंभीर माना जाता है। दिल्ली में कुल वायु प्रदूषण में वाहनों का योगदान 20.45 प्रतिशत, पराली जलाने का 1.97 प्रतिशत, निर्माण और ध्वंस गतिविधियों का 3.10 प्रतिशत और आवासीय क्षेत्रों का 5.30 प्रतिशत है।

अब मप्र के भोपाल में पर्यटकों को मिलेगा कश्मीर की डल झील जैसा अनुभव

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजा भोज की नगरी भोपाल में लगभग एक हजार साल पहले बने बड़े तालाब में 'शिकारा नाव' सेवा का शुभारंभ ऐतिहासिक अवसर है। इन नवीन 20 शिकारों के माध्यम से पर्यटकों को कश्मीर की प्रसिद्ध डल झील का आनंद, झीलों की नगरी भोपाल में ही मिल जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को भोपाल के बोट क्लब पर 'शिकारा नाव' सेवा को झंडी दिखाने के बाद कही। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिकारों में पर्यटकों के लिए खान-पान एवं आरामदायक बैठक व्यवस्था की गई है। ये शिकारे प्रदेश के जल-पर्यटन (वॉटर टूरिज्म) को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलवाएंगे। प्रदेशवासी पर्यटन सेवा का लाभ उठाने के लिए आगे आएं। एम.पी. टूरिज्म, वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों को भी आगे बढ़ा रहा है। शिकारा सेवा का आनंद उठाते हुए पर्यटक स्वदेशी उत्पादों की खरीद भी कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन्य जीवों के पुनर्वास में भी इतिहास रचा है। आज अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर कूनो में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को लेकर आपार संभावनाएं विद्यमान हैं। नर्मदा वैली सहित प्रदेश की बड़ी-बड़ी जल परियानाओं के माध्यम से पर्यटकों को आकर्षित करने वाली गतिविधियां को बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। पिछले एक साल में उज्जैन आने वाले पर्यटकों की संख्या 7 करोड़ के पार पहुंच गई।

भारत विरोधी एजेंडे पर काम कर रहे कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के नेताः भाजपा

नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने आरोप लगाया है कि इंडी गठबंधन और कांग्रेस नेताओं की मंडली खुलेआम भारत, भारतीयता, सनातन और देवी-देवताओं का अपमान करने के विदेशी एजेंडे पर काम कर रही है। चुग ने कहा कि यह सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि विदेशी मालिकों से मिली सुपारी राजनीति है। चुग ने गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों से कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का देवताओं पर आपत्तिजनक बयान और हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का सनातन धर्म का मजाक उड़ाना कांग्रेस की सोच का असली चेहरा सामने लाता है। देश की जनता ऐसे अपमान का जवाब देना अच्छी तरह जानती है। भाजपा महासचिव चुग ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस का उद्देश्य सिर्फ हिंदू धर्म का अपमान करना और समाज में धार्मिक घृणा फैलाना रह गया है? क्या यह पार्टी की सुविचारित रणनीति का हिस्सा बन चुका है? उन्होंने कहा कि एक तरफ तेलंगाना के कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी देवी-देवताओं का मजाक उड़ाते हैं, दूसरी तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू बच्चों की धार्मिक अभिव्यक्ति रोकने की बात करते हैं। क्या राहुल गांधी ने अपने मुख्यमंत्रियों को हिंदू धर्म पर हमले का खुला लाइसेंस दे दिया है? चुग ने कहा कि जब तेलंगाना में एआईएमआईएम नेता ने अपमानजनक बयान दिया, तब भी कांग्रेस ने जुबली हिल्स चुनाव में उसे समर्थन दिया और कार्रवाई नहीं की। रेवंत रेड्डी ने पहले ही कहा था कि कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस- यही कांग्रेस की वोट-बैंक मानसिकता है। उन्होंने याद दिलाया कि राहुल खुद भगवान की फोटो उठा कर घूमते रहे, लेकिन ईश्वर के नाम पर शपथ नहीं ली।

असम गृह विभाग ने तीन जिहादी संगठनों को किया प्रतिबंधित

गुवाहाटी : असम पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा (सीआईडी) से प्राप्त विशेष इनपुट के आधार पर राज्य के गृह विभाग ने तीन सक्रिय जिहादी संगठनों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।

गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, अंसारुल्लाह बंगला टीम और अल-कायदा से जुड़े अंसार-उल-इस्लाम को प्रतिबंधित संगठनों की सूची में शामिल किया गया है। न्यायिक विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, सीआईडी ने इन संगठनों के गोपनीय संपर्क और आपत्तिजनक गतिविधियों से संबंधित अहम जानकारी प्राप्त की थी, जो राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही थी। गृह विभाग द्वारा जारी निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन संगठनों से जुड़े किसी भी तरह के प्रचार-प्रसार को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 18 के तहत गंभीर अपराध माना जाएगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इन संगठनों से संबंधित किसी भी गतिविधि से दूर रहें।

देसी नहीं इस बार कोरियन खिचड़ी खाकर रहें फिट

क्या किसी टीवी शो में खिचड़ी को देखकर आप इतना टेंप्ट हो सकते हैं कि उसे बनाने के बारे में सोचें? नहीं न... पर मैं हुई थी, जब मैंने कोरियन ड्रामा देखा था। वैसे तो हर कोरियन ड्रामा देखने के बाद, उसमें दिखाई गई डिशेज को खाने का मेरा बड़ा मन करता है, लेकिन यह कुछ अलग था। खिचड़ी कोई कैसे इतनी टेंप्टिंग बना सकता है कि उसे देखकर ही खाने का मन कर जाए। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा में सिर्फ लीड एक्टर्स की ही केमिस्ट्री आपको पसंद नहीं आएगी, बल्कि इसके अलावा बहुत चीजें हैं जो आपको ड्रामा से बांधकर रखेंगी। उन्हीं में से एक ही, शो में दिखाई गई तमाम खाने-पीने की चीजें।

जिस डिश ने मेरा सबसे ज्यादा ध्यान खींचा वो खिचड़ी थी। दरअसल, शो में एक सीन है जहां एक्टर की तबीयत खराब हो जाती है। तब लीड एक्ट्रेस उससे मिलने आती है। वो देखती है कि एक्टर बुखार में तप रहा है। वो उसकी दवा करके उसके लिए एक लाइट मील बनाती है, जो दक जुक है यानी खिचड़ी। मैंने इस रेसिपी को जब देखा था, तो मेरा बड़ा मन किया था कि इसे ट्राई करूं। ट्राई किया भी तो और अब मैं कभी-कभी इसी रेसिपी को बनाती हूं। यह शो बीते दिनों फिर से देखा, तो सोचा आपके साथ भी इस रेसिपी को शेयर करूं। इसके बारे में आपको विस्तार से बताऊं। आइए इस आर्टिकल में और हमारी के-ऑब्सेस्ड सीरीज में आपको एक नई और लोकप्रिय डिश के बारे में बताएं।

क्या है जुक?

जैसे हमारे यहां खिचड़ी बनती है। कोरिया में भी चावल की खिचड़ी बनाई जाती है, जो कई सारे फॉर्म्स में तैयार की जाती है। इसमें तरह-तरह की सब्जियां डाली डा सकती है। वहीं, इसे चिकन के साथ भी बनाया जाता है। इसके टेक्सचर भारतीय खिचड़ी की तरह ही सॉफ्ट होता है और फ्लेवर भी अन्य कोरियन डिशेज से काफी हल्का होता है। सब्जियों से तैयार इस रेसिपी में चिकन के टुकड़ों भी डाला जाता है। यह एक हल्की और हेल्दी मील होती है, जो आपके शरीर को पूरा पोषण देती है। इसे बनाने से पहले चावलों को तेल में कुछ देर के लिए सॉते किया जाता है और फिर ब्रॉथ इसमें डाला जाता है। यह आपको इटैलियन रिजॉतो की तरह लग सकता है।

दकजुक बनाने के लिए सामग्री

- 1 कप छोटे चावल
- 500 ग्राम चिकन
- 5-6 लहसुन
- 1 छोटा इंच टुकड़ा अदरक
- 2 हरे प्याज
- 1 बड़ा चम्मच तिल का तेल
- 1 छोटी गाजर, बारीक कटी हुई
- 1 छोटा प्याज, बारीक कटा हुआ
- 1 जुकिनी, बारीक कटी हुई
- नमक स्वादानुसार

दकजुक बनाने का तरीका

- सबसे पहले चावलों को साफ करके 3-4 बार धो लें और फिर एक कटोरे में 1 घंटे के लिए भिगोकर रख दें।
- अब एक बड़े पतीले में 4 कप पानी डालकर उसे गर्म करने के लिए रख दें। जब पानी में एक उबाल आ जाए, तो उसमें लहसुन, अदरक, हरा प्याज डालकर धीमी आंच पर पका लें। इसे ढककर कम से कम 30 मिनट के लिए पकाएं।
- 30 मिनट बाज टिकन को अलग निकाल लें और फिर पानी को छानकर अलग रख लें।
- अब एक कुकर में तेल गर्म करें और उसमें चावल को छानकर डालें। इसे धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए अच्छी तरह से सॉते करें। अब इसमें गाजर, प्याज और जुकिनी डालकर भूनें। जब सब्जियां सॉफ्ट हो जाएं, तो उसमें नमक डालकर अच्छी तरह हिलाएं और फिर ढककर 2 मिनट पकाएं।
- इसमें 1 लीटर ब्रॉथ डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे एक बार सिमर होने दें और फिर तब तक पकने दें, जब तक खिचड़ी सॉफ्ट और गाढ़ी नहीं हो जाती।
- चिकन को अच्छी तरह से श्रेड कर लें। उसकी हड्डियां निकालकर फेंक दें। अब गाढ़ी हुई खिचड़ी में थोड़ा सा ब्रॉथ और डालें। इसमें हरा प्याज, लहसुन और श्रेडेड चिकन डालकर मिक्स करें और 4-5 मिनट और पकाएं।
- आखिर में ऊपर से तिल डालकर गार्निश करें और गर्मागर्म पौष्टिक खिचड़ी का मजा लें। सर्दियों में यह लाइट मील एक भरपूर भोजन का काम करेगी और आपको स्वस्थ रखेगी।
- अगर आप इसमें चिकन न डालना चाहें, तो इसे बिना चिकन के खूब सारी सब्जियों के साथ बना सकते हैं।

बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर

करेगा निर्णय की सही गणना

घर के हिसाब को सही रखने के लिए साधारण कैलकुलेटर का इस्तेमाल किया ही होगा, अब बीमा का सही हिसाब बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर से जांच लें। बीमा प्रदाता के माध्यम से दी गई जानकारी सही है या नहीं, इसका आकलन आप स्वयं से भी कर सकते हैं, बस इसके लिए आपको जानकारी होनी चाहिए बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर की। तो जानिए कैसे ये आपके लिए मददगार है और साथ ही कैसे आप इसे स्वयं भी जांच सकते हैं।

क्या है बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर

बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर आपके बीमा प्रीमियम की गणना करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए ऑनलाइन उपकरण हैं। ये जीवन बीमा प्रदाताओं की तरह ही कार्य करते हैं। हालांकि बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर पहले से ही तैयार किए गए ऑनलाइन फॉर्मूले पर काम करते हैं। और इस कैलकुलेटर पर आपके द्वारा प्रदान की गई जानकारी और विवरण के आधार पर ही सारी गणना की जाती है। इस गणना को बस कुछ ही मिनटों में पूरा करते ही उपयुक्त परिणाम आपकी स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगते हैं।

क्या होगा फ़ायदा

किसी घर को ख़रीदने से पहले हम ये जांचते हैं कि घर जिस क्षेत्र में है वहां बाक़ी की ज़मीन का रेट इतना ही है जितने का हम ले रहे हैं या नहीं, घर को मरम्मत की ज़रूरत तो नहीं है आदि। इस तरह प्राप्त जानकारी के आधार पर ही हम ये तय करते हैं कि वहां घर ख़रीदेंगे या नहीं। ठीक इसी प्रकार किसी भी बीमा पॉलिसी को लेने से पहले प्रीमियम कैलकुलेटर की मदद से गणना का विवरण प्राप्त किया जा सकता है। इसे एक प्रीमियम उद्धरण या कोटेशन (लिखित रूप में प्राप्त किया गया प्रीमियम का अनुमान) तैयार किया जाता है जिसे आप अपनी पॉलिसी पर भुगतान कर सकते हैं। यह जीवन बीमा प्रदाताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली गणना के समान ही है जो आपकी पॉलिसी प्रीमियम को निर्धारित करते हैं। हालांकि, इस प्रीमियम कैलकुलेटर का उपयोग करना आसान है, जिसके चलते आपको प्रीमियम की मैन्युअल गणना करने के ज़रूरत नहीं होती। किसी प्रकार की बीमा योजना की तलाश करते समय प्रीमियम कोटेशन काफ़ी फायदेमंद हो जाता है। इस स्थिति में आप कोटेशन के आधार पर लागत, लाभ आदि के बारे में विश्लेषण कर सकते हैं। और अपनी पसंद के अनुसार पॉलिसी का चयन कर सकते हैं। साथ ही कौन-सी पॉलिसी आपके लिए बेहतर रहेगी इसके लिए ऑनलाइन ही अन्य कंपनियों से तुलना भी करके एक बेहतर विकल्प चुन सकते हैं।

ऐसे करें गणना

- जिस भी संस्था से आप बीमा ले रहे हैं उसकी वेबसाइट को खोलें। कैलकुलेटर वाले विकल्प को चुनें। अब आप जिस भी योजना के लिए बीमा ले रहे हैं उसे चुनें।
- इसके बाद रिक्त स्थानों में भरी जाने वाली जानकारी या विवरण लिखें जैसे कि आपका नाम, जन्म तिथि, लिंग, फोन नंबर और ईमेल आईडी आदि।
- इन विवरणों को पूरा करने के बाद, एक नया पेज खुलेगा जिसमें पॉलिसीधारक के रूप में आपकी वित्तीय क्षमता का आकलन किया जाएगा। इसमें आपकी वर्तमान आय, आप जिस प्रकार की पॉलिसी चाहते हैं, आप कितनी प्रीमियम राशि का भुगतान कर सकते हैं, आदि जैसे विवरण का जवाब देना होगा।
- अगल-अगल पॉलिसी के आधार पर कैलकुलेटर कुछ अन्य प्रश्न भी पूछ सकता है जैसे- यदि आप जीवन बीमा बचत योजना कैलकुलेटर का उपयोग करते हैं, तो आपको तय वर्षों के बाद बचत के रूप में कितनी राशि चाहिए आदि।
- सभी प्रश्नों के उत्तर देने के पश्चात, बीमा प्रीमियम कैलकुलेटर के माध्यम से सारा विवरण आपकी स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगेगा। इससे न सिर्फ़ आप सारे विवरण को कम समय में बेहतर तरीक़े से समझ पाएंगे बल्कि कई अन्य प्रकार की पॉलिसी का चयन भी कर सकेंगे।

हाइपर बच्चे को कैसे संभाले

छोटे बच्चे अक्सर दूसरे बच्चों को देखकर जिद्द करते हैं। कई बच्चें बहुत ज्यादा गुस्से वाले होते हैं। इस तरह के बच्चों को कई बार समभालना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि उन्हें समझाने के लिए काफी मेहनत लगती है। कई बार मां-बाप बच्चों से परेशान हो जाते हैं जिसकी वजह से बच्चे और भी ज्यादा चिढ़चिढ़े होने लगते हैं। जिसकी वजह से आगे कभी बच्चों को शांत करना मुश्किल होता है।

अक्सर गुस्से में आकर माता पिता बच्चों पर हाथ उठा देते हैं, जो बड़े होकर बच्चों के लिए परेशानी का सबब बनते हैं। वो भी यही सीख लेते हैं कि किसी के गुस्से को शांत करने के लिए हाथ उठाना जरूरी है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं बच्चे को शांत करने के तरीकों के बारे में।

काउंटिंग

गुस्सा आने पर आप बच्चे से कहें कि वह गिनती गिनना शुरू कर दें। ऐसा करवाने के लिए आपको शुरू से ही बच्चों को ये आदत डालनी होगी। गिनती गिनना एक ऐसा तरीका है जो हमेशा काम आता है। ये बड़ों के गुस्से को कम करने में भी कामयाब होता है।

वॉक

अगर आपका बच्चा बहुत ज्यादा टीवी या फिर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है और आप चाहते हैं कि बच्चा इन सभी चीजों से दूर रहे तो आपको बच्चे को आराम से समझाने की जरूरत है। जैसे ही आप बच्चे को टीवी या मोबाइल चलाने से मना करते हैं तो बच्चे गुस्सा हो जाते हैं ऐसे में आपको उन्हें प्यार से समझाने की जरूरत है। साथ ही उसके अलावा उन्हें पार्क में जाकर वॉक या फिर नेचर के बारे में बताएं। कुछ ऐसी चीज को बताएं जिससे आपका बच्चा आपकी बातों में इंटरेस्ट दिखाने लगे।

बच्चों की बात सुनें

गुस्सा किसी को भी आ सकता है और आपको इस बात को समझने की जरूरत है। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे के गुस्से को शांत किया जाए तो आप बच्चों को समझाने से पहले उसकी बात को सुनें। बच्चे को सुनना बहुत जरूरी है। ऐसा करने से बच्चे को अपनी जरूरत का एहसास होता है।

बच्चे को दें स्पेस

बच्चा चाहें छोटा हो या बड़े गुस्सा होने पर वह अपने पसंदीदा स्पॉट पर बैठता ही है। ऐसे में बच्चों को उसके चिलिंग स्पॉट में बैठने दें और फिर थोड़ी देर बाद आप उस जगह पर जा सकते हैं और अपने बच्चे को समझाने की कोशिश करें।

सहानुभूति

कई माता-पिता की आदत होती है कि वह हर चीज में बच्चे को कोसने लगते हैं और उसकी गलतियां निकालते हैं। ऐसा करने से बच्चों में गुस्सा बढ़ता है और वह जिद्दी हो जाते हैं। ऐसा करने से अच्छा है कि आप अपने बच्चे की बात सुनें और समझाएं। इससे आपके बच्चे के दिल में सहानुभूति की भावना बढ़ती है।

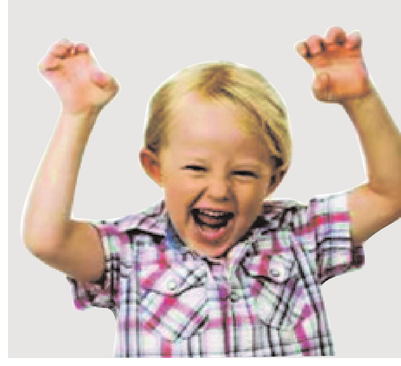

सीड ट्रे से सीडलिंग को कब करें ट्रांसप्लांट

जो भी गार्डनर बीजों से पौधों को बढ़ते हुए देखना चाहते हैं, वे अक्सर सीड्स को सीड ट्रे में बोना पसंद करते हैं। इससे वे एक साथ कई बीज बो पाते हैं। साथ ही साथ, सीड ट्रे के कारण नमी और तापमान को नियंत्रित करना अधिक आसान हो जाता है। जिससे बीज जल्दी अंकुरित हो पाते हैं। लेकिन एक बार जब बीज अंकुरित हो जाते हैं, तो फिर उन्हें बढ़ने के लिए अधिक स्पेस की जरूरत होती है। ऐसे में अगर उसे सीड ट्रे में ही छोड़ दिया जाए तो इससे उनकी ग्रोथ पर विपरीत असर पड़ता है और उन्हें पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। हालांकि, अधिकतर लोगों को इस बात का पता ही नहीं होता है कि सीड ट्रे से सीडलिंग को कब ट्रांसप्लांट करना चाहिए।

डेवलपमेंट पर दें ध्यान

अगर आप सीडलिंग को सीड ट्रे से ट्रांसप्लांट करने का मन बना रहे हैं तो ऐसे में पहले आपको उसकी डेवलपमेंट पर ध्यान देना चाहिए। सीडलिंग का साइज और उसकी ग्रोथ से आपको यह पता चल जाएगा कि ट्रांसप्लांट करना सही है या नहीं। आपको सीडलिंग को तब तक ट्रांसप्लांट नहीं करना चाहिए, जब तक कि उस पर पत्तियां ना आ जाएं। आपको यह समझना चाहिए कि सीडलिंग पर नजर आने वाली पहली पत्तियां वास्तव में सीड लीव्स होती हैं। आपको इसके बाद ही ट्रांसप्लांट करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि सीडलिंग ट्रांसप्लांटेशन स्ट्रेस को आसानी से हैंडल कर सकती हैं।

साइज पर दें ध्यान

सीडलिंग की ग्रोथ के साथ-साथ उनके साइज पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही महत्वपूर्ण है। हमेशा ध्यान रखें कि आप सीडलिंग को तभी ट्रांसप्लांट करें, जब आपके छोटे पौधों की लंबाई लगभग 4 से 8 इंच के बीच हो जाए। इस दौरान उन्हें ट्रांसप्लांट करने से वे ट्रांसप्लांटिंग शॉक को हैंडल कर पाते हैं।

रूट सिस्टम पर दें ध्यान

कभी भी सीडलिंग को ट्रांसप्लांट करने से पहले रूट सिस्टम पर खासतौर पर ध्यान देना चाहिए। आप पहले सीडलिंग के रूट्स को चेक करें। अगर रूट्स सीड्स ट्रे में गुच्छे में नजर आ रहे हैं तो इसका मतलब यह है कि रूट सिस्टम अच्छी तरह डेवलप हो गया है। इस दौरान सीडलिंग को बिना किसी परेशानी के ट्रांसप्लांट किया जा सकता है।

मौसम पर दें ध्यान

सीडलिंग को सीड्स ट्रे से ट्रांसप्लांट करते समय मौसम पर विशेष ध्यान दिया जाना बेहद महत्वपूर्ण है। हमेशा आप पौधे की मौसम संबंधी जरूरतों को समझें और फिर मौसम का मिजाज देंखें। अगर मौसम अनुकूल होता है तो इससे सीडलिंग पर ट्रांसप्लांट के दौरान अधिक स्ट्रेस नहीं आता है। कोशिश करें कि आप अत्यधिक गर्मी या तेज़ हवाओं के दौरान ट्रांसप्लांटिंग ना करें।

प्लेस पर दें ध्यान

ट्रांसप्लांटिंग से पहले आपको यह भी समझना चाहिए कि आपका प्लांट बाहरी मौसम की मार को झेलने के लिए तैयार है या नहीं। मसलन, अगर आपने इनडोर सीडलिंग शुरू की है तो आपको उन्हें ट्रांसप्लांट से पहले धीरे-धीरे उन्हें बाहरी मौसम के अनुकूल बनाएं। इस प्रोसेस को हार्डनिंग ऑफ के रूप में जाना जाता है, जिसकी मदद से सीडलिंग को तापमान, प्रकाश और हवा में होने वाले बदलाव के साथ खुद को एडजस्ट करने में मदद मिलती है।

बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार का बड़ा बयान, कहा

सब लोग प्रधानमंत्री को नमन कीजिए

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सदन के सभी सदस्यों, यहां तक कि विपक्ष से भी आग्रह किया कि सब लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नमन कीजिए। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के लिए बहुत कुछ किया है।

नीतीश कुमार ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों का लाभ सिर्फ.सत्ताधारी दल को नहीं, बल्कि पूरे राज्य और सभी नागरिकों को मिला है। उन्होंने विपक्ष की ओर देखते हुए कहा कि बिहार में सबके लिए काम हुआ है, आपके लिए भी हुआ है, इसलिए सब लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नमन कीजिए।

राजनीति से जुड़े जानकारों का यह भी मानना है कि यह सिर्फ. प्रशंसा नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी को मजबूत संदेश देने का प्रयास भी है। नीतीश कुमार के इन बयानों को राजनीतिक भाषा में देखा जाए, तो यह सिर्फ सरकार के कामों की सूची नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी है। बिहार की विकास यात्रा केंद्र और राज्य की साझेदारी से आगे बढ़ रही है और इसके नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

नियुक्तियों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सभी बहालियां बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के माध्यम से पारदर्शी तरीके से हो रही हैं। सिस्टम अब नियम, नीयत और नीति पर चलता है।

राजनीतिक गलियारों में बढ़ी हलचल

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह बयान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एकजुटता का संकेत माना जा रहा है, वहीं कुछ इसे आने वाले चुनावों का स्पष्ट राजनीतिक मैसेज बता रहे हैं।

विकास कार्यों और प्रशासनिक सुधारों का उल्लेख

विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि अब बिहार के किसी भी हिस्से में पहुंचने में अधिकतम 6 घंटे से ज्यादा नहीं लगते। सड़कों, पुल-पुलियों और नए मार्गों के निर्माण से राज्य की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार हुआ है और यह राजग सरकार की उपलब्धि है।

विधानसभा में गूंजा वरिष्ठ आईएएस की कथित अभद्र टिप्पणी का मामला

एजेंसी

पटना : अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) के अध्यक्ष और वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा सामाजिक समुदाय की एक बेटी को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। यह विवाद अब बिहार विधानसभा तक पहुंच गया है। शीतकालीन सत्र के चौथे दिन लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विधायक और विधानमंडल दल के नेता राजू तिवारी ने यह मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया।

सदन में अपनी बात रखते हुए राजू तिवारी ने कहा कि एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी द्वारा किसी भी समुदाय की बेटी पर अभद्र टिप्पणी करना न केवल सामाजिक मान्यताओं के खिलाफ है, बल्कि यह उनके संवैधानिक पद की गरिमा पर भी प्रश्न खड़ा करता है। उन्होंने सरकार से तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा, ह्लमैं ब्राह्मण समाज से आता हूं, लेकिन यह मुद्दा केवल मेरे समाज का नहीं, पूरे समाज का है। किसी भी बेटी या बहन के बारे में अशोभनीय टिप्पणी करने का अधिकार किसी को नहीं है। संविधान ने हर महिला को सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है और इसे कोई भी व्यक्ति, चाहे उसका पद कितना ही बड़ा क्यों न हो, तार-तार नहीं कर सकता।

बासा का निबंधन पुनः बहाल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पटना : बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस एसोसिएशन सोसाइटी एक निबंधित संस्था है. पूर्व में इस संस्था का निबंधन, संस्था द्वारा संघ का संचालन सुव्यवस्थित तरीके से सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत नहीं करने, संघ के कार्यकलापों में पारदर्शिता की कमी तथा संघ द्वारा कानून के विरुद्ध कार्य करने के कारण रद्द कर दिया गया था तथा संस्था के सभी गतिविधियों पर रोक लगा दिया गया था।

इस आदेश के विरुद्ध बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस एसोसिएशन सोसाइटी ने उच्च न्यायालय में याचना दायर किया था। संस्था के पदाधिकारियों द्वारा निबंधन महानिरीक्षक को प्रतिवेदित किया गया कि सी०डब्लू०जे०सी० संख्या-1899/2023 बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस एसोसिएशन बनाम बिहार राज्य एवं अन्य वाद में दि0-13.11.2025 को माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में एसोसिएशन विवाद निपटारा हेतु माननयी न्यायालय में दायर वाद को वापस ले लिया गया है।

संस्था के पदाधिकारियों द्वारा "बिहार एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस एसोसिएशन" का निबंधन पुनर्बहाल करने का अनुरोध किया गया है। इस याचिका के आलोक में सम्यक ने पूर्व में जारी आदेश को निरस्त कर दिया है।

बासा के संयुक्त सचिव चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि यह हमारे संस्था की बड़ी उपलब्धि है इसके लिए हम बिहार सरकार का आभार व्यक्त करते हैं।

विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बेतिया : बेतिया पुलिस जिला स्थित लौरिया थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान परोराहा निवासी ओम प्रकाश यादव, पिता भीखम यादव के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चटकल चौक स्थित एक मीटझ्रचावल की दुकान पर छापेमारी की गई। इस दौरान दुकान से 13 पीस (8 पीएम) विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपी अवैध रूप से विदेशी शराब रखकर उसकी बिक्री की फिराक में था। मामले में मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

53 काराओं में सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने के लिए 9,073 नये सीसीटीवी कैमरे

एजेंसी

पटना : बिहार के उपमुख्यमंत्री (गृह) सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य की सभी 53 काराओं में सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने के लिए 9,073 नये सीसीटीवी कैमरों के अधिष्ठापन तथा 8 काराओं में पूर्व स्थापित कैमरा सिस्टम के इंटीग्रेशन के लिए 155.38 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना से बिहार की जेल सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय को बेल्ट्रॉन द्वारा उपलब्ध कराए गए संशोधित विस्तृत प्राक्कलन के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई है।

इस परियोजना में सीसीटीवी कैमरों, सॉफ्टवेयर, फील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइबर नेटवर्क, स्थानीय मॉनिटरिंग व्यवस्था, पांच वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव हेतु मैनपावर लागत, परामर्श शुल्क, आकस्मिक व्यय तथा बेल्ट्रॉन मार्जिन को सम्मिलित किया गया है।

परियोजना की लागत कुल 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपये है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान के अंतर्गत इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई है।

परियोजना की लागत कुल 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपये है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान के अंतर्गत इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि इस स्वीकृति से बिहार की जेलों में निगरानी प्रणाली अत्यधिक सुदृढ़ होगी, सुरक्षा में पारदर्शिता बढ़ेगी और कारागार प्रबंधन में तकनीक आधारित सुधार सुनिश्चित होंगे।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस स्वीकृति से बिहार की जेलों में निगरानी प्रणाली अत्यधिक सुदृढ़ होगी, सुरक्षा में पारदर्शिता बढ़ेगी और कारागार प्रबंधन में तकनीक आधारित सुधार सुनिश्चित होंगे।

छंद प्रसंग कार्यक्रम मे महाकवि विद्यापति, महेन्द्र मिसर व भिखारी ठाकुर को किया नमन

एजेंसी

सहरसा : मध्य प्रदेश भोजपुरी अकादमी, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित छंद प्रसंग कार्यक्रम के तहत 3 नवम्बर के जबलपुर आर्ट कॉलेज में पौराणिक साहित्यकार विद्यापति, महेन्द्र मिसिर, एवं भिखारी ठाकुर के छंद काव्य पर वैदेही कला संग्रहालय सहरसा के संस्थापक प्रो ओमप्रकाश भारती ने व्याख्यान दिया।

प्रो. भारती ने कहा सही मायने में मनमोहक एवं यादगार अनुभव रहा।ब्याख्यान माला अंतर्गत भोजपुरी मैथिली में रचित छंद पर सुन्दर नृत्य किया गया,जिसे कलाकारों नें सराहनीय प्रदर्शन किया।इस अवसर पर कोलकात्ता के प्रसिद्ध नृत्य गुरू मोनालिसा घोष एवं उनके शिष्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया।जो बहुत ही असाधारण रहा। भारती ने मध्य प्रदेश भोजपुरी अकादमी के पदाधिकारी ओम प्रकाश मैथिल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त कर सुन्दर सुखद मंगलमय आयोजन जो गहराई व सार्थकता प्रदान की।

उन्होंने कहा कि मैथिली समाज में जिस प्रकार महाकवि कवि कोकिल विद्यापति का सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।उसी तरह भोजपुरी में महेंद्र मिश्रा एवं भिखारी ठाकुर को वह स्थान प्राप्त है।उन्होंने कहा कि 13वीं शताब्दी में महाकवि विद्यापति ने देसिल वयना के तहत अवहट्ट भाषा में रचना की जो आम जनमानस में ह्रदय में आज तक रची बसी हुई है। उसी प्रकार महेंद्र मिसर एवं भिखारी ठाकुर ने भोजपुरी भाषा में मार्मिक गीतों की रचना की।जो आज भी प्रासंगिक है जिसे सुनने के बाद मन मस्तिष्क संगीत में वातावरण में ह्रदय को सुकून प्रदान करता है।

तीन लाख की ठगी करने के मामले में प्रमुख अभियुक्त गिरफ्तार

भागलपुर : तीन लाख की ठगी करने के मामले में प्रमुख अभियुक्त अलियान हसन, पे०-मो० नुर हसन, सा०-बलिपुर न्यू कॉलोनी, थाना-जमालपुर, जिला-मुंगेर को जमालपुर से विधिवत गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी गुरुवार को भागलपुर एसएसपी कार्यालय के हवाले से दी गई। बताया गया कि बीते 23 मार्च को भागलपुर साइबर थाना में वादी अरविन्द कुमार मंडल द्वारा एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि एक व्यक्ति के द्वारा 03 लाख रुपए का ठगी किया गया है। इस संबंध में भागलपुर साइबर थाना में सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक साइबर - सह-थानाध्यक्ष साइबर थाना भागलपुर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

एसएसबी जवानों नें चलाया स्वच्छता अभियान

एजेंसी

अररिया : एसएसबी 52 वीं बटालियन की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गुरुवार को एसएसबी के जवानों ने स्कूल समेत अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया।

एसएसबी जवानों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर सिकटी के कुचहा में स्कूल,मंदिर एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई की और बिखरे कूड़े कचरों को चुनकर उनका निष्पादन किया।

एसएसबी 52 वीं बटालियन के कमांडेंट महेंद्र प्रताप के दिशा निर्देश पर चलाए गए स्वच्छता अभियान को लेकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति संकल्प भी दिलाया गया।एसएसबी जवानों ने ग्रामीणों से अपने घरों के साथ साथ आसपास के इलाकों को भी साफ और सुंदर बनाए रखने की अपील की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर चल रहा व्यापक गृह जनसंपर्क अभियान

एजेंसी

सहरसा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने के उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर जाकर व्यापक गृह संपर्क अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गुरुवार को नया बाजार,सराही एवं शंकर चौक ,महावीर चौक सहित अन्य बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठन और सेवा के 100 वर्ष पूरा होने के उपरांत समर्थ भारत बनाने के लिए स्वयंसेवक घर-घर जाकर पत्रक एवं पुस्तिका का वितरण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सेवा प्रमुख डा मुरारी कुमार ने बताया कि 1925 के विजयदशमी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं।संघ आज विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन बन गया है इसीलिए स्वाभाविक रूप से संघ को जानने की उत्सुकता समाज में काफी बढ़ी है। संघ की स्थापना ऐसे समय में हुई जब हमारा देश स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहा था। किंतु हिंदू समाज असंगठित होकर विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त थे। ऐसे में वे स्वाधीनता आंदोलन के सभी प्रयासों में सक्रिय रहे। उनका मानना था कि समाज की सभी समस्याओं का स्थाई समाधान केवल हिंदू समाज की संगठित होने से ही होगा। इस भगीरथ और महत्वपूर्ण कार्य हेतु वैसे ही गुणवान कार्यकर्ता आवश्यक थे। ऐसे कार्यकर्ता निर्माण के लिए डॉक्टर हेडगेवार ने एक सरल किंतु अत्यंत परिणाम कारक दैनंदिन शाखा पद्धति संघ में विकसित की जो विगत एक सौ वर्षो से अनवरत अथक परिश्रम से चल रहा है।

भारती मंडन प्रभात शाखा के शाखा पालक हरिशेखर मिश्रा ने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण की कार्य पद्धति को संघ कार्य का विस्तार माना है ।उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक सेवा कार्य चलाकर किसानों को प्रशिक्षण प्रबोधन प्रोत्साहन देने की दृष्टि से गौ सेवा संवर्धन, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन की विषयों पर सेवा कार्य और गतिविधियां चला रहे हैं।

मौके पर नगर कार्यवाह श्रवण कुमार एवं शाखा कार्यवाह अविनाश कुमार ने बताया कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने की उपलक्ष्य में सशक्त और स्वस्थ भारत निर्माण हेतु समाज में पांच प्रकार के परिवर्तन कार्य किये जा रहे हैं।जिसके अंतर्गत सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन,गौ आधारित जीवन, नागरिक कर्तव्य बोध जैसे प्रकल्प चलाए जा रहे हैं।इस शताब्दी वर्षों में संपूर्ण समाज को संगठित कर देश के सामने आने वाले सभी समस्याओं और चुनौतियों का समाधान करना एवं समाज में स्थाई परिवर्तन लाने हेतु संघ कार्य का अगला चरण है।

संक्षिप्त खबरें

डीएम ने तकनीकी टास्क फोर्स के साथ की बैठक

अररिया : डीएम अनिल कुमार ने गुरुवार को कार्यालय कक्ष में तकनीकी टास्क फोर्स की बैठक की। बैठक में योजना, स्वास्थ्य,भवन निर्माण,पथ निर्माण, विद्युत, ग्रामीण कार्य विभाग,पीएचईडी, सभी नगर परिषद एवं पंचायत, अल्पसंख्यक कल्याण, बुडको, एलएईओ सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों से योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन योजनाओं में कार्य प्रारंभ है, उनमें तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण किया जाये। साथ ही जो कार्य प्रारंभ किए जाने हैं, उसमें अविलंब अग्रत्तर कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास प्रशाखा, जिला योजना पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी,सभी नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारी, परियोजना निदेशक (असैनिक) बुडको सहित सभी कार्यपालक अभियंता एलएईओ, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, भवन निर्माण, पथ निर्माण, विद्युत आपूर्ति , ग्रामीण कार्य विभाग आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने की अनुकम्पा समिति की बैठक

सारण : जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में गुरुवार को जिलास्तरीय अनुकम्पा समिति की बैठक हुई। बैठक स्थापना शाखा से संबंधित मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति प्रदान करने पर केंद्रित थी। कुल 05 प्रस्तावित मामलों पर विचार किया गया। इनमें से 03 मामलों को तत्काल स्वीकृत कर दिया गया और संबंधित आश्रितों को नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है। शेष 02 मामलों में से एक मामले में आश्रित की उम्र निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाने के कारण जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया है कि वे अपने विभाग से उम्र को माफ करने की प्रक्रिया पूरी कर इसे अगली बैठक में प्रस्तुत करें। दूसरे लंबित मामले में संबंधित विभाग से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में आर्थिक रूप से कर्मचारियों को लाभान्वित करने वाले निर्णय भी लिए गए। स्थापना शाखा से संबंधित कुल 06 कार्यरत सरकारी कर्मियों को अउढ का लाभ प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त पंचायत शाखा से संबंधित 04 कार्यरत पंचायत सचिवों को भी अउढ का लाभ प्रदान किया गया है, जो उनके सेवाकाल में एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है। जिलाधिकारी अमन समीर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत मामलों में अनुपालन शीघ्र सुनिश्चित किया जाए ताकि आश्रितों और लाभान्वित कर्मियों को तुरंत इसका फायदा मिल सके।

अपर समाहर्ता निशांत ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक की

सहरसा : जिलाधिकारी के निदेशानुसार जिलांतर्गत महिषी प्रखंड सभागार में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अपर समाहर्ता निशांत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीण विकास,कृषि, पशुपालन,स्वास्थ्य,सामाजिक सुरक्षा, जीविका,सहकारिता,समेकित बाल विकास परियोजना,शिक्षा,लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं यथा :प्रधानमंत्री आवास योजना,मनेरगा,लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान,आंगनबाड़ी केंद्रो संचालन की स्थिति,सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत पेंशन क्रियान्वयन,नल जल योजना आदि की वर्तमान क्रियान्वयन स्थिति महिषी प्रखंड के संदर्भ में एवं राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की गई। सभी संबंधित पदाधिकारियों को संचालित योजनाओं के समयबद्ध,सुचारु एवं पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु ठोस कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।साथ ही योजना क्रियान्वयन के संदर्भ में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया है। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी,सिविल सर्जन,जिला सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

38 जिले के लगभग 300 महिला व पुरुष राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

सहरसा : राज्य स्तरीय सीनियर महिला पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता स्थानीय खेल भवन में 7 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम सुनिश्चित है।इसमें बिहार के सभी 38 जिले के महिला व पुरुष इस दंगल प्रतियोगिता में भाग लेगें।जिसमें औसतन लगभग करीब 300 पहलवानों का समागम होगा। बिहार कुश्ती संघ के तत्वाधान के तहत सहरसा जिला कुश्ती संघ द्वारा आयोजित किया जाएगा।यह राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता एक दिवसीय ट्रायल के तहत चियनित पहलवानों को नेशनल प्रतियोगिता में सलेक्शन कर सभी चयनित पहलवानों को भेजा जायेगा।

दिल्ली में आयोजित रैली में कांग्रेस जन बढ़-चढ़कर लें भाग: राजेश राम

पटना : बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदेश के सभी कांग्रेस सांसदों, विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों, विधान सभा चुनाव के प्रत्याशियों, प्रदेश मोर्चा संगठन, विभाग, प्रकोष्ठ एवं कांग्रेसजनों से आह्वान किया है कि वे 14 दिसम्बर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित ह्लवोट चोर, गद्दी छोड़ महा रैलीह्व में पूर्ण शक्ति के साथ शामिल हों। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का लगातार प्रयास किया गया है। विपक्षी नेताओं पर झूठे मुकदमे थोपे जा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 14 दिसम्बर को इस ऐतिहासिक रैली का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तमाम नेता और कार्यकर्ता लोकतंत्र की मजबूती के लिए इस रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं तथा अन्य लोगों को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करें।